@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 12 जुलाई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 242 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

रोजगार मेले में शनिवार को 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र देंगे मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां 16 वें रोज़गार मेले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री

कार्यालय ने आज यहां बताया कि श्री मोदी इस अवसर पर नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित भी करेंगे। रोज़गार मेला रोज़गार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। रोज़गार मेला युवाओं को उनके सशक्तीकरण और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। देश भर में रोज़गार मेलों के माध्यम से अब तक 10 लाख से अधिक भर्ती पत्र जारी किए जा चुके हैं। यह रोज़गार मेला देश भर में 47 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। ये भर्तियां केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में हो रही हैं। देश भर से चुने गए नए कर्मचारी रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय और अन्य विभागों तथा मंत्रालयों में शामिल होंगे।

काम में ढिलाई बरतने वाले अधिकारियों और ठेकेदारों को छोड़ने वाला नहीं : गडकरी

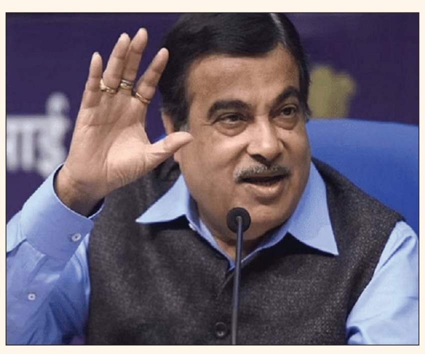

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के वडोदरा जिले में महिसागर नदी पर बने पुल के ढहने की घटना के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। बढ़ते पुल हादसों के बीच केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि वे काम में ढिलाई बरतने वाले अधिकारियों और ठेकेदारों के पीछे लग गए हैं। इतना ही नहीं उन्होंने कहा है कि दुर्भावनापूर्ण गलतियों पर ठोक देना चाहिए। मंत्री गडकरी ने कहा, एक्सीडेंट अलग चीज है और जो काम करते समय बेईमानी और फ्रॉड करते हैं, वहां दूसरी चीज है। अगर गलती जानबूझकर नहीं की गई हो तब माफ कर देना चाहिए, लेकिन अगर गलती दुर्भावनापूर्ण की गई हैं, तब ठोक देना चाहिए। एक कार्यक्रम में उन्होंने यह टिप्पणी की। काम के रवैये को लेकर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि वह गड़बड़ होने पर जिम्मेदारों को डांट लगाते हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई गड़बड़ हुई रोड पर तब छोड़ता नहीं हूं। अभी मेरा टारगेट है, 7 वर्ल्ड रिकॉर्ड हुए, अब मैं ठेकेदार और अधिकारियों के पीछे लगूंगा। ये मेरे देश की संपत्ति है, मैं इसके साथ समझौता नहीं करूंगा। एक एक रोड में मेरे घर की दीवार है। जितनी चिंता मुझे मेरे घर की है, उतनी जिम्मेदारी मेरी उस रोड के साथ है। इसके साथ समझौता नहीं करूंगा। गुजरात पुल हादसा महिसागर नदी पर बने पुल के ढहने की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल पर खोज एवं बचाव अभियान रात के लिए रोक दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह अभियान शुक्रवार सुबह फिर से शुरू होगा क्योंकि दो व्यक्ति अब भी लापता हैं।

दिल्ली पीडब्ल्यूडी के इतिहास का सबसे बड़ा सुधार: विभाग बनाएगा अपना इंजीनियरिंग कैडर

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 11 जुलाई। दिल्ली के बुनियादी ढांचे की दिशा और दशा बदलने वाला एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए दिल्ली के लोक निर्माण विभाग ने अपना स्वतंत्र इंजीनियरिंग कैडर बनाने का निर्णय लिया है। यह विभाग के इतिहास का सबसे बड़ा प्रशासनिक सुधार माना जा रहा है, जिससे केंद्रीय लोक निर्माण विभाग पर दशकों से चली आ रही निर्भरता समाप्त हो जाएगी। अब तक पीडब्ल्यूडी में कार्यरत अधिकांश अभियंता, कार्यपालक अभियंता (श्रश्व), अधीक्षण अभियंता (स्श्व) और कनिष्ठ अभियंता (छ्श्व) सीपीडब्ल्यूडी या अन्य केंद्रीय एजेंसियों से प्रतिनियुक्ति पर आते थे। लेकिन स्वतंत्र इंजीनियरिंग कैडर के गठन के बाद, दिल्ली को अपना स्थायी, समर्पित और पूरी तरह से जवाबदेह तकनीकी स्टाफ मिलेगा—जो दिल्ली सरकार की अपनी सेवा शर्तों और निगरानी व्यवस्था के अंतर्गत चयनित, प्रशिक्षित और पदोन्नत होंगे। यह सिर्फ पीडब्ल्यूडी के लिए नहीं, बल्कि पूरी दिल्ली के लिए एक टर्निंग पॉइंट है। जब अभियंता केवल दिल्ली के लोगों के प्रति जवाबदेह होंगे, तो उनकी कार्यशैली और प्रतिबद्धता अपने आप बढ़ेगी। हम एक मजबूत, स्वच्छ और तेज़ दिल्ली बना रहे हैं—और इसके लिए हमें अपनी खुद की टीम चाहिए — पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा। स्वतंत्र इंजीनियरिंग कैडर के गठन का प्रस्ताव तैयार हो चुका है और आगामी दिनों में इसे दिल्ली कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। मंजूरी मिलते ही, विभाग भर्ती प्रक्रिया और संगठनात्मक पुनर्गठन की दिशा में आगे बढ़ेगा—जिससे जूनियर इंजीनियर से लेकर मुख्य अभियंता तक हर स्तर पर ऐसे अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे जो सिर्फ दिल्ली पीडब्ल्यूडी के अधीन होंगे।

शेष पृष्ठ 3 पर

ऑपरेशन सिंदूर पर पहली बार बोले एनएसए डोभाल, कहा...

ऑपरेशन सिंदूर हमारी सफलता, भारत को नुकसान के दावे खोखले, सबूत हैं तो दिखाओ: अजित डोभाल

चेन्नई (एजेंसी)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने शुक्रवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर पहली बार बयान दिया। उन्होंने अभियान की सफलता को लेकर खड़े किए जा रहे सवालों को सिरे से खारिज किया। विदेशी मीडिया को चुनौती दी कि अगर उनके पास भारत के नुकसान को लेकर कोई सबूत है तो उसे पेश करें।

आईआईटी मद्रास के 62वें दीक्षांत समारोह में कही। अजित डोभाल ने कहा कि हमने पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को चुनकर निशाना बनाया। ये सीमावर्ती इलाके नहीं थे, बल्कि वो जगहें थीं जहां हमें यकीन था कि आतंकी मौजूद हैं। हम एक भी लक्ष्य से चूके नहीं और कोई अन्य जगह को निशाने पर लिया नहीं। हमला पूरी तरह सटीक और पूर्व-निर्धारित जानकारी के आधार पर किया गया था। महज 23 मिनट में पूरे ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। इस दौरान भारतीय

वायुसेना और सुरक्षा एजेंसियों ने मिलकर ऐसी सामरिक एकता दिखाई, जो पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल बन गई।

उन्होंने कहा कि विदेशी मीडिया कोई भी फोटो या सैटेलाइट इमेज नहीं दिखा पाया और न ही यह बता पाया कि नुकसान क्या हुआ। एनएसए ने कहा, 'विदेशी प्रेस कहता रहा कि पाकिस्तान ने ये कर दिया, वो कर दिया, लेकिन मुझे एक फोटो दिखाइए जिसमें भारत का नुकसान नजर आया हो, यहां तक कि एक शीशा भी टूटा हो। हमसे कोई चूक नहीं हुई। हम उस पॉइंट तक सटीक थे जहां हमें पता था कि कौन कहां है।'

उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि आप मुझे एक भी तस्वीर या सैटेलाइट इमेजरी दिखा दीजिए जिसमें भारत को कोई नुकसान हुआ हो, यहां तक कि किसी कांच की खिड़की तक को नुकसान पहुंचा हो। इस पूरे ऑपरेशन में भारतीय सेना की आधुनिक तकनीक और रणनीति ने अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा कि हम इस बात पर गर्व करते हैं कि इस ऑपरेशन में स्वदेशी और अत्याधुनिक सिस्टम जैसे ब्रह्मोस, एकीकृत एयर कंट्रोल और कमांड सिस्टम और बैटलफील्ड सर्विलांस की भूमिका निर्णायक रही। हमने उनकी पोजीशन का सटीक अनुमान लगाया और उस आधार पर हमला किया। डोभाल ने तंज कसते हुए कहा कि विदेशी मीडिया ने बड़े-बड़े दावे किए, लेकिन क्या उनके पास कोई सबूत है? 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने बहुत कुछ लिखा, लेकिन क्या उन्होंने एक भी वैध इमेज दिखाई जो भारत पर हुए नुकसान की पुष्टि करे?

पाकिस्तान में हमला: बस से यात्रियों को उतारा और पहचान देखकर 9 लोगों को मार डाला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। आतंकियों को पनाह देने के आरोपों से घिरा पाकिस्तान खुद भी इसका शिकार है। बीते रोज एक यात्री बस को रोका गया और सवारियों को उतारकर उनसे नाम पता पूछा और गोली मार दी। ऐसे करीब 9 लोगों की हत्या कर दी गई। बलूचिस्तान के अधिकारी इसे आतंकवादी घटना बता रहे हैं। इस साल मार्च में ही जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने हाईजैक कर लिया था।

फिलहाल, स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, बलूचिस्तान के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि कम से कम 9 लोगों की हत्या कर दी गई है। उन्होंने बताया कि क्वेटा से लाहौर जाने वाली बस में सवार यात्रियों को उतारकर अगवा किया और गोली मार दी। घटना उत्तरी बलूचिस्तान के पास झोब शहर की है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावरों ने बस को रोका, यात्रियों को उतारा और चुनकर पहचान कर 9 लोगों की हत्या कर दी।

पुलिस उपायुक्त नावेद आलम ने कहा कि यात्रियों को वाहनों से अगवा करने के बाद उन्हें गोली मारी गई थी। उन्होंने कहा कि शवों को बलूचिस्तान के बारखान जिले के रेखनी अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने घटना की निंदा की और उसे आतंकवादी कृत्य करार दिया है। उन्होंने कहा, आतंकवादियों ने यात्रियों को बस से उतारा, पहचान की और बेरहमी से 9 मासूम पाकिस्तानियों की हत्या कर दी। रिपोर्ट के अनुसार, एक अधिकारी ने कहा कि हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। फिलहाल, उनकी तलाश जारी है।

मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने इसे खुला आतंकवाद बताया और तार फित्ना ए हिन्दुस्तान से जोड़े। बुगती का कहना है कि हमलावरों ने जानबूझकर पाकिस्तानी पहचान के कारण मासूम नागरिकों को निशाना बनाया है।

भोलेबाब जयकारो के साथ शुरू हुई कांवड़ यात्रा

-यूपी से दिल्ली और फिर हरिद्वार तक कांवड़ यात्रा को लेकर ट्रैफिक प्लान तैयार

-दिल्ली हरिद्वार मार्ग पर भारी और हल्के वाहनों की आवाजाही पर रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार से देशभर में सावन माह के शुरु होने के साथ भोलेबाब के जयकारों के साथ कावाड़ यात्रा भी शुरु हो गई। कांवड़िए गंगाजल लेने के लिए हरिद्वार की ओर निकल रहे है। आने वाले दिनों में इन कावड़ियों की संख्या और बढ़ेगी। जिसका सीधा असर कांवड़ मार्ग पर यातायात पर पड़ेगा। यह देखकर प्रशासन की ओर से भी तैयारियां की गई है। इसी क्रम में गुरुवार से दिल्ली हरिद्वार मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। जबकि कई जगहों पर ट्रैफिक रूट डायवर्ट किया है।

इस साल कांवड़ यात्रा 11 से 23 जुलाई तक चलेगी, इसके बाद ट्रैफिक को लेकर पुलिस प्रशासन ने खास इंतजाम किए हैं। गाजियाबाद पुलिस ने अगले 13 दिनों तक दिल्ली से मेरठ हाईवे पर भाई वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। इसके बाद हल्के वाहनों पर भी रोक लगाने की तैयारी है। 18 जुलाई से इस मार्ग पर हल्के वाहनों की आवाजाही पर भी रोक रहेगी। इस दौरान भारी और हल्के वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग से भेजा जाएगा।

हमारा सपना है कि विदेशी पर्यटक भारत आए, तो दिल्ली देखे बिना वापस न जाए: रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 11 जुलाई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में पर्यटन, शिक्षा, संस्कृति और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में असीम संभावनाएं हैं और सरकार का लक्ष्य है कि इन क्षेत्रों में ठोस नीति और जन-सहभागिता से दिल्ली को देश की सबसे गतिशील सिटी बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा सपना है कि जब भी कोई विदेशी पर्यटक भारत आए, तो वह दिल्ली देखे बिना वापस न जाए। मुख्यमंत्री आज दिल्ली पर्यटन विभाग और इन्वेस्ट इंडिया द्वारा आयोजित "DELIGHT for Delhi" समिट में बोल रही थीं। इस आयोजन का उद्देश्य दिल्ली को Driving E&periential Leadership, Innovative Growth and High-Impact Tourism DELIGHT की दृष्टि से एक अग्रणी शहर के रूप में स्थापित करना इस कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री कपिल मिश्रा सहित देश की नामी निवेशक कंपनियों के प्रतिनिधि, नीति-निर्माता, पर्यटन विशेषज्ञ और उद्यमी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली भारत की राजधानी होने के साथ-साथ देश की आत्मा भी है। यह एक ऐसा शहर है जो समृद्ध संस्कृति, विविध विरासत और गौरवशाली इतिहास को अपने भीतर समेटे हुए है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज की दिल्ली आधुनिकता और परंपरा का एक अद्वितीय संगम

बन चुकी है। भारत मंडपम्, यशोभूमि, प्रधानमंत्री संग्रहालय और नेशनल वॉर मेमोरियल जैसे प्रतिष्ठित स्थल दिल्ली को वैश्विक सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पर्यटन केंद्र के रूप में पहचान दिला रहे हैं। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी भी देश के पर्यटन विकास को प्राथमिकता देते रहे हैं और हमारी सरकार भी सभी क्षेत्रों में समन्वित प्रयासों के साथ राजधानी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि दिल्ली में वह सभी विशेषताएं मौजूद हैं जो विश्वभर के पर्यटकों को आकर्षित कर सकती हैं, चाहे वह इतिहास, संस्कृति, कला, संगीत, स्वाद या विरासत हो। उन्होंने कहा कि अब आवश्यकता एक प्रभावशाली मंच और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुतिकरण की है, ताकि दिल्ली की समृद्ध पहचान दुनिया के सामने आ सके। उन्होंने कहा कि जैसे अन्य राज्यों में पर्यटन का विस्तार हो रहा है, वैसे ही दिल्ली को भी वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर मजबूत स्थान दिलाना जरूरी है।

शेष पृष्ठ 3 पर

नीतीश ने 1.11 करोड़ लाभार्थियों के खाते में पहुंचाए 1,100 रुपये

चुनाव से पहले एनडीए का मास्ट्रर स्ट्रोक

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव करीब आते ही, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने सरकारी आवास से 1.11 करोड़ लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन जारी की और विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तहत प्रत्येक को 1,100 रुपये प्रदान किए। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से कुल 1,227.27 करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचे। इस कार्यक्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा भी उपस्थित थे।

सीएम नीतिश ने कहा कि पहले हम सामाजिक सुरक्षा पेंशन के रूप में 400 रुपये प्रदान करते थे, अब बढ़ाकर 1,100 रुपये किया गया है, ताकि विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत विधवाओं, विकलांगों और वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिल सके। नीतीश ने कहा कि समाज के हर वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए हमलोग निरंतर काम कर रहे हैं, ताकि सभी एक सम्मानजनक तथा बेहतर जीवन व्यतीत कर सकें।

विपक्ष और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधकर सीएम नीतिश ने कहा कि बीते 20 सालों में जो कुछ भी हुआ है, उसमें उनका कोई खास योगदान नहीं है। 2005 से पहले कोई न कोई कुछ करता था, हम (राजद के साथ) गलती से दो बार वहाँ गए थे, लेकिन क्या इन लोगों ने कुछ खास किया है? उन्होंने कहा कि बिहार में राजनीति का एक नया युग शुरू होगा और इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी मिलकर विकास के पथ पर आगे बढ़ने वाले है। उन्होंने उपमुख्यमंत्री चौधरी की ओर देखकर कहा, हम भविष्य में कभी इधर-उधर नहीं जाएँगे, बल्कि राज्य के विकास के लिए साथ-साथ चलने वाले है।

आधार मेरी पहचान को क्यों झुठला रही मोदी सरकार... कांग्रेस सांसद ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर को जारी रखने की अनुमति देने पर बिहार में सयासी घमासान मचा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को जारी रखने की अनुमति देकर "संवैधानिक दायित्व" बताया। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने हालांकि, कवायद के समय पर सवाल उठाकर कहा कि बिहार में एसआईआर के दौरान आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड पर दस्तावेज के तौर पर विचार हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर तीखे सवाल उठाकर चुनाव आयोग से आग्रह किया कि वे चल रहे अभियान के तहत मतदाता गणना के लिए आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को वैध दस्तावेजों के रूप में शामिल करने पर विचार करे। शीर्ष अदालत ने एसआईआर के समय और तरीके को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर विचार करने के लिए सहमत हुई है, इसकी अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। चुनाव आयोग को अपना जवाब दाखिल करने के लिए 21 जुलाई तक का समय मिला है। अभी तक कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं किया गया है।

वहीं कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि एक ओर पूरी सरकार आधार को आधार मेरी पहचान कहकर प्रचारित करती है, अब कह रही है कि इसकी मान्यता खत्म हुई है। इसलिए चुनाव आयोग को इस पर गंभीरता से विचार कर सही तरीक़े से काम करना चाहिए। 28 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट आखिरकार इस पर फ़ैसला सुनाएगा। अब एनडीए को इसमें सहयोग करना चाहिए। बीजेपी भले ही वोटरों को काटने में लगी हो, लेकिन बाकी पार्टियों को समझना चाहिए कि आज क्या खेल हो रहा है।

विश्व जनसंख्या दिवस: नड्डा बोले-चुनौतियां हैं पर प्रशस्त हो रहा स्वस्थ भारत का मार्ग

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और सीएम रेखा गुप्ता समेत कई नेताओं ने 'विश्व जनसंख्या दिवस' पर देशवासियों को जागरूक किया। उन्होंने जनसंख्या से जुड़ी चुनौतियों का भी जिक्र किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, विश्व जनसंख्या दिवस' परिवार नियोजन के बारे में जागरूकता बढ़ाने और जनसंख्या से जुड़ी चुनौतियों से निपटने की हमारी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करने का मंच है। उन्होंने आगे कहा, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों सहित सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से केंद्र सरकार पूरे देश में आवश्यक परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान कर रही है, जिससे परिवार सशक्त हो रहे हैं और एक स्वस्थ भारत का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

इस साल की थीम, 'मां और बच्चे के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए गर्भावस्था का सही समय और अंतर,' माता और बच्चे के स्वास्थ्य के लिए नियोजित माता-पिता बनने के महत्व पर जोर देती है। विश्व जनसंख्या दिवस 2025 का नारा- 'मां बनने की उम्र वही, जब तन और मन की तैयारी सही'- माता-पिता बनने के लिए शारीरिक और भावनात्मक रूप से तैयार रहकर सूचित और सशक्त निर्णय लेने के महत्व को रेखांकित करता है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, विश्व जनसंख्या दिवस पर, हम एक न्यायपूर्ण, सशक्त और समतामूलक समाज के अपने दृष्टिकोण की पुष्टि करते हैं, जहां प्रत्येक व्यक्ति को अवसर, अधिकार और सम्मान प्राप्त हो। हमारे युवाओं को एक ऐसे भविष्य का हक है, जहां वे सूचित विकल्प चुन सकें, समानता के साथ जी सकें और बिना किसी सीमा के सपने देख सकें। आइए, हम समावेशी नीतियों, सतत विकास और हर जीवन को बेहतर बनाने की साझा प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ें, जिसके लिए हम जिम्मेदार हैं।

वहीं, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक्स पर लिखा, विश्व जनसंख्या दिवस जागरूक करता है कि सुरक्षित भविष्य और भावी पीढ़ियों को बेहतर दुनिया प्रदान करने के लिए हम जनसंख्या विस्फोट जैसी स्थिति से बचें। जनसंख्या की असंतुलित बढ़ोतरी समाज और राष्ट्र के साथ आवश्यक संसाधनों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। इसके अलावा, कांग्रेस नेता गोविंद सिंह डोटासरा ने विश्व जनसंख्या दिवस पर कहा, देश में जनसंख्या वृद्धि की निरंतर बढ़ती गति न केवल चिंता का विषय है, बल्कि यह हमारे सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संतुलन के लिए भी एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर आइए हम सभी मिलकर जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणामों के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लें।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा, संतुलित जनसंख्या ही समृद्ध समाज और सतत विकास की सुदृढ़ आधारशिला है। जनसंख्या नियंत्रण आज केवल आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण की अनिवार्य नीति है। यह लक्ष्य जन-जागरूकता, जन-भागीदारी और जननीति के समन्वित प्रयासों से ही प्राप्त हो सकता है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, तेजी से बढ़ती जनसंख्या हमारे संसाधनों, पर्यावरण और जीवन की गुणवत्ता को भी प्रभावित करती है। आइए, हम सभी जनसंख्या नियंत्रण और परिवार नियोजन के महत्व को समझें और समाज को जागरूक कर एक संतुलित एवं सशक्त राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विश्व जनसंख्या दिवस पर एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा कि जनसंख्या विस्फोट जैसी स्थिति से बचना जरूरी है। असंतुलित जनसंख्या वृद्धि समाज, राष्ट्र और उपलब्ध संसाधनों पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। मेघवाल ने अपने संदेश में भावी पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और बेहतर दुनिया सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण न केवल पर्यावरण और संसाधनों के संरक्षण के लिए जरूरी है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण है।वहीं, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भारत की विशाल

जनसंख्या को देश की ताकत बताया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश है और इसमें अपार संभावनाएं छिपी हैं। शिवकुमार ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और सभी के लिए समान अवसरों के माध्यम से इस जनसांख्यिकीय लाभ को प्रगति का आधार बनाने की बात कही।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति येओल की गिरफ्तारी को मंजूरी

सियोल, एजेंसी। मार्शल लॉ का आदेश देने वाले दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सूक येओल को गिरफ्तार किए जाने का रास्ता साफ हो गया है। एक अदालत ने विशेष अभियोजक की उस दलील को स्वीकार कर लिया कि येओल के कारण सबूतों को नष्ट किए जाने का खतरा है। इसी साल अप्रैल में देश के सांविधानिक न्यायालय ने महाभियोग को बरकरार रखने का फैसला सुनाया था। इसके बाद येओल को पद से हटा दिया गया। अब चार महीने बाद उन्हें सियोल के पास एक हिरासत केंद्र में रखा जाएगा। सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने जनवरी में उनकी गिरफ्तारी को रद्द कर दिया था। मार्च में हुई रिहाई के समय अदालत ने उन्हें हिरासत में लिए बिना विद्रोह का मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी।

नासा के अंतरिम प्रशासक नियुक्त किए गए सीन डफी, राष्ट्रपति ट्रंप ने किए एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने परिवहन सचिव सीन डफी को नासा का अंतरिम प्रशासक नियुक्त किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह कदम राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में अंतरिक्ष के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने नई नियुक्ति की जानकारी सोशल मीडिया ट्रुथ के जरिए दी। सीन डफी को नासा का अंतरिम प्रशासक नियुक्त किए जाने की जानकारी देते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा कि, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मैं हमारे परिवहन सचिव, सीन डफी को नासा का अंतरिम प्रशासक नियुक्त कर रहा हूं। सीन हमारे देश के परिवहन मामलों को संभालने में जबरदस्त काम कर रहे हैं, जिसमें अत्याधुनिक एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम बनाना भी शामिल है। वह इस अत्यधिक महत्वपूर्ण अंतरिक्ष एजेंसी के लिए एक शानदार नेता होंगे, भले ही केवल थोड़े समय के लिए ही क्यों न हों? विस्कॉन्सिन से पूर्व सांसद और ट्रंप के लंबे समय से सहयोगी रहे डफी ने जेनेट पेट्रो का स्थान लिया है, जो जनवरी से कार्यवाहक नासा प्रशासक के रूप में कार्यरत थीं। ट्रंप ने मई में इस पद के लिए नामित जेरेड आइजैकमैन को दिसंबर 2024 नामित किया था, हालांकि बाद में उन्होंने उनका नाम वापस ले लिया।

अमेरिका में सीक्रेट सर्विस के 6 एजेंट सस्पेंड, डोनाल्ड ट्रंप पर हुआ था जानलेवा हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर पिछले साल पेनसिल्वेनिया के बटलर में चुनावी रैली के दौरान जानलेवा हमला हुआ था। इस मामले में सीक्रेट सर्विस के छह एजेंटों को निलंबित कर दिया गया है। इन एजेंटों पर सुरक्षा में गंभीर चूक का आरोप है। सीक्रेट सर्विस के डिप्टी डायरेक्टर मैट क्विन ने सीबीएस न्यूज को बताया कि निलंबन की अवधि 10 से 42 दिनों के बीच है और इस दौरान उन्हें वेतन नहीं मिलेगा। हालांकि एजेंटों को बर्खास्त नहीं किया गया है, लेकिन निलंबन के बाद उनकी जिम्मेदारियां घटा दी जाएंगी और उन्हें कम संवेदनशील भूमिकाओं में तैनात किया जाएगा। क्विन ने इसकी जानकारी देते हुए कहा, हम इसे बर्खास्तगी के जरिए हल नहीं करने जा रहे है। हम जड़ तक पहुंचकर उन खामियों को दूर करेंगे, जिनकी वजह से यह स्थिति पैदा हुई थी। आपको बता दें कि राष्ट्रपति चुनाव से पूर्व 2024 में पेंसिल्वेनिया में आयोजित एक चुनावी रैली में ट्रंप पर गोलियां चलाई गई थीं, जिसमें वे घायल हो गए थे। इस घटना ने अमेरिका की राजनीतिक सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया था कि हमलावर काफी देर तक आसपास मौजूद था, लेकिन सीक्रेट सर्विस उसे समय रहते पहचान नहीं सकी। हमले के बाद से सीक्रेट सर्विस की भूमिका और सुरक्षा तंत्र की समीक्षा हो रही थी। कई सांसदों और विशेषज्ञों ने सुरक्षा में अभूतपूर्व चूक करार देते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की थी।

लॉस एंजिलिस में निर्माणाधीन सुरंग ढही; 15 श्रमिकों के फंसे होने की आशंका

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि बुधवार को लॉस एंजेलिस में निर्माणाधीन एक औद्योगिक सुरंग का एक हिस्सा ढह गया था। जिसमें कुछ श्रमिक फंस गए थे। घटना के बाद चलाए गए राहत-बचावकार्य में 31 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। यह हादसा सुरंग के एकमात्र प्रवेश द्वार से 8 से 9.7 किलोमीटर अंदर हुआ। स्थानीय टेलीविजन की हवाई फुटेज में श्रमिकों को सुरंग के प्रवेश द्वार से निकालते हुए देखा गया है। सुरंग के ढहे हुए हिस्से के दूसरी ओर मौजूद कुछ श्रमिक 12 से 15 फीट ऊंचे ढीली मिट्टी के टीले को पार कर अपने कुछ अन्य साथियों तक पहुंचे। इसके बाद सभी को एक विशेष सुरंग वाहन के जरिए छोटे-छोटे समूहों में प्रवेश द्वार तक लाया गया। सुरंग से बाहर निकाले गए 27 श्रमिकों की पैरामेडिक्स द्वारा जांच की जा रही है यह सुरंग भविष्य में अपशिष्ट जल ले जाने के लिए बनाई जा रही है। फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, यह सुरंग 18 फीट चौड़ी है। घटनास्थल पर 100 से अधिक फायर डिपार्टमेंट के कर्मियों को तैनात किया गया था। जो संकीर्ण और सीमित स्थानों से बचाव में माहिर टीमें भी शामिल थीं।

नेपाल में अचानक आई बाढ़ के बाद बचाव कार्य जारी; सामान्य बारिश में जलस्तर तेजी से बढ़ने की होगी जांच

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में अचानक आई बाढ़ के बाद गुरुवार को भी राहत और बचाव कार्य जारी रहा। बाढ़ प्रभावित इलाकों से अभी भी लोगों को निकाला जा रहा है। नेपाल के रासुवा जिले में बारिश के बाद बाढ़ आई, जिसमें नौ लोगों की मौत हो चुकी है और 19 लोग अभी भी लापता हैं। रासुवा जिले के मुख्य जिला अधिकारी अर्जुन पौडेल ने बताया कि सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है और 150 से ज्यादा लोगों को बचाया गया है। इनमें 127 विदेशी नागरिक शामिल हैं। इन लोगों को एयरलिफ्ट कर काठमांडू ले जाया गया। पौडेल ने कहा कि बाढ़ प्रभावित इलाके में बिजली और टेलीफोन सेवाएं बाधित होने से बचाव और अन्य अभियान बाधित हुए हैं। उन्होंने कहा, हम फिलहाल चीन सीमा के जरिए सीमित संचार बनाए हुए हैं। टेलीफोन संपर्क बहाल करने और बिजली आपूर्ति फिर से शुरू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। नेपाल पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह आई बाढ़ के बाद लापता हुए 19 लोगों की तलाशी अभियान भी जारी है। लापता लोगों में छह चीनी नागरिक और दो पुलिसकर्मी शामिल हैं। काठमांडू से 120 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित रसुवा जिले में आई बाढ़ में नेपाल को चीन से जोड़ने वाला मैत्री पुल भी बह गया है। साथ ही रसुवागढ़ी जलविद्युत संयंत्र और नेपाल-चीन सीमा के पास स्थित ड्राई पोर्ट का कुछ हिस्सा भी बाढ़ में बह गया है। नेपाली मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बाढ़ में अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है।

यूरोपियन कोर्ट ऑफ ह्यूमन राइट्स का ऐतिहासिक फैसला

रूस को 2014 में मलेशिया एयरलाइंस की फ्लाइट एमएच17 को मार गिराने का दोषी ठहराया

स्ट्रासबर्ग, एजेंसी। यूरोप की सर्वोच्च मानवाधिकार अदालत यूरोपियन कोर्ट ऑफ ह्यूमन राइट्स ने एक ऐतिहासिक फैसले में रूस को 2014 में मलेशिया एयरलाइंस की फ्लाइट एमएच17 को मार गिराने का दोषी ठहराया है। इस हादसे में विमान में सवार सभी 283 यात्रियों और 15 चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई थी। यह पहली बार है जब किसी अंतरराष्ट्रीय अदालत ने रूस को इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

17 जुलाई 2014 को एम्स्टर्डम से कुआलालंपुर जा रही मलेशिया एयरलाइंस की फ्लाइट एमएच17 एक बोइंग 777 विमान था। यह फ्लाइट पूर्वी यूक्रेन के ऊपर से गुजर रही थी। उस समय यह क्षेत्र रूस समर्थित अलगाववादी विद्रोहियों के नियंत्रण में था। कोर्ट ने अपने 501 पेज के फैसले में कहा कि विमान को रूस में बनी सतह-से-हवा में मार करने वाली बक मिसाइल से जानबूझकर मार गिराया गया। रूस ने संभवतः इसे गलती से सैन्य विमान समझ लिया था। इस हमले में 17 देशों के 298 लोग मारे गए, जिनमें 198 डच नागरिक, 43 मलेशियाई, 38 ऑस्ट्रेलियाई और 10 ब्रिटिश नागरिक शामिल थे।

स्ट्रासबर्ग में भरे हुए कोर्टरूम में अदालत के प्रमुख मटियास गुओमार ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि रूस ने न केवल इस हमले के लिए जिम्मेदारी स्वीकार करने से इनकार किया, बल्कि इसकी ठोस जांच करने में भी विफल रहा, जिससे पीड़ितों के परिजनों का दुख काफी बढ़ गया। अदालत ने रूस के इस रवैये को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन माना। इसके अलावा, रूस पर 2014 से यूक्रेन में व्यापक मानवाधिकार उल्लंघनों का भी आरोप लगाया गया, जिसमें हत्या, यातना, बलात्कार, नागरिक बुनियादी ढांचे का विनाश और यूक्रेनी बच्चों का अपहरण शामिल है।

यूक्रेन ने इस फैसले को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व करार देते हुए इसे एक निर्विवाद जीत बताया। यूक्रेन के न्याय मंत्रालय ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि यह फैसला अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत रूस की जवाबदेही को मजबूत करता है। नीदरलैंड्स के विदेश मंत्री कैस्पर वेल्डकैंप ने कहा, यह फैसला पीड़ितों के परिवारों के लिए न्याय और मान्यता की भावना प्रदान करता है, हालांकि यह उनके दुख को कम नहीं कर सकता।

रूस का रुख

रूस ने इस फैसले को अमान्य करार देते हुए इसे मानने से इनकार कर दिया। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेसकोव ने कहा, हम इस फैसले का पालन नहीं करेंगे, हम इसे शून्य मानते हैं। रूस ने हमेशा इस हादसे में अपनी किसी भी भूमिका से इनकार किया है और दावा किया है कि यह यूक्रेनी सेना या अन्य कारणों से हुआ। हालांकि, कोर्ट ने अपने फैसले में साक्ष्यों के आधार पर यह स्पष्ट किया कि मिसाइल रूसी सैन्य बलों या रूस समर्थित अलगाववादियों द्वारा दागी गई थी। यह फैसला नीदरलैंड्स में हुई एक आपराधिक मुकदमे से अलग है, जिसमें 2022 में दो रूसियों और एक यूक्रेनी विद्रोही को अनुपस्थिति में हत्या के कई मामलों में दोषी ठहराया गया था। उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी, लेकिन वे अभी भी फरार हैं और रूस ने उन्हें प्रत्यर्पित करने से इनकार कर दिया है। इसके अलावा, मई 2025 में संयुक्त राष्ट्र की विमानन एजेंसी, इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन ने भी रूस को इस हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराया था।

सीरिया में कुर्द लड़ाकों और सरकार के बीच मतभेद

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया की सरकार और कुर्द लड़ाकों के बीच सेनाओं के विलय को लेकर मतभेद बरकरार है। तुर्किये में अमेरिकी राजदूत टॉम बैरक को सीरिया में भी विशेष दूत के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा है कि सीरिया की केंद्रीय सरकार और कुर्दों के बीच लंबी बातचीत के बावजूद गतिरोध खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि वार्ता के बाद भी सेनाओं के विलय की योजना को लेकर मतभेद बने हुए हैं।

उन्होंने कुर्द नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज के प्रमुख मजलूम आब्दी और सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा के साथ बैठक के बाद यह बात कही। बता दें कि इसी साल मार्च में अमेरिका समर्थित कुर्द लड़ाकों के नेतृत्व वाली सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्सेस और देश की सरकार के बीच ऐतिहासिक समझौते हुए थे। समझौते के तहत, एसडीएफ बलों का नई राष्ट्रीय सेना में विलय कर दिया जाएगा और वर्ष के अंत तक इसके लागू हो जाने की उम्मीद है। समझौता लागू होने के बाद इराक और तुर्किये से लगी सभी सीमा चौकियां, पूर्वोत्तर में हवाई अड्डे और तेल क्षेत्र भी केंद्र सरकार के नियंत्रण में आ जाएंगे। आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट समूह के हजारों संदिग्ध सदस्यों को रखने वाले हिरासत केंद्र भी सरकार के नियंत्रण में आ जाएंगे। क्या एसडीएफ नई सेना में एक एकीकृत इकाई बनकर रहेगा या इसे भंग कर सदस्यों को व्यक्तिगत रूप से नई सेना में शामिल किया जाएगा? इस सवाल पर सीरिया की राजधानी दमिश्क में बैठकों के बाद बैरक ने कहा, यह प्रश्न दोनों पक्षों के बीच एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है।

अमेरिका में भारतीय अरबपतियों का जलवा, पीछे छूटे चीन और इजरायल, जय चौधरी सबसे अमीर

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अमेरिका की प्रमुख अरबपतियों की लिस्ट में चीन और इजरायल को पीछे छोड़ दिया है। इस सूची में उद्यमी जय चौधरी को सबसे अमीर भारतीय-अमेरिकी के रूप में मान्यता दी गई है। फोर्ब्स की हाल ही में जारी की गई 'अमेरिका के सबसे अमीर प्रवासी 2025' सूची में यह जानकारी दी गई। इसमें भारत को अमेरिका में अरबपति प्रवासियों का सबसे बड़ा स्रोत देश बताया गया है। यह रिपोर्ट बुधवार को प्रकाशित हुई और इसमें भारत ने इजरायल और ताइवान को पीछे छोड़ दिया है।

फोर्ब्स के अनुसार, अमेरिका में रहने वाले विदेशी मूल के अरबपति नागरिकों की संख्या अब 125 हो गई है, जो 2022 में 92 थी। ये अरबपति अब अमेरिका की कुल अरबपति संपत्ति में 18प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं, जिसकी कुल अनुमानित राशि 7.2 ट्रिलियन डॉलर है। प्रवासी अरबपतियों की कुल संपत्ति 1.3 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है, जो अब तक का रिकॉर्ड है।

भारत की बढ़ती मौजूदगी : 2022 में भारत से केवल 7 अरबपति प्रवासी अमेरिका में थे, जबकि इजरायल, कनाडा जैसे देश उससे आगे थे। लेकिन 2025 की सूची में भारत पहले स्थान पर आ गया है, जहां अब 12 भारतीय मूल के अरबपति प्रवासी शामिल हैं। इजरायल और ताइवान 11-11 अरबपतियों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चीन भी 8 अरबपतियों के साथ सूची में है।

सबसे अमीर भारतीय-अमेरिकी: जय चौधरी : इस सूची में जीस्केलर के सीईओ और साइबरसिक्योरिटी के दिग्गज जय चौधरी को सबसे अमीर भारतीय-अमेरिकी अरबपति बताया गया है। उनकी कुल संपत्ति 17.9 बिलियन डॉलर (लगभग ?1.49 लाख करोड़) बताई गई है। अन्य प्रमुख भारतीय मूल के अरबपतियों में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और खोसला वेंचर्स के विनोद खोसला का नाम भी शामिल है।

सबसे अमीर प्रवासी अरबपति: एलन मस्क : फोर्ब्स के मुताबिक, एलन मस्क अमेरिका के ही नहीं बल्कि दुनिया के सबसे अमीर प्रवासी अरबपति हैं। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे मस्क कनाडा के रास्ते अमेरिका आए थे और उनकी कुल संपत्ति लगभग 400 बिलियन डॉलर है। दूसरे स्थान पर गूगल के सह-संस्थापक सर्गेई ब्रिन हैं, जिनकी संपत्ति 139.7 बिलियन डॉलर आंकी गई है। फोर्ब्स का कहना है कि अमेरिका के टॉप 10 अरबपतियों में से तीन प्रवासी मूल के हैं, जो यह दर्शाता है कि वैश्विक प्रतिभा किस तरह अमेरिका के आर्थिक परिदृश्य को आकार दे रही है।

चीन के छात्रों पर जासूसी का आरोप, विश्वविद्यालयों से चाइनीज छात्रवृत्ति को खत्म करने की मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सत्ताधारी पार्टी रिपब्लिकन के कई सांसदों ने विश्वविद्यालयों से चीन समर्थित छात्रवृत्ति कार्यक्रम को खत्म करने की मांग की है। रिपब्लिकन सांसदों का दावा है कि चीनी छात्रवृत्ति कार्यक्रम की आड़ में चीन ने अमेरिकी तकनीक चुराने का कुटिल तंत्र बनाया हुआ है। रिपब्लिकन सांसदों ने सात विश्वविद्यालयों को पत्र लिखा है, जिनमें नोट्रे डेम विश्वविद्यालय, डार्टमाउथ भी शामिल हैं। चीन द्वारा समर्थित छात्रवृत्ति कार्यक्रम के जरिए हर साल सैंकड़ों चीनी छात्र अमेरिकी विश्वविद्यालयों से स्नातक होते हैं।

चीनी छात्रों पर प्रौद्योगिकी चुराने का आरोप

चीनी छात्रवृत्ति कार्यक्रम के तहत चीनी छात्रों को अमेरिकी विश्वविद्यालयों से स्नातक होने के बाद चीन वापस जाना होता है और वहां दो साल काम करना होता है। कार्यक्रम के तहत चीन की सरकार अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पढ़ने के लिए 50 फीसदी खर्च वहन करती है और साथ ही डॉक्ट्रेट की पढ़ाई करने के लिए स्टाइपेंड भी देती है। मंगलवार को रिपब्लिकन सांसदों द्वारा भेजे गए पत्र में चीन की इस योजना को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया गया। अमेरिकी कांग्रेस के निचले सदन में रिपब्लिकन सांसद जॉन मूलेनार की अध्यक्षता वाली समिति ने पत्र में लिखा कि सीएससी कार्यक्रम, अमेरिकी और चीनी संस्थानों के बीच एक संयुक्त छात्रवृत्ति कार्यक्रम होने का दावा करता है। हालांकि, वास्तव में यह चीन की कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा बनाया गया एक प्रौद्योगिकी चुराने का प्रयास है, जो अमेरिकी संस्थानों का शोषण करता है और सीधे तौर पर चीन के सैन्य और वैज्ञानिक विकास को मदद करता है।

जिन सात विश्वविद्यालयों को रिपब्लिकन सांसदों ने पत्र लिखा है, उनमें नोट्रे डेम विश्वविद्यालय, डार्टमाउथ, यूनिवर्सिटी ऑफ टेनेसी, टेंपल यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के डेविस, इर्विन और रिवरसाइड स्थित कैंपस शामिल हैं। कई विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा है कि उन्होंने चीन की सरकार द्वारा समर्थित छात्रवृत्ति कार्यक्रम को बंद करने की योजना शुरू कर दी है। सांसदों ने विश्वविद्यालयों से चीनी घुसपैठ की जांच करने की भी मांग की है। साथ ही ये भी मांग की गई है कि चीन की छात्रवृत्ति योजना के तहत पढ़ाई करने वाले चीनी छात्र क्या अमेरिकी सरकार की फंडिंग से होने वाले रिसर्च कार्यक्रमों से तो नहीं जुड़े हैं, इसकी भी जांच की जाए।

अमेरिका की ट्रंप सरकार पहले ही अमेरिका पढ़ाई के लिए आने वाले चीनी छात्रों की सघन जांच कर रही है। ट्रंप ने चीन की नागरिक-सैन्य रणनीति से जुड़े छात्रों को भी वीजा नहीं देने का फैसला किया है। अहम और संवेदनशील विषयों की पढ़ाई करने वाले चीनी छात्रों का भी वीजा रद्द करने की बात ट्रंप प्रशासन ने कही है। हालांकि कई विश्वविद्यालयों ने चेताया है कि सभी चीनी छात्र जासूसी में शामिल नहीं हैं। गौरतलब है कि चीन से हर साल लाखों छात्र अमेरिका पढ़ाई के लिए जाते हैं। साल 2023-24 में 2,70,000 से ज्यादा चीनी छात्र पढ़ाई के लिए अमेरिका पहुंचे और अधिकतर की पढ़ाई का खर्च उनके परिजनों ने उठाया न कि चीन की सरकार ने।

भोजन और दवाइयों के लिए तड़प रहे गाजा के लोग, 10 इजरायली बंधकों को छोड़ने पर राजी हुआ हमास

गाजा , एजेंसी। हमास ने गाजा पट्टी में चल रहे संघर्ष के बीच 10 इजरायली बंधकों को रिहा करने पर सहमति जताई है। यह घोषणा तब हुई है जब इजरायली सेना के ताजा हमलों में गाजा में कम से कम 74 लोग मारे गए हैं। बंधकों की रिहाई को लेकर हमास ने कहा कि यह कदम युद्धविराम की दिशा में चल रही वार्ताओं में मदद के लिए उठाया गया है। हालांकि उसने इजरायल पर अड़ियल रुख अपनाने का आरोप लगाया है।

युद्धविराम वार्ता में चुनौतियां : अल जजीरा की एक रिपोर्ट के अनुसार, हमास ने बुधवार को बयान दिया कि कतर और अमेरिका की मध्यस्थता में चल रही वार्ताओं में कई बाधाएं हैं। इनमें गाजा में अत्यावश्यक सहायता की आपूर्ति, इजरायली सेना की वापसी, और स्थायी युद्धविराम के लिए वास्तविक गारंटी जैसे मुद्दे शामिल हैं। हमास के एक सीनियर लीडर ताहेर अल-नूनू ने अल जजीरा को बताया कि समूह ने 10 बंधकों की रिहाई के बदले भोजन, दवाइयां, और इजरायली हमलों को रोकने की मांग की है, जो उनके अनुसार मानवता की दिशा में एक कदम है। दूसरी ओर, इजरायली सैन्य प्रमुख इयाल जमीर ने एक टेलीविजन भाषण में कहा कि 10 जीवित बंधकों और नौ अन्य के शवों की रिहाई के लिए परिस्थितियां तैयार की गई हैं। हालांकि, युद्धविराम की संभावनाओं के बावजूद, इजरायली सेना ने गाजा में अपने हमले जारी रखे, जिसमें बुधवार को 74 लोग मारे गए। इनमें से आठ लोग गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) के एक खाद्य वितरण केंद्र पर इंतजार कर रहे थे।

गाजा में मानवीय संकट : गाजा में इजरायली हमलों का सिलसिला जारी है, जिसने क्षेत्र को तबाह कर दिया है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, 7 अक्टूबर 2023 को हमास के इजरायल पर आश्चर्यजनक हमले के बाद से गाजा में अब तक कम से कम 57,523 फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। इजरायली सेना ने उत्तरी गाजा के बेत हानून में एक और बड़ा हमला शुरू किया, जो मंगलवार को हमास के एक आश्चर्यजनक हमले में पांच इजरायली सैनिकों की मौत के बाद हुआ। गाजा में मानवीय स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय एजेंसी ने चेतावनी दी है कि अस्पतालों में संसाधनों की कमी है, एम्बुलेंस रुक रही हैं, और जल आपूर्ति प्रणाली ढहने की कगार पर है। गाजा के इंडोनेशियाई अस्पताल के निदेशक मारवान अल-सुल्तान ने युद्ध के दौरान स्वास्थ्य प्रणाली के पतन के भयावह विवरण साझा किए हैं।

अंतरराष्ट्रीय प्रयास और विवाद : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर उम्मीद जताई कि जल्द ही युद्धविराम हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि इजरायल ने 60 दिनों के युद्धविराम की शर्तों को स्वीकार कर लिया है, लेकिन हमास ने इस तरह के किसी समझौते को अस्वीकार करने की बात से इनकार किया।

ट्रंप के मध्य पूर्व दूत ने कहा कि इजरायल और हमास के बीच मतभेद कम हो रहे हैं, लेकिन कोई ठोस समयसीमा अभी तक तय नहीं हुई है।इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के पूर्ण निरस्त्रीकरण और गाजा से उसके शासन को हटाने की मांग की है। दूसरी ओर, हमास ने स्पष्ट किया है कि वह केवल तभी बंधकों को रिहा करेगा जब इजरायल स्थायी युद्धविराम और गाजा से अपनी सेना की पूर्ण वापसी पर सहमत होगा।गाजा में सहायता संकटगाजा में सहायता वितरण को लेकर भी विवाद बढ़ रहा है। गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) के संचालन शुरू होने के बाद से, सहायता प्राप्त करने की कोशिश में 650 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं और लगभग 4,000 घायल हुए हैं।

बाइडन के पूर्व डॉक्टर का जवाब देने से इनकार, डॉ. केविन ने 5वें संविधान संशोधन का इस्तेमाल किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के दौरान उनकी मानसिक और शारीरिक सेहत को लेकर जांच कर रही है। इस मामले में एक नया मोड़ तब आया जब व्हाइट हाउस के पूर्व डॉक्टर डॉ. केविन ओ कॉनर ने बुधवार को बाइडन की सेहत से संबंधित जांच के मामले में गवाही देने से इनकार कर दिया। उन्होंने अमेरिकी संविधान के पांचवें संशोधन के तहत अपने अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए सवालों के जवाब नहीं दिए।

बता दें कि रिपब्लिकन सांसद की तरफ से जो बाइडन की मानसिक और शारीरिक सेहत की जांच कर रहे हैं। साथ ही ये दावा भी कर रहे हैं कि बाइडन के कार्यकाल के दौरान कुछ नीतियां व्हाइट हाउस के ऑटोपेन (दस्तखत की मशीन) के जरिए पास हुई, जो तब वैध नहीं मानी जाएंगी, अगर यह साबित हो गया कि बाइडन उस समय मानसिक रूप से अक्षम थे। हालांकि बाइडन ने इन आरोपों को बेतुका और झूठा बताया है।

डॉ. कॉनर ने क्यों नहीं दिया गवाही? : मामले में अब एक सवाल लगातार खड़े हो रहे है कि डॉ. ओ'कॉनर ने बाइडन की सेहत को लेकर चल रहे जांच में गवाही क्यों नहीं? इस बात की जानकारी डॉ. के वकील डेविड शर्टलर ने दिया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर के पास कोई विकल्प नहीं था, क्योंकि उन्हें एक डॉक्टर के रूप में मरीज की गोपनीयता बनाए रखनी थी और साथ ही न्याय विभाग की ओर से चल रही जांच में कानूनी जोखिम से भी बचना था।

जेम्स कोमर ने डॉक्टर के इनकार को बताया षड्यंत्र : हाउस ओवरसाइट कमेटी के अध्यक्ष और रिपब्लिकन सांसद जेम्स कोमर ने डॉक्टर के इनकार को षड्यंत्र को छुपाने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी जनता पारदर्शिता चाहती है, लेकिन डॉ. ओ'कॉनर सच्चाई छुपा रहे हैं। हालांकि ये पहली बार नहीं है कि किसी ने जांच के दौरान अमेरिकी संविधान के पांचवे संशोधन का सहारा लिया हो। इससे पहले भी कई गवाहों ने कांग्रेस की जांच में पांचवें संशोधन का सहारा लिया है, जैसे कि डोनाल्ड ट्रंप के सहयोगियों ने 6 जनवरी, 2021 को कैपिटल हमले की जांच में जवाब देने से इनकार किया था।

बाइडन के कई पूर्व सहयोगी निशाने पर : बाइडन के सेहत को लेकर हो रहे जांच के दायरे में बाइडन के कई पूर्व वरिष्ठ सहयोगी भी हैं, जिनमें पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ रॉन क्लेन और जेफ जिएंट्स, वरिष्ठ सलाहकार माइक डोनिलन और अनिता डन, पूर्व डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ ब्रूस रीड और एनी टोमासिनी, पूर्व राष्ट्रपति सलाहकार स्टीव रिचेटी के साथ-साथ पूर्व प्रथम महिला जिल बाइडन के चीफ ऑफ स्टाफ एंथनी बर्नाल का नाम शामिल है।

अफगानिस्तान में 6 साल की बच्ची की शादी: 45 साल के पुरुष से निकाह, तालिबान बोला- 9 साल की हो जाए तब ले जाना

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में 6 साल की एक बच्ची की शादी 45 साल के एक व्यक्ति से कर दी गई। अमेरिका स्थित अफगान आउटलेट एएमयू .टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक शादी की तस्वीरें सामने आने के बाद खुद तालिबान अधिकारी हैरान रह गए और बच्ची को उसके ससुराल ले जाने से रोक दिया। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि जब वह 9 साल की हो जाएगी, तब उसे पति के घर भेजा जा सकता है। दूल्हे ने बच्ची के परिवार को पैसे देकर यह रिश्ता तय करवाया। शादी हेलमंद के मर्जा जिले में हुई। इसके बाद पुलिस ने बच्ची के पिता और दूल्हे को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन अब तक किसी पर आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया गया है।

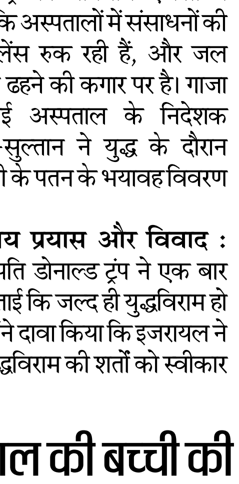

तालिबान के 2021 में दोबारा सत्ता में आने के बाद, देश में न सिर्फ बाल विवाह की घटनाएं बढ़ी हैं, बल्कि उन्हें लेकर सामाजिक सहमति भी बनती जा रही है। आर्थिक तंगी, शिक्षा और काम पर पाबंदी के चलते कई परिवार बेटियों को बोझ मानकर जल्दी ब्याह दे रहे हैं। यूएन वूमेन की रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान के महिला-विरोधी कानूनों के चलते देश में बाल विवाह में 25प्रतिशत और किशोरियों के गर्भधारण में 45प्रतिशत की वृद्धि हुई है।अफगान समाज में अक्सर लड़कियों की बचपन में ही नामकरण प्रथा के तहत किसी रिश्तेदार से मंगनी कर दी जाती है। इसे पारिवारिक संपत्ति की तरह देखा जाता है। कई इलाकों में वलवार यानी दहेज के रूप में पैसा लेकर लड़कियों की शादी तय होती है। यह रकम लड़की की खूबसूरती, सेहत और शिक्षा के स्तर के आधार पर तय होती है। द अफगान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में उरुजगान की एक महिला अमीरी ने बताया कि उन्होंने अपनी 14 वर्षीय बेटी की शादी 27 साल के पुरुष से 3 लाख अफगानी में कर दी। महिला ने बताया कि उनकी बेटी बहुत छोटी है, लेकिन घर में खाने को कुछ नहीं था, यही रास्ता बचा था। अफगान समाज में बाद नाम की प्रथा के तहत खून-खराबे वाले झगड़ों को सुलझाने के लिए लड़कियों को दुश्मन परिवारों को सौंप दिया जाता है।

सोशल मीडिया पर रखी जा रही विशेष निगरानी, सोशल मीडिया सेल एक्टिवः योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए सबसे हाइटेक एंटी ड्रोन और टीथर्ड ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे पहले राम मंदिर के उद्घाटन समारोह और महाकुंभ की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए एंटी और टीथर्ड ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। योगी सरकार द्वारा कांवड़ यात्रा का सकुशल संपन्न कराने के लिए कई बड़े कदम उठाये गये हैं ताकि कोई परिंदा पर नहीं मार सके। वहीं महाकुंभ की तरह ही मार्डन कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां 24 घंटे रियल टाइम मॉनीटरिंग की व्यवस्था है। इतना ही नहीं कांवड़ यात्रा के रूट की जमीन स्तर पर सुरक्षा के लिए एटीएस, आरएएफ और क्यूआरटी जैसे विशेष बलों को तैनात किया गया है। योगी सरकार ने कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और निगरानी के लिए तकनीक का भरपूर उपयोग करते हुए तीर्थयात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए शासन व पुलिस प्रशासन ने हर स्तर पर कमर कस ली है। मुख्यमंत्री योगी ने स्वयं इस यात्रा की तैयारियों की लगातार समीक्षा की है और निर्देश दिए थे कि सुरक्षा, चिकित्सा, स्वच्छता, जल व्यवस्था और यातायात प्रबंधन में कोई कमी न रहे। उन्होंने महाकुंभ में किए गए सुरक्षा प्रबंधों को मॉडल मानकर कांवड़ यात्रा मार्गों पर भी उसी प्रकार के इंतजाम करने के निर्देश दिए थे। ऐसे में सीएम योगी के निर्देश पर कांवड़ यात्रा के रूट पर हाईटेक निगरानी को प्राथमिकता दी गई है। मुख्य कांवड़ मार्गों और प्रमुख स्थानों पर 29,454 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके साथ ही 395 हाइटेक ड्रोन और विशेष रूप से एंटी ड्रोन के साथ टीथर्ड ड्रोन की मदद से रियल-टाइम वीडियो फीड लेकर डीजीपी मुख्यालय से सीधे मॉनीटरिंग की जा रही है। ये टीथर्ड ड्रोन लगातार एक स्थान पर स्थिर रहकर भीड़ की निगरानी में सक्षम हैं, जिससे किसी भी प्रकार की आपात स्थिति की त्वरित जानकारी मिल सके।वहीं महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के लिए मार्डन कंट्रोल रूम बनाया गया था। इसी की तर्ज पर कांवड़ यात्रा और शिव मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए डीजीपी मुख्यालय में मार्डन कंट्रोल रूम बनाया गया है। यहां पर 24 घंटे रियल टाइम मॉनीटरिंग के जरिये पल-पल की नजर रखी जा रही है। इसके अलावा एक विशेष आठ सदस्यीय टीम 24 घंटे सोशल मीडिया पर नजर रखे हुए है। यह टीम सोशल मीडिया पर चलने वाली अफवाहों, भ्रामक सूचनाओं और

संवेदनशील पोस्ट की रियल-टाइम मॉनीटरिंग कर रही है तथा संबंधित जिलों को अलर्ट भेजा जा रहा है। साथ ही, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से आपत्तिजनक सामग्री हटवाने की कार्यवाही भी की जा रही है। इसी प्रकार एक अलग कंट्रोल रूम टीम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, यूपी-112 और अन्य माध्यमों से प्राप्त सूचनाओं की 24 निगरानी कर रही है। कांवड़ यात्रा की सुरक्षा के लिए 587 राजपत्रित अधिकारी, 2,040 निरीक्षक, 13,520 उपनिरीक्षक और 39,965 आरक्षियों को ड्यूटी पर लगाया गया है। इसके साथ ही 1,486 महिला उपनिरीक्षक और 8,541 महिला आरक्षी, 50 कंपनियां पीएसी, केंद्रीय बल और 1,424 होमगार्ड्स भी तैनात किये गये हैं। कांवड़ यात्रा से जुड़े सभी दिशा-निर्देश, पुलिस अधिकारियों के मोबाइल नंबर, ट्रैफिक डायवर्जन योजना आदि को बारकोड के माध्यम से होर्डिंग, अखबार और सोशल मीडिया पर साझा किया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को आवश्यक सूचना आसानी से मिले। इसके अलावा अंतरराज्यीय समन्वय के लिए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के अधिकारियों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। इसके जरिए रियल-टाइम सूचना आदान-प्रदान, मार्गों की स्थिति, सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण से जुड़ी जानकारियां साझा की जा रही है। एंटी ड्रोन सिस्टम रडार, सेंसर और अन्य तकनीकों का उपयोग करके ड्रोन का पता लगाते हैं और फिर उन्हें जाम करके या नष्ट करके निष्क्रिय कर देते हैं। यह दो मुख्य तरीकों से काम करते हैं। इनमें सॉफ्ट किल में ड्रोन के संचार लिंक को जाम करना शामिल है, जिससे यह नियंत्रित नहीं हो पाता और हार्ड किल में ड्रोन को नष्ट करना शामिल है, जैसे लेजर या मिसाइलों का उपयोग करके। डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) ने स्वदेशी एंटी-ड्रोन सिस्टम विकसित किए हैं, जैसे डी4एस (डिटेक्ट, डेटर, डिस्ट्रॉय) सिस्टम, जो दुश्मन के ड्रोन का पता लगाने, उन्हें रोकने और नष्ट करने में सक्षम है। वहीं टीथर्ड ड्रोन एक केबल या कॉर्ड से जुड़ा होता है, जो इसे स्थिर रखता है और हवा के झोंकों से प्रभावित होने से बचाता है, जिससे यह अधिक सटीक और विश्वसनीय उड़ान भर सकता है। केबल के माध्यम से निरंतर बिजली आपूर्ति के कारण, टीथर्ड ड्रोन पारंपरिक ड्रोन की तुलना में अधिक समय तक उड़ान भर सकते हैं। टीथर्ड ड्रोन का उपयोग निगरानी, ??सुरक्षा, और संचार उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां निरंतर और विश्वसनीय हवाई दृश्यता की आवश्यकता होती है। टीथर्ड ड्रोन का उपयोग अक्सर आपातकालीन सेवाओं, कानून प्रवर्तन और निगरानी प्रणालियों में किया जाता है, जहां एक स्थिर और विश्वसनीय प्लेटफॉर्म की आवश्यकता होती है।

30 व 31 जुलाई को आयोजित होगी हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा

चंडीगढ़। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा-2024 का आयोजन 30 व 31 जुलाई, 2025 को करवाया जाएगा। इनमें 30 जुलाई को लेवल-3 (पीजीटी) एवं 31 जुलाई को लेवल-2 (टीजीटी) व लेवल-1 (पीआरटी) की परीक्षा आयोजित करवाई जाएगी। इस परीक्षा में प्रदेशभर के 673 परीक्षा केन्द्रों पर कुल 4,05,377 अभ्यर्थी प्रविष्ट होंगे। इस बारे में जानकारी देते हुए, बोर्ड के बताया कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) तथा शिक्षा बोर्ड की एचटेट परीक्षा की तिथि एक होने के चलते शिक्षा बोर्ड द्वारा हरियाणा पात्रता परीक्षा-2024 का आयोजन 26 व 27 जुलाई, 2025 के स्थान पर अब 30 व 31 जुलाई, 2025 को करवाया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि लेवल-3 (पीजीटी) की परीक्षा 30 जुलाई (बुधवार) को सायंकालीन सत्र में 3:00 बजे से 5:30 बजे तक संचालित होगी, जिसमें 399 परीक्षा केन्द्रों पर कुल 1,20,943 अभ्यर्थी प्रविष्ट होंगे। उन्होंने बताया कि लेवल-2 (टीजीटी) की परीक्षा 31 जुलाई (वीरवार) को प्रातः कालीन सत्र में 10:00 बजे से 12:30 बजे तक संचालित होगी, इस परीक्षा में 673 परीक्षा केन्द्रों में कुल 2,01,517 अभ्यर्थियों प्रविष्ट होंगे। इसी तरह लेवल-1 (पीआरटी) की परीक्षा भी इसी दिन यानि 31 जुलाई (वीरवार) को सायंकालीन सत्र में 3:00 बजे से 5:30 बजे तक संचालित होगी, जिसमें 280 परीक्षा केन्द्रों पर कुल 82,917 अभ्यर्थी प्रविष्ट होंगे। सभी अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र जल्द ही बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट 222.इइह्नह्व.ह्यह्द.ह्वद्ध पर उपलब्ध होंगे। प्रवक्ता ने बताया कि सभी अभ्यर्थियों को परीक्षा आरम्भ होने से 2 घण्टे 10 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना होगा ताकि केन्द्र के मुख्य द्वार पर मेटल डिटेक्टर से तलाशी, बायोमैट्रिक, अंगूठे के निशान का डाटा कैप्चरिंग इत्यादि अनिवार्य प्रक्रियाएं समय रहते पूरी हो सकें। उन्होंने आगे बताया कि परीक्षाओं की पल-पल की मानिटरिंग करने के उद्देश्य से भिवानी बोर्ड मुख्यालय पर एक हाईटेक कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों के इर्द-गिर्द धारा-163 स्थानीय प्रशासन द्वारा लगाई जाएगी। सभी परीक्षा केंद्रों पर किसी भी बाहरी हस्तक्षेप को रोकने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल परीक्षा आरम्भ होने से काफी समय पूर्व परीक्षा केंद्रों के बाहर तैनात रहेगा।

2030 तक भारत में 70त्न चौबीस घंटे स्वच्छ बिजली संभव, हर साल 9 हज़ार करोड़ की बचत अगर भारत की कंपनियाँ हर घंटे के हिसाब से कार्बन-फ्री बिजली खरीदने लगें, तो देश 2030 तक 52 गीगावॉट तक चौबीस घंटे मिलने वाली स्वच्छ बिजली जोड़ सकता है। यह भारत की कुल अनुमानित बिजली मांग का 5त्न हिस्सा होगा — और उसमें से 70त्न पूरी तरह स्वच्छ स्रोतों से हासिल किया जा सकेगा। इस बदलाव से ग्रिड ऑपरेटरों को हर साल क़रीब 9 हज़ार करोड़ रुपये की बचत हो सकती है, और साथ ही कार्बन एमिशन में भी उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। यह विश्लेषण जलवायु डेटा संस्था ने किया है, जिसके मुताबिक अगर कंपनियाँ सिर्फ सालाना औसत की बजाय हर घंटे अपने उपयोग के बराबर स्वच्छ ऊर्जा की खरीदारी करें, तो न सिर्फ ग्रिड सिस्टम ज्यादा सस्ता और टिकाऊ होगा, बल्कि भारत के ऊर्जा संक्रमण की रफ़्तार भी तेज़ हो सकती है। चौबीस घंटे मिलने वाली स्वच्छ बिजली का मतलब है कि हर घंटे इस्तेमाल की जाने वाली बिजली का स्रोत भी स्वच्छ होना चाहिए — यानी वह पवन, सौर, जल, बैटरी या किसी अन्य कार्बन-फ्री स्रोत से उसी समय मिल रही हो। यह मॉडल सौर या पवन ऊर्जा जैसे स्रोतों की अनियमितता की समस्या को हल करता है और हर वक्त भरोसेमंद बिजली सुनिश्चित करता है — चाहे दिन हो या रात, सप्ताहांत हो या त्योहार। विश्लेषक इरफ़ान मोहम्मद का कहना है कि भारत में कारोबारी और औद्योगिक ग्राहक अपनी 70त्न बिजली की मांग को चौबीस घंटे स्वच्छ स्रोतों से पूरा कर सकते हैं — और यह सालाना औसत मिलान की तुलना में सस्ती भी होगी। यही नहीं, इस मॉडल से सिस्टम स्तर पर एमिशन में 2.4त्न तक की कटौती की जा सकती है, जबकि पारंपरिक सालाना मिलान मॉडल में यह सिर्फ 1त्न तक सीमित रहती है। और तो और, कार्बन कम करने की लागत भी तीन गुना कम पड़ती है। इस बदलाव से सबसे ज्यादा फायदा उन क्षेत्रों को होगा जिनकी बिजली की मांग हर वक्त एक जैसी रहती है — जैसे भारी उद्योग, डेटा सेंटर्स, और उत्पादन इकाइयाँ। इन क्षेत्रों में साल भर का क्लीन एनर्जी सर्टिफिकेट लेना नाकाफ़ी होता है, क्योंकि असली चुनौती हर घंटे ज़रूरी स्वच्छ बिजली उपलब्ध करने की होती है। चौबीस घंटे मिलने वाली स्वच्छ बिजली का मॉडल इन्हीं ज़रूरतों को सीधे संबोधित करता है। इस दिशा में योजना बनाना भारत के लिए 'नो-रिग्रेट्स' यानी बिना पछतावे वाला कदम है। इससे न केवल सरकार और कंपनियाँ न्यूनतम लागत पर स्वच्छ बिजली खरीद पाएंगी, बल्कि ग्रिड ऑपरेटर्स के लिए भी बिजली व्यवस्था को किफ़ायती और स्थिर बनाए रखना आसान होगा। रिपोर्ट यह भी बताती है कि अगर भारत 70त्न से आगे जाकर 100त्न तक चौबीस घंटे की स्वच्छ बिजली मॉडल अपनाता है।

पुरुषों पर बढ़ते झूठे आरोपों और अत्याचारों पर वरिष्ठअधिवक्ता डॉ. ए. पी. सिंह का बड़ा बयान

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। देश के जाने-माने वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सुप्रीम कोर्ट ऑफइंडिया के सबसे प्रतिष्ठित वकीलों में से एक डॉ. ए. पी. सिंहने आज एक अहम प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत में पुरुषों केखिलाफ बढ़ रहे झूठे आरोपों और मानसिक प्रताड़ना कीघटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा किजैसे-जैसे समाज महिला अधिकारों को लेकर जागरूक हुआहै, उसी प्रकार पुरुषों के अधिकारों की अनदेखी भी बढ़ती जारही है। उन्होंने विशेष रूप से एक हालिया मामले का उल्लेख किया, जिसमें एक युवक नवेंदर सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। यह घटना 01 जून 2025 की रात 12:45 बजेसे 1:30 बजे के बीच दिल्ली के उत्तम नगर स्थित भगवतीगार्डन में हुई थी। पुलिस द्वारा इसे आत्महत्या बताया गया, लेकिन परिवार द्वारा उठाए गए सवाल और घटनास्थल कीपरिस्थितियाँ इसे एक पूर्व नियोजित हत्या और साजिश कीओर इशारा करती हैं। डॉ. सिंह ने बताया कि मृतक के कथित लिव-इन पार्टनरकोमल

द्वारा पहले पुलिस को यह बताया गया कि नवेंदर नेचुन्नी से फांसी लगाई थी, जबकि बाद में पोस्टमार्टम से पताचला कि मृतक की गर्दन पर कांच से कटने के निशान औरछाती पर नीले निशान थे, जो आत्महत्या से मेल नहीं खाते। परिवार द्वारा बाद में कमरे में 1.5 किलोग्राम पका हुआचिकन, कई गिलास और शराब की बोतल देखी गई, जिससेयह स्पष्ट हुआ कि घटना के समय वहाँ कई लोग मौजूद थे।सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक पुरुषऔर एक महिला रात को फ्लैटसे भागते हुए देखे गए। डॉ. ए. पी. सिंह ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता(ब्रहस्) की धाराएँ 103 (हत्या), 61 (आपराधिक षड्यंत्र), और 3(5) (साझा मंशा से किया गया अपराध) के तहतएफआईआर दर्ज करने की मांग।

हमारा सपना है कि विदेशी पर्यटक भारत आए, तो दिल्ली देखे बिना वापस न जाएः रेखा गुप्ता

पृष्ठ प्रथम का शेष

उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार स्वच्छता, सुंदरता और समग्र विकास के साथ राजधानी की सकारात्मक छवि को मजबूत करने में 24×7 जुटी हुई है, ताकि दुनिया भर से पर्यटक यहां आएं और भारत की संस्कृति व इतिहास का अनुभव कर सकें। मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि आज पर्यटन विभाग और मंत्री श्री कपिल मिश्रा जी के प्रयासों से इन्वेस्टर समिट का आयोजन हुआ, जिसमें दुनिया भर से लोगों ने भाग लिया और दिल्ली से जुड़कर भारत के पर्यटन को बढ़ावा देने में रुचि दिखाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा सपना है कि जब भी कोई विदेशी पर्यटक भारत आए, तो वह दिल्ली देखे बिना वापस न जाए। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली अब केवल एक राजधानी भर नहीं बल्कि वैश्विक पर्यटन, सांस्कृतिक समृद्धि और नवाचार के आकर्षण का केंद्र बन रही है। यह समिट केवल पर्यटन विस्तार का एक कार्यक्रम नहीं बल्कि दिल्ली को वैश्विक निवेश, नवाचार और सांस्कृतिक नेतृत्व की नई ऊंचाइयों से जोड़ने का एक रणनीतिक मंच है। उन्होंने कहा कि आज हम देश-विदेश से आए अनुभवी प्रतिभागियों से सुझाव लेकर एक मजबूत और व्यावहारिक रोडमैप तैयार कर रहे हैं, जिससे दिल्ली को एक वैश्विक टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जा सके। इस समिट के माध्यम से हमें 8 से 10 ऐसे अहम निर्णय लेने में स्पष्टता और दिशा मिली है जो आने वाले समय में दिल्ली की जनता के हित में होंगे और साथ ही निवेशकों के लिए नए अवसर भी खोलेंगे। दिल्ली, अपनी संस्कृति, विरासत और आधुनिक सुविधाओं के संगम के साथ, निवेश के लिए एक सुरक्षित, लाभदायक और टिकाऊ गंतव्य बनकर उभर रही है। मैं सभी निवेशकों को आमंत्रित करता हूँ कि वे दिल्ली के इस परिवर्तन का हिस्सा बनें।

दिल्ली पीडब्ल्यूडी के इतिहास का सबसे बड़ा सुधार. . . .

पृष्ठ प्रथम का शेष

मौजूदा समय में जो सीपीडब्ल्यूडी अधिकारी पीडब्ल्यूडी दिल्ली में कार्यरत हैं, उन्हें यह विकल्प दिया जाएगा कि वे या तो अपने मूल कैडर में लौट जाएं या विभागीय नियमों और शर्तों के अनुरूप दिल्ली पीडब्ल्यूडी के नए कैडर में स्थायी रूप से शामिल हो जाएं। यह ऐतिहासिक बदलाव विभाग की कार्यक्षमता, जवाबदेही और नेतृत्व में स्थायित्व को मजबूत करेगा—जो अक्सर सीपीडब्ल्यूडी के ट्रांसफर और डेपुटेशन सिस्टम के कारण बाधित होता रहा है।

NAME CHANGE
I hitherto known as SAURIYA GOEL alias SHORYA GOEL S/o KAMAL GOEL R/o 25/39, Shakti Nagar, Malka Ganj S.O, North Delhi, Delhi-110007, have changed my name and shall hereafter be known as SHORYA GOEL, for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, BHAGWAN SINGH S/o GOVIND SINGH R/o T-29/5 A-1, 3rd Floor, Road No. 20, Block-T, Baljeet Nagar, Patel Nagar West, PO: Patel Nagar, Dist. Central Delhi, Delhi-110008, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as BHAGWAN SINGH GOSAI and SARITA DEVI GOSAI in my minor daughter namely SUCHITA aged 17 years in her 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of mine and my wife are BHAGWAN SINGH and SARITA DEVI respectively.

NAME CHANGE
It is for general information that I IRSHAD S/o IBRAHIM R/o I-34, Garima Garden, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005, declare that name of mine has been wrongly written as IRSHAD ALI in my minor daughter namely MEHEVISH CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class educational documents. The actual name of mine is IRSHAD, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SUNIL GOEL S/o RAM AVTAR GOEL, R/o 25/39, Shakti Nagar, Malka Ganj S.O, North Delhi, Delhi-110007, have changed the name of my minor daughter RIDHI GOEL alias NITYA GOEL aged 17 years and she shall hereafter be known as NITYA GOEL, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RAGHVENDRA KUMAR YADAV S/o RAJENDRA SINGH YADAV R/o Karhal Road Chawraha, Bye Pass Road, Krishna Nagar, Mainpuri, PO: Mainpuri, Dist. Mainpuri, Uttar Pradesh-205001, have changed the name of my minor son ARIN KUMAR SINGH aged 13 years and he shall hereafter be known as ARINJAY SINGH.

NAME CHANGE
I, BEBITAI Mother of No. 4588904F Rank-NK Name-VIJAY ASHOK AWALEKAR Presently residing at VILL-BAMMANAL, PO-MADBHAVI, TEHSIL-ATHANI, DISTT-BELAGAVI, KARNATAKA-591232, have changed my name from BEBITAI to BEBITAI ASHOK AWALEKAR for all future purposes vide Affidavit dated 11/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I MOHD SALMAN S/O GULAM NABI RESIDING AT HOUSE NO 32-B GALI KABABIYAN JAMA MASJID DELHI -110006 HAVE CHANGED MY NAME FROM MOHD SALMAN TO MOHD SALMAN QURESHI FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE
My client Rahat Ali s/o Sh. Tauseef Khan R/o 128, Sushila Vihar, Bulandshahr, U.P. has disowned and debarred his son namely Sakhawat Ali & his wife Smt. Shabnam Praveen & grand chilrens namely Alvina Sakhawat Ali, Shail Sakhawat Ali and Erhan Sakhawat Ali from their all movable, immovable properties & disowned Civil & Criminal Liabilities and We have no relation with them in future.
Abdul ALEEM Advocate
CH.NO.483, LAWYERS BLOCK SAKET COURTS, NEW DELHI-110017.

NAME CHANGE
I, NO-15440173A, Rank-NK Name-VINOD SINGH RAJPUT presently residing at VILL-PAVAYA WARD NO-01, BAMAUR KHURD, BANMORE, MORENA, MADHYA PRADESH-476444, have changed my father's name from JAGDISH SINGH RAJPUT to JAGDEESH SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 11/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-15440173A, Rank-NK Name-VINOD SINGH RAJPUT presently residing VILL-PAVAYA WARD NO-01, BAMAUR KHURD, BANMORE, MORENA, MADHYA PRADESH-476444, have changed my mother's name from SAGUNA RAJPUT to SAGUNA for all future purposes vide Affidavit dated 11/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-15455573K, Rank-SEP/AA Name- SHELAR AKASH SURESH presently residing VILL-HARAGAPURGAD, TEHSIL-HUKKERI, DISTT-BELAGAVI, KARNATAKA-591313, have changed my wife's name from PRATIKSHA to PRATIKSHA AKASH SHELAR for all future purposes vide Affidavit dated 11/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ARUN KUMAR VISHWAKARMA S/O MURLIDHAR R/O SUITE NO-4, HOSTEL BLOCK-A, AMITY UNIVERSITY HARYANA, PANCHGAON, MANESAR, GURGAON, HARYANA HAVE CHANGED MY NAME TO AROON KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I,Kandle Tushar Manohar S/O Manohar Motichand Kandle R/O 1010,Tower F3, Amarpali terrace homes, greater Noida 201306 Have changed my name to TUSHAR MANOHAR Kandle for all the future purposes.

NAME CHANGE
I, Nasreen Khan W/O Faisal UR Rehman R/O C-43, Second Floor, Right Side, Lane No.7, Jamia Nagar, Delhi-110025, have changed my name to Nasreen Bano for all future purposes

NAME CHANGE
I, No. 14854517W Rank-NK/MT Name-VIJAYAPANDIAN J Presently residing at VILL-NALANPUTHUR, PO-KARUPPUR, TEH-KATTUMANNAR KOIL, DIST-CUDDALORE, TAMIL NADU-608401, have changed my mother's name from J AMUTHA to J AMUDHA for all future purposes vide Affidavit dated 11/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 14854517W Rank-NK/MT Name-VIJAYAPANDIAN J Presently residing at VILL-NALANPUTHUR, PO-KARUPPUR, TEH-KATTUMANNAR KOIL, DIST-CUDDALORE, TAMIL NADU-608401, have changed my father's name from JANAKI RAMAN to JANAKIRAMAN SAMMANTHAM for all future purposes vide Affidavit dated 11/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I PATHAN SHAHNAWAZ KHAN S/o ABDUL GAFFAR R/o A 12 B, Sangam Vihar, Dr. Ambedkar Nagar, South Delhi, Delhi-110062, declare that name of mine has been wrongly written as SHAHNAWAZ KHAN in my minor Son MOHAMMAD SHABREZ KHAN aged 16 years in his 10th Class Educational Document. The actual name of mine is PATHAN SHAHNAWAZ KHAN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I SWETA NARYANBHAI ASOPA W/O PRAKUL SHARMA RESIDING AT HOUSE NO. 2172, GAU SHALA JAMUNA BAZAR DELHI -110006 HAVE CHANGED MY NAME FROM SWETA NARYANBHAI ASOPA TO SWETA SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, RAMNIVAS GUPTA S/O MAHENDRA PRASAD GUPTA R/O HOUSE NO-B-44, THIRD FLOOR, KH NO-143, PANCHSHEEL VIHAR, MALVIYA NAGAR, SOUTH DELHI, DELHI-110017, DECLARE THAT RAMNIWAS GUPTA AND RAMNIVAS GUPTA THESE ARE SAME PERSON

NAME CHANGE
I, SHEIKH MOHAMMAD ASLAM S/O NOOR MOHAMMED resident of H NO-943, GALI CHASHEERIN, FARASH KHANA, DELHI-110006 have changed my name to MOHAMMAD ASLAM for all future purposes.

NAME CHANGE
I, LAXMI W/O DALPAT SINGH residing at 199, SASROLI, JHAJJAR-124106. have changed my name to LAXMI SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RAVINDRA KUMAR S/O RAJENDRA PRASAD YADAV residing at 64, PRAYOG VIHAR, MAYA PURI, HARI NAGAR, DELHI-110064. have changed my name to RAVINDRA KUMAR YADAV for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RAJENDRA PRASAD S/O MITAI YADAV residing at VILLAGE JAGADEESHPUR, PATTI NARENDRAPUR, JAUNPUR,UTTAR PRADESH-223102. have changed my name to RAJENDRA PRASAD YADAV for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Parveen Kumar Dudeja s/o Gobind Ram Dudeja R/o D-1C/51-D, Janak Puri, D- Block, Delhi-110058, have changed my name to Praveen Kumar Dudeja permanently

NAME CHANGE
I, Ranjit Rajkishor Sharma, R/O Khatana Building Apartment, Friends Colony, Near Union Bank, Ward No.5, Sohna, Gurgaon-122103, Haryana, have changed my minor son's name from Ayush to Ayush Ranjit Sharma for all future purposes..

NAME CHANGE
I, Ranjit Rajkishor Sharma, R/O Khatana Building Apartment, Friends Colony, Near Union Bank, Ward No.5, Sohna, Gurgaon-122103, Haryana, have changed my minor daughter's name from Jigyasa to Jigyasa Ranjit Sharma for all future purposes

NAME CHANGE
I, NILKANTA PATI Father of No-15692432W Rank-HAV Name SAMIR KR PATI Presently residing at VILL-PATIRDANGA, PO-BRAHMANDIHA, PS-INDPUR, TEHSIL-KHATRA, DIST-BANKURA, WEST BENGAL-722173, have changed my name from NILKANTA PATI to NILKANTHA PATI for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1943 instead of my correct date of birth as 15/11/1940 vide Affidavit dated 11/07/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, SAVITRA SONERAO BIDGAR wife of No.14855424N, Rank-NK Name-SHRIRAME V A residing at VILL-SADLAPUR, PO-PETHPIMPALGAOL, TEHSIL-PALAM, DISTT-PARBHANI, MAHARASHTRA-431720, have changed my name from SAVITRA SONERAO BIDGAR to SHRIRAME SAVITRA VAIJANATH for all future purposes vide Affidavit dated 11/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14838772Y Rank-HAV/MT Name-TARUN PRAMANIK Presently residing at SRINATHPUR RAMNAGAR, NORTH 24 PARGANAS, WEST BENGAL-743273, have changed my daughter's name from SAYONI PRAMANIK to SAYANI PRAMANIK for all future purposes vide Affidavit dated 11/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 14863898K Rank-SEP/MT Name-AMAN KUMAR Presently residing at VILL-NAGLA BARI, PO-HAZIPUR NERA, TEH-KARHAL, DIST-MAINPURI, UTTAR PRADESH-205261, have changed my mother's name from SIYA DEVI to SIYADEVI for all future purposes vide Affidavit dated 11/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14838772Y Rank-HAV/MT Name-TARUN PRAMANIK Presently residing at SRINATHPUR RAMNAGAR, NORTH 24 PARGANAS, WEST BENGAL-743273, have changed my mother's name from MALITY to MALATI PRAMANIK for all future purposes vide Affidavit dated 11/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-6501176L Rank-NK/CHEF Name-BHADAURIYA AJIT SINGH Presently residing at HOUSE NO 1, RAVI ROW HOUSE SOCIETY KUBER NAGAR, AHMEDABAD, GUJARAT, have changed my son's name from KAYRA to KAYRA AJIT SINGH BHADAURIYA for all future purposes vide Affidavit dated 11/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 14836480X Rank-BHM/DVR-SPLVEH Name-VINOD KUMAR PATHAK Presently residing at VILL-LOOK (ATTHAISA), PO-PATEHRA, TEH-TYOTHAR, DIST-REWA, MADHYA PRADESH-486497, have changed my father's name from BHAIJALAL PATHAK to BHAIYALAL PATHAK for all future purposes vide Affidavit dated 11/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 14836480X Rank-BHM/DVR-SPLVEH Name-VINOD KUMAR PATHAK Presently residing at VILL-LOOK (ATTHAISA), PO-PATEHRA, TEH-TYOTHAR, DIST-REWA, MADHYA PRADESH-486497, have changed my mother's name from SONKALI PATHAK to SONAKALI PATHAK for all future purposes vide Affidavit dated 11/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ASHOK Father of No. 4588904F Rank-NK Name-VIJAY ASHOK AWALEKAR Presently residing at VILL-BAMMANAL, PO-MADBHAVI, TEHSIL-ATHANI, DISTT-BELAGAVI, KARNATAKA-591232, have changed my name from ASHOK to ASHOK NARAYAN AWALEKAR for all future purposes vide Affidavit dated 11/07/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Rahul Bhardwaj** is the owner of the Property No. 1/11836 area measuring 70 sq. yds. out of Khasra No. 27,28,63,92-97,101,481,102,521/298-99,448/26,455/31 situated in the area of village Uldhanpur in the abadi of Panchsheel Garden Naveen Shahdara Delhi 110032 vide Gift Deed dated 12.09.2022 which is registered as doc no. 6807 in SRO IV A Shahdara and Intend to mortgage the said property with **Piramal Capital & Housing Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony, New Delhi-110048, Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, JYOTI KASHYAP W/O MOHIT SEHGEL R/o House No-7303,BARA HAZARI,WARD NO-9,REWARI,HARYANA-123401,HAVE CHANGED MY NAME TO JYOTI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I hitherto known as ANJALI PATHANIA D/o KASHMIR SINGH RANA W/o AJAY SINGH PATHANIA Permanent R/o VPO TANIHAR, DISTT MANDI, HIMACHAL PRADESH-175026 and Present R/o 2/19, MANEKSHAW MARG, DELHI CANTT-110010 have changed my name and shall hereafter be known as ANJALI RANA.

(BEDAKHAL)
I, PINKI DEVI wife of SATISH GARG declare as under that I disowned my Son`s HAPPY GARG his wife SIMRAN GUPTA and his Son JEEVANSH GARG from my all movable/immovable/Patrick properties/assets for his wrong behaviour. I shall not be held responsible for any kind of acts done by him in money or transactions and police cases and criminal activity illegal/legal and property purposes in the future. That he debarred from entering my premises situated at A-202, AGGARWAL APPT, SHAHBAD EXTENSION, P-2, SHAHBAD DAULATPUR, DELHI-110042.----- It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

DATE OF BIRTH CHANGE
I, GULAB CHAND Father of No-16115939L Rank-NK Name- ARJUN SINGH Presently residing at WARD NO-02, SOMWARIYA JAL MANDIR KE SAMNE, KHILCHIPUR, TEHSIL-KHILCHIPUR, RAJGARH, MADHYA PRADESH-465679, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1963 instead of my correct date of birth as 01/01/1966 vide Affidavit dated 11/07/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, SUSHILA BAI Mother of No-16115939L Rank-NK Name- ARJUN SINGH Presently residing at WARD NO-02, SOMWARIYA JAL MANDIR KE SAMNE, KHILCHIPUR, TEHSIL-KHILCHIPUR, RAJGARH, MADHYA PRADESH-465679, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1968 instead of my correct date of birth as 01/01/1969 vide Affidavit dated 11/07/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Smt. Taruna & Smt. Deepika Sharma are the owner of Freehold Residential First Floor (LHS), Without Roof/Terrace Rights, (First Floor) being part of Freehold Property Municipal No. 341, Presently known as 341/53-B, Area measuring 66 Sq.Yds (out of total area measuring 132 Sq.Yds) situated at Mangal sain Building , Bagh Kare Khan , Near Padam Nagar Kishan Ganj, Delhi-110007 by virtue of sale deed dated 17.12.2024 Doc No. 2024/19/I/15143, Book No.1, Vol No. 11619, Pg No. 165-178 on 19.12.2024, SR I Kashmere Gate., in the Chain Document below mentioned documents not available i.e. probate order of WILL dated 13.09.2010 and 26.04.2023 now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mrs. Anita and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Pitampura Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NOTICE
Public at large is hereby informed that my clients (1) Mohammad Usman and (2) Smt. Sana Zubair are the owners of Entire Entire Second Floor And Entire Third Floor And First Floor, having area 88.63 sq. mtrs. approx. on each floor, with terrace upper storey rights, being part of its roof /BUILT-UP PROPERTY bearing Mpl. No. 1786, situated at Ward No. Main Bazar, Lal Kuan, Delhi-110006 vide Sale Deed dated 12/03/2021 executed by Smt. Veena alias Veena Gupta in favour of (1) Mohammad Usman and (2) Smt. Sana Zubair. In respect of first floor, second floor and third floor with roof rights of property no. 1786, area measuring 88.63 sq.mtrs. as doc no. 2370, vol no. 18706, pages 148-161, SR-III, That, (1) Original Sale Deed dated 16/08/1971 executed by The Governor of Punjab in favour of Sh. Rattan Lal. In respect of the said property. as doc no. 6519 and (2) Original Sale Deed dated 08/11/1971 executed by Sh. Bannu Ram in favour of Sh. Rattan Lal. In respect of property no. 1786, area measuring 88.63 sq.mtrs. as doc no. 8981, vol no. 2684, pages 124-128 are not available with our abovementioned clients/present owners of said property who intend to mortgage said immovable property for bonafide requirements to HDFC BANK LTD. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 11/7/2025
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रदीप पुत्र पहलाद सिंह पताः मकान नं0 358, उत्तरांचल कॉलोनी, लोनी, गाजियाबाद यूपी ने एफआईआर संख्या 160/2016 धारा 354ए/509/34 भा.द.स. के तहत** थानाः ज्योति नगर, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **प्रदीप** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **प्रदीप** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 160/2016 धारा 354ए/509/34 भा.द.स. के तहत थाना ज्योति नगर, दिल्ली के उक्त प्रदीप** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.08.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
निधि बाला
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
महिला कोर्ट-03,
कमरा नं.08, द्वितीय तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/8974/NE/2025

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

खंभे में करंट से ग्राफिक्स डिजाइनर युवक व दो गायों की मौत

गुरुग्राम। यहां बिजली के एक खंभे में जलभराव के कारण आए करंट से एक ग्राफिक डिजायनर युवक व दो गायों की मौत हो गई। यह घटना सेक्टर-49 की है। ग्राफिक डिजाइनर युवक जिम से अपने घर लौट रहा था। जानकारी के अनुसार सेक्टर-49 में रात को करीब साढ़े नौ बजे ग्राफिक डिजाइनर युवक अक्षत जैन जिम से घर जा रहा था। जब वह एक बिजली के खंभे के पास से निकल रहा था तो वह खंभे में फैले बिजली के करंट की चपेट में आ गया। 25 साल के अक्षत जैन की मौके पर ही मौत हो गई। इसके साथ ही वहां करंट लगने से दो गायों की भी मौत हो गई। आसपास के लोगों ने इस घटना की सूचना बिजली विभाग और पुलिस को दी। मृतक युवक के परिजनों ने पुलिस में बिजली विभाग के खिलाफ शिकायत दी। पुलिस ने बिजली विभाग के खिलाफ लापरवाही का केस दर्ज किया है। बता दें कि पिछले साल भी बरसात के बीच एक पोल के पास बिजली के खुले पड़े तारों से भी ऐसे ही हादसा हुआ था।

जनसेवा ही संकल्प और प्राथमिकता : डा. मिड्ढा

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि जनसेवा ही हमारा संकल्प है और आपकी सेवा ही हमारी प्राथमिकता है। राज्य सरकार द्वारा जहां हर वर्ग के कल्याण के लिए अनेकों कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं। वहीं आमजन की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जा रहा है। क्षेत्र के लोगों के लिए 24 घंटे दरवाजे खुले हैं कोई भी व्यक्ति किसी भी समय अपनी समस्याओं को लेकर आ सकता है। आमजन के लिए निरंतर जनता दरबार लगा कर लोगों की समस्याएं सुनकर उनका निवारण किया जाता है। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा गुरूवार को अपने आवास पर जनता का खुला दरबार लगा कर आमजन की समस्याएं सुन रहे थे। इस मौके पर अधिकारियों को आमजन की समस्याओं को त्वरित आधार पर दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपका सहयोग और विश्वास ही हमें लगातार प्रेरित करने का काम करता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार अंत्योदय उत्थान की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। जिसके सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। क्षेत्र में निरंतर विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है और आने वाले समय में भी क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनेक परियोजनाएं आरंभ की जाएंगी। विकास कार्यों में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा के गांव, शहर, उद्योग और कृषि क्षेत्र नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर हैं।

राज्य तैराकी प्रतियोगिता का चौथा दिन, तैराकों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। बहादुरगढ में चल रही राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता के चौथे दिन सब जूनियर और जूनियर वर्ग के तैराकी मुकाबले हुए। बहादुरगढ के डीसीपी मयंक मिश्रा और एक रियल एस्टेट कंपनी के डायरेक्टर बिजेंद्र जिंदल ने मुख्यातिथि के तौर पर प्रतियोगिता समारोह में शिरकत की।जूनियर ग्रुप-2 के 1500 मीटर फ्री स्टाइल इवेंट में झज्जर के वीर दलाल ने स्वर्ण पदक, गुरुग्राम के देवेश खरब ने रजत और झज्जर केअरमान मान ने कांस्य पदक जीता। लड़कियों की श्रेणी की 1500 मीटर फ्री स्टाइल में फरीदाबाद की नियति जुल्का ने स्वर्ण, पलवल की छवि ने रजत और गुरुग्राम की अलीशा द्विवेदी ने कांस्य पदक हासिल किया। 100 मीटर बटरफ्लाई बॉयज में रोहतक के अदीश अहलावत ने स्वर्ण, झज्जर के दिव्यांशु गुलिया ने रजत और फरीदाबाद के देवांश ने कांस्य पदक हासिल किया। लड़कियों की श्रेणी में गुरुग्राम की अवनी सूरी ने स्वर्ण, सोनीपत की प्रांजल ने रजत और अंबाला की ओजस्विनी शर्मा ने कांस्य पदक हासिल किया। जूनियर ग्रुप-1 की बॉयज 200 मीटर फ्री स्टाइल में गुरुग्राम के अर्जुन ने स्वर्ण, झज्जर के सक्षम ने रजत और झज्जर के इशांत ने कांस्य पदक हासिल किया। 100 मीटर बटरफ्लाई में गुरुग्राम के रिजुल भारद्वाज ने स्वर्ण, सोनीपत के आयन वीर खत्री ने रजत और गुरुग्राम के अनन्त गुलिया ने कांस्य पदक हासिल किया।

झमाझम बारिश ने शहर को किया पानी-पानी

जींद। जिले में हुई झमाझम बारिश भी जारी रही। बारिश से सड़कों पर पानी जमा हो गया। जिसके चलते राहगीरों व वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि बारिश फसलों के लिए फायदेमंद है इसने किसानों को भी राहत प्रदान की है। बारिश से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। मौसम भी सुहाना बन गया है। गुरूवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 26 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 76 प्रतिशत तथा हवा की गति छह किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान बूंदाबांदी के साथ बारिश होने की संभावना है।

जींद में 24 एमएम, जुलाना में 54 एमएम, सफीदों में सात एमएम, पिल्लूखेड़ा में 27 एमएम, उचाना में तीन एमएम बारिश दर्ज की गई। बारिश के चलते शहर के गोहाना रोड, सफीदों रोड, बत्तख चौक, पटियाला चौक, सीआर कॉलेज के सामने जगह-जगह पानी जमा रहा। जिससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। किसानों को अच्छी बारिश की आस जगी है। बारिश से धान रोपाई का कार्य रफ्तार पकड़ेगा। जो धान फसल रोपी गई है, उसको भी फायदा पहुंचा है। मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि बारिश से फसलों को फायदा पहुंचा है। अच्छी बारिश के आसार बने हैं। धान फसल के लिए फायदेमंद है। तापमान में भी गिरावट आएगी।

सनातन संस्कृति व गुरु-शिष्य परंपरा का संरक्षण हो : बड़ौली

एजेंसी

सोनीपत। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेशभर में विविध धार्मिक स्थलों और मंदिरों में साधु-संतों का आशीर्वाद लेकर सनातन संस्कृति व गुरु-शिष्य परंपरा के संरक्षण का संदेश दिया। इस कड़ी में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने सोनीपत में महायोगी उपाध्याय श्री 108 गुप्तिसागर जी मुनिराज के 48वें वर्षायोग कार्यक्रम में पहुंचकर उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने गुरु समाज को देश और समाज का पथ प्रदर्शक बताते हुए नमन किया। श्री बड़ौली ने प्रदेशवासियों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भाजपा ने इस अवसर पर गुरुओं के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर आध्यात्मिक चेतना को सुदृढ़ करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि

धार्मिक व आध्यात्मिक संस्थान समाज के जागरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके पश्चात बड़ौली सोनीपत स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचे और नव नियुक्त पदाधिकारियों से भेंट की। इस दौरान उन्होंने संगठन की मजबूती व जनसेवा को प्राथमिकता देने का संदेश दिया। गन्नौर के प्रजापति धर्मशाला में आयोजित गुरु दक्ष प्रजापति जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर बड़ौली ने युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। समारोह में विधायक देवेंद्र कादियान, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक भारद्वाज, जिला महामंत्री नीरज कुमार ठरू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। श्री बड़ौली ने कहा कि हरियाणा के नॉनस्टॉप विकास में भाजपा कार्यकर्ता एक मज़बूत कड़ी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा सरकार अंत्योदय की भावना के साथ समग्र विकास कर रही है, जिससे समाज के हर वर्ग को लाभ मिल रहा है। बड़ौली ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे बूथ से जिला स्तर तक संगठन को सशक्त करें और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं।

कसूहन गांव बनेगा जल प्रबंधन मॉडलः देवेंद्र चतरभुज अत्री

एजेंसी

जींद। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी आधुनिक कमांड एरिया विकास कार्यक्रम (एमसीएडी) योजना को लेकर महत्वपूर्ण जनसंवाद और जागरूकता बैठक का आयोजन गुरूवार को किया गया। बैठक में सिंचाई विभाग (एमआईसीएडीए) के कार्यकारी अभियंता एक्सईएन डा. धर्मपाल मुवाल ने किसानों के साथ इस अग्रणी परियोजना की विस्तृत रूपरेखा सांझा की और इसे लागू करने के लिए उनकी सहमति प्राप्त की। भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री भी मुख्य रूप से पहुंचे। विधायक ने कहा कि कसूहन गांव एमसीएडी योजना के तहत हरियाणा का पहला एकीकृज जल प्रबंधन मॉडल बनेगा। कसूहन गांव को एक ऐसे पायलट प्रोजेक्ट के लिए चुना गया है जो पूरे प्रदेश के लिए एक मिसाल बनेगा। यह प्रोजेक्ट एकीकृत जल प्रबंधन के सिद्धांत पर आधारित है। जिसका लक्ष्य पानी के हर स्त्रोत का सही उपयोग कर किसानों को 24 घंटे सुनिश्चित सिंचाई उपलब्ध कराना है। सभी की सहमति मिलने के बाद इस विस्तृत प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। कसूहन सहित आसपास के जो गांव है उनकी करीब 2482 एकड़ जमीन को इसका लाभ मिलेगा। डा. धर्मपाल मुवाल ने प्रोजेक्ट की तकनीकी जानकारी देते हुए बताया कि कसूहन गांव में सिंचाई के लिए एक दोहरी और विश्वसनीय जल प्रणाली स्थापित की जाएगी। सिंचाई के लिए नहरी पानी के साथ-साथ, पानी की उपलब्धता को और सुदृढ़ करने के लिए उचाना एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) से मिलने वाले शोधित जल को भी इस प्रणाली में जोड़ा जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया एसटीपी का पानी वैज्ञानिक रूप से शोधित, खेती के लिए पूरी तरह सुरक्षित और पोषक तत्वों से भरपूर होता है। दोनों स्त्रोतों के पानी को मिला कर हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कसूहन के किसानों को साल भर सिंचाई के लिए पानी की कोई कमी न हो।

कांवड़ियों के मार्ग पर पूर्ण सुविधा सुनिश्चित करें अधिकारी : विक्रम सिंह

एजेंसी

फरीदाबाद। कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त (डीसी) विक्रम सिंह ने लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान दिल्ली-मथुरा रोड (राष्ट्रीय राजमार्ग-2), आगरा कैनाल और बाईपास रोड पर ट्रैफिक व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए जाएं। डीसी ने निर्देश दिए कि सभी प्रमुख कांवड़ शिविरों में उचित लाइटिंग, साफ-सफाई और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। एनएचएआई, एफएमडीए, नगर निगम सहित सभी विभागों को निर्देशित किया गया कि शिविरों व मार्गों पर रिफ्लेक्टर, दिशा-निर्देश दर्शाने वाले सांकेतिक बोर्ड लगाए जाएं ताकि कांवड़ियों को मार्ग की स्पष्ट जानकारी मिल

सके। चिन्हित स्थानों पर एंबुलेंस और प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा भी उपलब्ध होनी चाहिए। कांवड़ियों के स्वास्थ्य का ख्याल रखते हुए चिन्हित स्थानों पर एम्बुलेंस कि भी व्यवस्था हो। चिन्हित जगहों पर जलभराव को रोकने के उचित प्रबंध किये जाएं। उन्होंने कहा कि आगरा कैनाल और बाईपास रोड से कांवड़ियों का आवागमन ज्यादा होता है। इसलिए संबंधित विभागों के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में उस सड़क की मरम्मत कराना सुनिश्चित करें। बैठक में एडीसी सतबीर मान, एसडीएम फरीदाबाद अमित गुलिया, एसडीएम बड़खल त्रिलोक चंद, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, डीसीपी ट्रैफिक जयवीर राठी, सीटीएम अंकित कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

सोनीपत में कांवड़ यात्रा हेतु सुरक्षा व्यवस्था सख्ती से धारा 163 लागू

एजेंसी

सोनीपत। श्रावण मास की पावन कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु सोनीपत होते हुए हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ते हैं। इस धार्मिक उत्सव को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन व पुलिस ने व्यापक इंतजाम किए हैं। जिलाधीश सुशील सारवान ने 11 जुलाई से आगामी आदेशों तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 कीधारा 163 लागू कर दी है। इसके तहत हथियारों जैसे हॉकी, बेसबॉल बैट, लाठी आदि के प्रयोग, अनधिकृत डीजे, शराब सेवन, तेज आवाज वाले साउंड सिस्टम और उत्तेजक सामग्री पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। आदेशों का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 233 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

कांवड़ शिविर सड़क से कम से कम 60 फुट की दूरी पर लगाए जाएंगे, जबकि हरिद्वार से आने वाले श्रद्धालुओं के शिविर केवल सड़क की बाईं ओर ही स्थापित किए जाएंगे।

राष्ट्रीय राजमार्गों, विशेषकर रष्ट्रीय राजमार्ग -334बी और रष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर भारी व व्यापारिक वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध रहेगा और वैकल्पिक मार्गों के साथ विशेष डायवर्जन योजना लागू की जाएगी। जिला पुलिस प्रशासन ने 10 से 23 ुलाई तक के लिए विस्तृत सुरक्षा योजना बनाई है। 110 से अधिक शिविर, सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन निगरानी, 24 घंटे ट्रैफिक टीमें, पेट्रोलिंग वाहन, पीसीआर और राइडर टीमें तैनात की गई हैं। हर ट्रैफिक प्वाइंट पर कांस्टेबल से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों की ड्यूटी सुनिश्चित की गई है। साइबर सेल व खुफिया इकाइयों को हाई अलर्ट पर रखा गया है, ताकि कोई भी सामाजिक या साम्प्रदायिक तनाव उत्पन्न न हो। गांवों व शहरों के स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक उपचार दल, फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस और पानी के टैंकर सक्रिय रहेंगे। बिना अनुमति जुलूस या झंडा ले जाने पर भी कार्रवाई होगी। यह व्यवस्था सुनिश्चित करेगी कि श्रद्धालु भावपूर्वक, सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण में कांवड़ यात्रा पूरी कर सकें।

अग्रोहा मेडिकल हरियाणा में स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा का एक महत्वपूर्ण स्तंभ : स्वास्थ्य मंत्री

एजेंसी

हिसार। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री, सुश्री आरती सिंह राव ने महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा में नवीनीकृत प्रशासनिक भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान कार्यक्रम में महाराजा अग्रसेन मेडिकल एजुकेशन एंड सांइटिफिक रिसर्च सोसाइटी की अध्यक्षा व हिसार विधायक सावित्री जिंदल, पूर्व सासंद जनरल डीपी वत्स, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मधुसुदन अग्रवाल, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल ने स्वास्थ्य मंत्री का स्वागत किया। यह अत्याधुनिक प्रशासनिक भवन संस्थान की दक्षता और कार्यप्रणाली को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।लोकार्पण समारोह के अवसर पर सुश्री आरती सिंह राव ने गुरुवार को प्रशासनिक भवन के नवीनीकरण के लिए कॉलेज प्रशासन की सराहना की, जिसमें आधुनिक सुविधाओं और उन्नत तकनीक को शामिल किया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह नया भवन महाविद्यालय के

अकादमिक और प्रशासनिक कार्यों को सुव्यवस्थित करने में मदद करेगा, जिससे छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को बेहतर वातावरण मिलेगा।लोकार्पण के बाद सुश्री राव ने महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज सोसायटी की एग्ज़िक्यूटिव काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता भी की। इस बैठक में कॉलेज के विकास, शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।इस दौरान सुश्री आरती सिंह राव ने कहा कि महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज हरियाणा में स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। इस नवीनीकृत प्रशासनिक भवन का लोकार्पण और एग्ज़िक्यूटिव काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि यह संस्थान न केवल उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा प्रदान करे बल्कि राज्य के लोगों के लिए उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएँ भी उपलब्ध कराए। इस दौरान सुश्री आरती सिंह राव ने महाविद्यालय में विकास कार्यों हेतू 21 लाख रूपये की अनुदान राशी देने की घोषणा भी की।मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए श्रीमती सावित्री जिंदल ने महाराजा अग्रसेन मेडिकल एजुकेशन एंड सांइटिफिक रिसर्च सोसाइटी के उद्देश्यों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला।

सरकारी योजनाओं का लाभ हर नागरिक तक पहुंचेः उपायुक्त

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत के लघु सचिवालय में उपायुक्त सुशील सारवान की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक की गई। बैठक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जिले के प्रत्येक पात्र नागरिक तक सहजता से पहुंचे। बैठक में सभी एबीपीओ, पीओ, बीपीएम तथा संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने कहा कि सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ गांवों और शहरों में रहने वाले हर पात्र व्यक्ति को मिलना चाहिए। इसके लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को गंभीरता से कार्य करना होगा, ताकि कोई भी नागरिक योजनाओं से वंचितन रह जाए। सीईओ जिला परिषद अभय सिंह जागंड़ा ने मनरेगा के अंतर्गत कार्यरत सभी वर्करों का ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इच्छुक व्यक्ति अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से पंजीकरण करवा सकते हैं। एलडीएम हरिश कुमार वर्मा ने सरकार द्वारा संचालित

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना एवं प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की जानकारी देते हुए कहा कि ये योजनाएं लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करती हैं। मुद्रा योजना के अंतर्गत 10 लाख तक का ऋण तीन श्रेणियों में उपलब्ध है शिशु, किशोर और तरुण। वहीं विश्वकर्मा योजना पारंपरिक कारीगरों को प्रशिक्षण के उपरांत सस्ती दरों पर ऋण उपलब्ध करवाती है।

हुनर, हिम्मत और हौंसले से हरियाणा होगा नंबर वनः हिमांशु चौहान

एजेंसी

झज्जर। शिक्षा मंत्री की पहल पर स्कूलों में डिजिटल बोर्ड, लैंग्वेज लैब, लाइब्रेरी, टैब और कम्प्यूटर लैब के प्रयोग को लेकर विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी), द्वारा जिले के डीघल व बेरी के स्कूलों का औचक निरीक्षण किया गया। उन्होंने सीधे कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद किया और उपर्युक्त उपकरणों बारे जानकारी ली। विद्यार्थियों से संवाद के बाद उन्होंने कहा कि हरियाणा के विद्यार्थियों में प्रतिभा है और उनके हुनर, हिम्मत और हौंसले से प्रदेश नम्बर-1 बनेगा। डीघल के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पहुंचने पर एचसीएस अधिकारी हिमांशु चौहान का जिला शिक्षा अधिकारी राजेश खन्ना व जिला परियोजना अधिकारी रितेंद्र कुमार ने स्वागत किया। चौहान बिना किसी औपचारिकता के सीधे कक्षाओं में पहुंच गए और डिजिटल बोर्ड के प्रयोग पर सीधे बात की। उन्होंने डीघल के स्कूल में 11वीं व 12वीं के विद्यार्थियों से ही पूछा कि रूटीन में कक्षा में कितने शिक्षक डिजिटल बोर्ड से पढ़ाते हैं। यहां उन्होंने बच्चों से सवाल किए और छात्राओं ने डिजिटल बोर्ड पर सही उत्तर देकर शाबाशी प्राप्त की। लैंग्वेज

लैब के टीचर नहीं होने पर उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को दूसरे स्कूल के किसी टीचर को भेजकर यहां के एक शिक्षक को प्रक्षिक्षण देने को कहा। ओएसडी चौहान ने स्कूल प्रिंसिपल की अच्छी मैनेजमेंट और बोर्ड, लाइब्रेरी के सही प्रयोग पर भी सराहना की। बाद में उन्होंने बेरी के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का भी औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने विभिन्न विषयों की कक्षाओं में जाकर छात्रों से सीधे संवाद किया। ओएसडी ने दोनों विद्यालयों में बच्चों से मुखातिब होते हुए उन्हें 12वीं के बाद क्या करना है, इस योजना पर काम करने को भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में हुनर है, हिम्मत है और हौसला है, जिसके बल पर हरियाणा नंबर वन बनेगा। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सभी अध्यापक विद्यार्थियों को डिजिटल बोर्ड पर ही पढ़ाएं और इसे बाकायदा डायरी में दर्ज भी करें। उन्होंने कहा, शिक्षा मंत्री चाहते हैं कि बच्चों को डिजिटल उपकरणों का अधिक लाभ मिले। हिमांशु चौहान ने जिला शिक्षा अधिकारी को यह सुनिश्चित करने को कहा कि सभी शिक्षक डिजिटल बोर्ड का प्रयोग करें ताकि बच्चों को पढ़ाई करने में आसानी हो।

शिक्षा विभाग उपनिदेशक कमलजीत कौर ने किया डूमरखां स्कूल का निरीक्षण

एजेंसी

जींद। गांव डूमरखां के जीजीएसएस स्कूल में शिक्षा विभाग उपनिदेशक कमलजीत कौर द्वारा विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। विद्यालय की भाषा लैब, कंप्यूटर लैब एवं विद्यार्थियों को दिए जाने वाले तत्वों का विवरण एवं साफ सफाई चेक किया। उपनिदेशक ने कंप्यूटर लैब की अध्यापिका से विद्यार्थियों को पढ़ाई जाने के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की एवं पूछा गया कि विद्यार्थियों को भाषा का ज्ञान प्राप्त करने में लैब कितनी महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को कंप्यूटर के बारे में कितनी जानकारी हासिल की। उन्होंने शिक्षकों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि शिक्षक ही एक राष्ट्र का निर्माता होता है। क्योंकि अध्यापक से ही बच्चों के सर्वांगीण विकास संभव हो पता है इसलिए सभी अध्यापक अपनी इस कार्य में राष्ट्र को सहयोग दें। भविष्य में भी खंड की अन्य स्कूलों का भी औच्चक निरीक्षण किया जाएगा ताकि विद्यालयों में किसी भी प्रकार की विद्यार्थियों के विकास से संबंधित कोई समस्या ना रहे। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष चंद्र, जिला प्रयोजना संयोजक अधिकारी रितु पंघाल, खंड शिक्षा अधिकारी पुष्पा रानी, सरोज श्योकंद एवं महेंद्र कार्यक्रम अधिकारी मौजूद रहे।

स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 की तैयारियां शुरु, ग्राम सचिवों को मिला प्रशिक्षण

एजेंसी

झज्जर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत भारत सरकार द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 के अंतर्गत जिले में गतिविधियों का संचालन तेजी से शुरू कर दिया गया है। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता की वास्तविक स्थिति का आंकलन करना और जनभागीदारी के माध्यम से स्थायी स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करना है। अभियान की सफलता के लिए संवाद भवन झज्जर में आयोजित कार्यक्रम में जिले के तमाम ग्राम सचिवों को प्रशिक्षण दिया गया। उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल के निर्देशानुसार व जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनीष फोगाट के मार्गदर्शन में संवाद भवन में जिला स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सीईओ की अध्यक्षता में जिले के सभी ग्राम सचिवों को स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 के विषय में प्रशिक्षण दिया गया। बैठक के दौरान सीईओ मनीष फोगाट ने बताया कि इस सर्वेक्षण में जिले की ग्राम पंचायतों का मूल्यांकन तीन आधारों पर किया जाएगा। प्रत्यक्ष

निरीक्षण, ग्रामीण नागरिकों का फीडबैक और पंचायतों द्वारा स्वच्छता से संबंधिहित रिपोर्टिंग।

उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों और ग्राम सचिवों को निर्देश दिए कि गांवों में स्वच्छता संबंधी विशेष जागरूकता मुहिम चलाई जाए, जिसमें ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन, शौचालयों की नियमित सफाई, सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता और खुले में शौच मुक्त स्थिति को बनाए रखना प्रमुख बिंदु होंगे।उन्होंने बताया कि इस सर्वेक्षण के अंतर्गत ग्रामीण नागरिक स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण एप या टोल फ्री नंबर के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करा सकते हैं, जो मूल्यांकन प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि इस अभियान की सफलता तभी संभव है जब अधिक से अधिक ग्रामीण जन इस प्रक्रिया में भाग लें। इस अवसर पर जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी निशा तंवर, बीडीपीओ उमेद व राजाराम, धर्मपाल, पीओ लखविंदर बल्हारा, एसबीएम प्रभारी सुशील सैनी और सहायक समन्वयक (तकनीकी) संदीप बोडिया सहित विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे।

सोनीपत में मूसलाधार बारिश से अंडर ब्रिज में भरा 15 फीट पानी

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत शहर में रात से शुरू हुई मूसलाधार बारिश ने शहर को जलमग्न कर दिया । जहां यह बारिश किसानों के लिए राहत बनकर आई, वहीं शहरों में जलनिकासी की बदहाल व्यवस्था ने जनजीवन को ठप कर दिया। सोनीपत शहर में तो हालात और भी विकट हो गए, जब सड़कों ने तालाब का रूप ले लिया और अंडरपास में पानी भर गया। सोनीपत में तेज बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई। विशेषकर गोहाना स्थित शनि मंदिर रेलवे अंडरपास में करीब 15 फीट तक पानी भर गया, जिससे यह क्षेत्र एक तालाब जैसा नजर आने लगा। अंडरपास पूरी तरह ठप हो गया और यातायात थम गया। शहर के अन्य

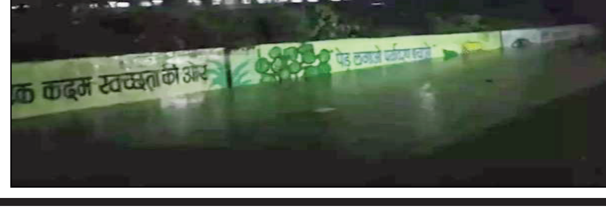

क्षेत्रों जैसे गीता भवन, सेक्टर-23, राम नगर चौक, ककरोई चौक और सुभाष स्टेडियम के सामने भी भारी जलभराव देखने को मिला। सड़कों पर पानी इतना भर गया कि लोगों को घुटनों तक पानी में चलकर निकलना पड़ा। कई वाहन बंद हो गए और फंसे हुए लोगों को खुद ही अपने वाहनों को धक्का देकर बाहर निकालना पड़ा। हालांकि शहरी परेशानियों के उलट यह बारिश किसानों के लिए वरदान साबित हुई। धान की रोपाई के लिए ज़मीन में नमी भरपूर हो गई, जिससे खेतों में कार्य तेज़ी से शुरू हो गया। किसानों ने कहा कि यह बारिश उनकी मेहनत के लिए नई ऊर्जा लेकर आई है। प्रशासन ने जलनिकासी व्यवस्था सुधारने के दावे किए हैं, लेकिन हालात फिर से कई सवाल खड़े कर गए हैं।

इक्विटी फंड में पांच माह की गिरावट थमी निवेश 24% बढ़कर 23587 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। मजबूत खुदरा भागीदारी और निवेशक अधिक रिटर्न की तलाश में सोने और चांदी के फंडों की ओर निवेश का रुख कर रहे थे। इससे निफ्टी-50 जून में तीन फीसदी बढ़ गया। स्मॉलकैप व मिडकैप में क्रमशः 6.7त्न और 4त्न की वृद्धि हुई।

इक्विटी म्यूचुअल फंडों में पांच महीने से जारी गिरावट थम गई। जून में शुद्ध निवेश 24 प्रतिशत बढ़कर 23,587 करोड़ रुपये हो गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया यानी एम्फी के आंकड़ों के मुताबिक, लगातार 52वें महीने निवेश आया है।

म्यूचुअल फंड में जून में कुल 49,301 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो मई के 29,572 करोड़ रुपये की तुलना में 67 फीसदी ज्यादा है। आंकड़ों के मुताबिक, इक्विटी म्यूचुअल फंडों में मई में 19,013 करोड़ रुपये का निवेश आया था। शुद्ध निवेश दिसंबर में 41,156 करोड़ रुपये से घटकर जनवरी में 39,688 करोड़ रुपये, फरवरी में 29,303 करोड़ रुपये, मार्च में 25,082 करोड़ रुपये और अप्रैल में 24,269 करोड़ रुपये रहा था। नवंबर में यह 35,943 करोड़ रुपये था। डेट फंडों में से जून में 1,711 करोड़ रुपये की निकासी हुई। मई में 15,908 करोड़ निकाले गए थे। अप्रैल में कुल 2.2 लाख करोड़ का निवेश आया था।

म्यूचुअल फंड में निवेशकों के निवेश का मूल्य(एयूएम) जून में रिकॉर्ड 74.4 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो मई में 72.2 लाख करोड़ था। इक्विटी फंडों में सबसे अधिक फ्लैक्सी कैप में 5,733 करोड़ का निवेश आया। इक्विटी-लिंक्ड बचत योजनाएं (ईएलएसएस) एकमात्र ऐसी श्रेणी रही जिसमें 556 करोड़ की निकासी हुई।

शॉर्ट ड्यूरेशन फंड्स में सबसे अधिक 10,276 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। मनी मार्केट फंड्स में 9,484 करोड़ का निवेश हुआ। डायनॉमिक बॉन्ड फंड्स में सबसे कम 44 करोड़ रुपये आए।

लिक्विड फंड से सबसे ज्यादा निकासी लिक्विड फंडों से जून में सबसे अधिक 25,196 करोड़ रुपये निकाले गए। मई में 40,205 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। ओवरनाइट फंडों से 8,154 करोड़ रुपये, मध्यम अवधि के फंडों से सबसे कम 60.98 करोड़ रुपये की निकासी हुई।

व्यवस्थित निवेश योजनाओं (एसआईपी) में रिकॉर्ड 27,269 करोड़ रुपये का निवेश आया। खातों की संख्या मई के 8.56 करोड़ से बढ़कर जून में 8.64 करोड़ हो गई। निवेशकों के निवेश का मूल्य मई की तुलना में 20.2 प्रतिशत बढ़कर 15.31 लाख करोड़ हो गया।

मजबूत खुदरा भागीदारी और निवेशक अधिक रिटर्न की तलाश में सोने और चांदी के फंडों की ओर निवेश का रुख कर रहे थे। इससे निफ्टी-50 जून में तीन फीसदी बढ़ गया। स्मॉलकैप व मिडकैप में क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

भारतीय स्टेट बैंक शेयरों की बिक्री कर 25000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में, रिपोर्ट्स में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। संपत्ति के लिहाज से देश का सबसे बड़ा ऋणदाता, भारतीय स्टेट बैंक, अगले हफ्ते संस्थागत क्यूआईपी के जरिए निवेशकों को 25,000 करोड़ रुपये (2.9 अरब डॉलर) के शेयर बेचने की तैयारी कर रहा है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। संपत्ति के लिहाज से देश का सबसे बड़ा ऋणदाता, भारतीय स्टेट बैंक, अगले हफ्ते संस्थागत क्यूआईपी के जरिए निवेशकों को 25,000 करोड़ रुपये (2.9 अरब डॉलर) के शेयर बेचने की तैयारी कर रहा है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के अनुसार यह देश का अपनी तरह का सबसे बड़ा सौदा हो सकता है।

ब्लूमबर्ग की ओर से इकट्ठा किए गए आंकड़ों के अनुसार, अगर योग्य संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) पूरी तरह से सब्सक्राइब हो जाता है, तो यह भारत में अब तक का सबसे बड़ा क्यूआईपी होगा। यह 2015 में कोल इंडिया लिमिटेड की ओर से की गई 225.6 अरब रुपये की बिक्री से भी आगे निकल जाएगा। बैंक के बोर्ड ने मई में इस बिक्री को मंजूरी दी थी।

सूत्रों के अनुसार, योजनाएं अभी अंतिम रूप नहीं ले पाई हैं और इनमें बदलाव हो सकते हैं। इस मामले में एसबीआई की ओर से फिलहाल कोई बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों के अनुसार यह बिक्री एसबीआई की ऋण वृद्धि को बढ़ावा देने, अपनी बैलेंस शीट को मज़बूत करने और नियामक आवश्यकताओं को पूरा करने की व्यापक योजनाओं का हिस्सा है।

अलाइड इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी। टेक्नोलॉजी-ड्रिवन सॉल्यूशंस प्रोवाइडर कंपनी अलाइड इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड ने मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल कर दिया है। यह कंपनी पूरे भारत में स्मार्ट मीटरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर लागू करने और यूटिलिटी डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम की एफिशिएंसी बढ़ाने के लिए यूटिलिटीज की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने पर फोकस करती है। कंपनी आईपीओ के जरिये इक्विटी शेयर कैपिटल ऑफर करके फंड जुटाने की प्लानिंग कर रही है। इस इश्यू में ?4,000 मिलियन (?400 करोड़) तक के नए इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और ?5 फेस वैल्यू वाले 7,500,000 इक्विटी शेयरों तक का ऑफर फॉर सेल शामिल है। 31 मार्च, 2025 तक 7.29 मिलियन एनर्जी मीटर प्रति वर्ष की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता के मामले में अलाइड इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड भारत की टॉप पांच एनर्जी मीटर सॉल्यूशंस प्रोवाइडर्स में से एक है (सोर्स- क्रिसिल रिपोर्ट)। कंपनी रेवेन्यू ग्रोथ के मामले में भारत की सबसे तेजी से बढ़ती कॉम्प्रिहेंसिव स्मार्ट एनर्जी मीटर सॉल्यूशंस प्रोवाइडर भी है, जिसने वित्त वर्ष 2023 से वित्त वर्ष 2025 तक 109.76त्न की ग्रोथ हासिल की है (सोर्स- क्रिसिल रिपोर्ट)। कंपनी कम्युनिकेशन नेटवर्क और डेटा मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म सहित सपोर्टिंग टेक्नोलॉजीज के साथ-साथ स्मार्ट एनर्जी मीटर की एक रेंज का निर्माण और आपूर्ति करती है।

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय ने डेवेलपमेंट मैनेजमेंट में एक्ज़ीक्यूटिव एमबीए की घोषणा की

इंदौर, एजेंसी। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय ने डेवेलपमेंट मैनेजमेंट में एक्ज़ीक्यूटिव एमबीए कार्यक्रम की शुरुआत की घोषणा की है। यह एक वर्षीय पूर्णकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम विशेष रूप से कार्यरत पेशेवरों के लिए तैयार किया गया है। इसका पहला बैच जनवरी 2026 में विश्वविद्यालय के बेंगलुरु परिसर में आरंभ होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2025 है। यह कार्यक्रम प्रबंधन शिक्षा की बढ़ती माँग को पूरा करता है जो लाभ और प्रदर्शन से आगे बढ़कर समाज की आवश्यकताओं को केंद्र में रखकर प्रबंधन शिक्षा की अपेक्षा करती है। पारंपरिक एमबीए कार्यक्रमों से अलग, यह पाठ्यक्रम पेशेवरों को सामाजिक परिवर्तन, सार्वजनिक हित और समावेशी विकास पर केंद्रित संस्थाओं में प्रभावशाली योगदान देने के लिए तैयार करता है। पाठ्यक्रम में वित्त, मानव संसाधन प्रबंधन, परियोजना प्रबंधन, और संगठनात्मक संरचना जैसे मुख्य प्रबंधन विषयों के साथ-साथ विकास कार्य के व्यावहारिक पहलुओं का गहरा समावेश है।

मॉनसून में आयुर्वेद डाइट से कुदरती रूप से दमकती, सेहतमंद त्वचा पाएं: डॉ मधुमिता कृष्णन

नई दिल्ली, एजेंसी। मॉनसून में त्वचा बेजान हो जाती है और इसमें कोई ग?लो नहीं दिखता। लोग अक्सर बाहरी उपाय अपनाते हैं, जो थोड़ी देर राहत देते हैं, लेकिन बार-बार इस्तेमाल से दाने, काले धब्बे या खुजली हो सकती है। आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. मधुमिता कृष्णन सलाह देती हैं कि त्वचा और पूरे शरीर के स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक तरीके अपनाएं। वे कहती हैं कि स्वस्थ खाना खाएं और बादाम, हर्बल चाय और हल्दी जैसे प्राकृतिक चीजों को अपनी डाइट में शामिल करें। आयुर्वेद के मुताबिक सही खानपान शरीर के तीन दोषों-वात, पित्त और कफ-को संतुलित करता है, जिससे त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनती है, क्योंकि अच्छी त्वचा के लिए अच्छा पाचन जरूरी है। बादाम को डाइट में शामिल करें- बादाम वात दोष को संतुलित करने की क्षमता रखते हैं। यह मौसम के असंतुलन को ठीक करते हैं और शरीर को मजबूती प्रदान करते हैं, जिससे सभी ऊतकों को ऊर्जा और ताजगी मिलती है। आयुर्वेद की पारंपरिक तैयारियों में बादाम का महत्वपूर्ण स्थान है, जो पूरे भारत में लोग अपनाते हैं। त्वचा के स्वास्थ्य के लिए, डॉ. मधुमिता रोजाना नाश्ते में बादाम शामिल करने की सलाह देती हैं ताकि स्वस्थ, चमकदार त्वचा मिले।

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में ईडी सख्त, विजय देवरकोंडा व प्रकाश राज समेत 29 अभिनेताओं-यूट्यूबर्स पर केस

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्मों के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत तेलंगाना में विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती और प्रकाश राज जैसे अभिनेताओं के अलावा कुछ सोशल मीडिया के प्रभावशाली लोगों और यूट्यूबर्स की भूमिका की जांच के लिए धन शोधन का मामला दर्ज किया है। आइए इस बारे में जानें।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कुछ ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्मों के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत बड़ी कार्रवाई की है। तेलंगाना में विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती और प्रकाश राज जैसे अभिनेताओं के अलावा कुछ सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर्स व यूट्यूबर्स सहित दो दर्जन से अधिक लोगों भूमिका की पड़ताल के लिए धन शोधन का मामला दर्ज किया गया है।

सूत्रों ने बताया कि इन दुकानों पर अवैध सट्टेबाजी और जुए के जरिए करोड़ों रुपये की अवैध धनराशि अर्जित करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि संघीय जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज करने के लिए पांच राज्य पुलिस प्राथमिकियों का संज्ञान लिया है।

ईडी मामले में देवरकोंडा, दग्गुबाती, मांचू लक्ष्मी, राज, निधि अग्रवाल, प्रणिता सुभाष, अनन्या नागल्ला, टीवी होस्ट श्रीमुखी के अलावा स्थानीय सोशल मीडिया प्रभावितों और यूट्यूबर्स सहित लगभग 29 हस्तियों पर मामला दर्ज किया गया है। सूत्रों ने बताया कि इन हस्तियों पर सेलिब्रिटी या विज्ञापन शुल्क प्राप्त करने के बदले जंगली रम्मी, जीतविन, लोटस 365 आदि जैसे ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स का समर्थन करने का संदेह है।

सूत्रों ने बताया कि इनमें से कुछ जाने-माने व्यक्तियों ने पहले कहा था कि उन्हें उनके द्वारा पेश किए गए ऐप्स और उत्पादों की सटीक कार्यप्रणाली की जानकारी नहीं थी और उन्होंने दावा किया कि उन्होंने सट्टेबाजी जैसी किसी भी गलत गतिविधि या अवैध गतिविधि के लिए इन प्लेटफार्मों के साथ खुद को नहीं जोड़ा।

आईपीओ बाजार में हलचल, 70 कंपनियों का 1.60 लाख करोड़ जुटाने का प्लान; निवेशकों की जबरदस्त दिलचस्पी

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल आईपीओ बाजार में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। अब तक 70 कंपनियों ने सेबी में मसौदा जमा कर 1.60 लाख करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। मीशो, पाइन लैब्स जैसे बड़े ब्रांड्स शामिल हैं। वहीं क्रायोजनिक ओजीएस को 17.77 करोड़ के लक्ष्य पर 8,220 करोड़ की रिकॉर्ड बोली मिली है।

चालू वित्त वर्ष में अब तक कुल 70 कंपनियों ने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम यानी आईपीओ लाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास मसौदा जमा कराया है। जबकि जनवरी से कुल 120 कंपनियों ने मसौदा जमा कराया है। यह सभी मिलकर 1.60 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जुटाएंगी। कंपनियों को मसौदा जमा कराने के एक साल के भीतर आईपीओ लाना होता है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड यानी सेबी के मुताबिक, अप्रैल में 24 कंपनियों ने मसौदा जमा कराया। मई में 17, जून में 18 और जुलाई में 14 ने मसौदा जमा कराया। मीशो 4,250 करोड़, पाइन लैब 6,000 करोड़, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड 10,000 करोड़ और क्रेडिला 5,000 करोड़ रुपये जुटाएगी। इस साल 26 कंपनियों ने बाजार से 48,234 करोड़ जुटाए हैं।

गुजरात की क्रायोजनिक ओजीएस के इश्यू में निवेशकों ने 8,220 करोड़ रुपये की बोली लगाई है जबकि कंपनी को केवल 17.77 करोड़ जुटाने थे।

भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश में, फिर वाशिंगटन दौरे पर जाएगी टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के साथ टैरिफ पर एक और दौर की वार्ता के लिए भारतीय टीम जल्द ही वाशिंगटन का दौरा करेगी। सरकार से जुड़े एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। उधर, वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल ने गुरुवार को कहा कि भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करने और उसे अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहा है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

अमेरिका के साथ टैरिफ पर एक और दौर की वार्ता के लिए भारतीय टीम जल्द ही वाशिंगटन का दौरा करेगी। सरकार से जुड़े एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। उधर, वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल ने गुरुवार को कहा कि भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करने और उसे अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहा है।

अग्रवाल प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के मुख्य वार्ताकार भी हैं। इस समझौते के पहले चरण को इस साल की शरद ऋतु (सितंबर-अक्तूबर) तक पूरा करने का लक्ष्य है। इससे पहले, दोनों देश एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश हो रही है। अग्रवाल ने कहा कि भारत ने अब तक 26 देशों के साथ 14 से अधिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) लागू किए हैं।

उन्होंने यहां निर्यात लॉजिस्टिक्स पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, अब हम प्रमुख बाजारों के साथ भी एकीकरण कर रहे हैं...हमने हाल ही में ब्रिटेन के साथ एक समझौता किया है, हम यूरोपीय संघ के साथ बातचीत के अग्रिम चरण में हैं, हम अमेरिका के साथ भी समझौते पर बातचीत कर उसे अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत चिली और पेरू सहित लैटिन अमेरिकी देशों के साथ व्यापार समझौतों पर भी बातचीत कर रहा है।

छोटे चाय उत्पादकों ने की एमएसपी जैसी व्यवस्था की मांग, कहा- हो मूल्य निर्धारण में सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी। छोटे चाय उत्पादकों ने सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) जैसे व्यवस्था की मांग की है। वे पुरानी मूल्य प्राप्ति चुनौतियों से जूझ रहे हैं, जिससे उन्हें लागत से कम कीमत मिल रही है। उन्होंने इस मांग को लेकर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को एक पत्र लिखा है।

देश के छोटे चाय उत्पादकों ने निष्पक्ष और पारदर्शी मूल्य निर्धारण तंत्र स्थापित करने की मांग की है। इससे उन्हें पत्तियों को बेचकर उचित मूल्य मिलेगा। यह छोटे उत्पादक देश के चाय उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक का योगदान देते हैं।

इस मांग को लेकर उन्होंने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को एक पत्र लिखा। पत्र में भारतीय लघु चाय उत्पादक संघों के परिसंघ (सीआईएसटीए) ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत मूल्य संरक्षण योजना का सुझाव दिया है। इसमें कहा गया कि चाय बोर्ड को छोटे उत्पादकों और कारखानों के बीच समान मूल्य-साझाकरण अनुपात निर्धारित करने के लिए गहरा अध्ययन करना चाहिए।

सीआईएसटीए के अध्यक्ष बिजॉय गोपाल चक्रवर्ती ने कहा कि छोटे उत्पादकों को लगातार कम कीमत की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इससे इस क्षेत्र की स्थिरता को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि छोटे उत्पादक देश के चाय उत्पादन में 52 प्रतिशत से अधिक का योगदान करते हैं, और उचित मूल्य प्राप्ति तंत्र होना चाहिए ताकि आजीविका बनी रहे।चक्रवर्ती ने कहा कि एसोसिएशन ने मई 2023 में ही वाणिज्य मंत्रालय को एक विस्तृत स्थिति पत्र प्रस्तुत किया था। जिसमें इस क्षेत्र के सामने आने वाली संरचनात्मक बाधाओं को रेखांकित किया गया है, जो पुरानी मूल्य प्राप्ति चुनौतियों से जूझ रहा है।

उन्होंने कहा कि न्यूनतम बेंचमार्क मूल्य की अवधारणा को कुल बिक्री मूल्य से जुड़ी एक नई पद्धति से प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए। इससे उत्पादकों को उचित और लाभकारी मूल्य प्राप्त होगा। सीआईएसटीए ने श्रीलंकाई मॉडल का समर्थन किया है। इसके तहत नीलामी औसत से अधिक अधिशेष आय को कारखानों और उत्पादकों के बीच समान रूप से बांटा जाता है।

छोटे उत्पादकों के लिए मूल्य संरक्षण योजना का प्रस्ताव करते हुए, इसमें कहा गया है कि वर्तमान में हरी पत्तियों की औसत कीमत 22 रुपये से 25 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच है। वहीं उत्पादन लागत 17 रुपये से 20 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच है। चक्रवर्ती ने कहा कि मामूली मार्जिन पर उत्पादकों को 5 रुपये प्रति किलोग्राम की उपज प्राप्त होती है। दूसरी ओर, एजेंट आमतौर पर 2 रुपये प्रति किलोग्राम लेते हैं। सीआईएसटीए ने कहा कि यह एक बड़ी बाधा है और उत्पादक सीधे कारखानों को बेचने में सक्षम होने चाहिए।

चार ट्रिलियन डॉलर की पहली कंपनी बनी एनवीडिया, टाइप 1 डायबिटीज से पीड़ित पहली बार्बी बाजार में आई

नई दिल्ली, एजेंसी। सिलिकॉन वैली की चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया बुधवार को दुनिया की पहली सार्वजनिक कंपनी बन गई, जिसका मूल्यांकन चार ट्रिलियन डॉलर से भी ज्यादा हो गया है। एनवीडिया ने यह उपलब्धि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कारण हासिल की है। इसकी खास चिप्स एआई तकनीक में बहुत काम आती हैं, और दुनियाभर में इनकी मांग बहुत तेजी से बढ़ रही है। प्रौद्योगिकी में ये बदलाव वैसे ही बड़े माने जा रहे हैं, जैसे एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स ने 18 साल पहले आईफोन लॉन्च करके दुनिया की टेक्नोलॉजी को बदल दिया था। इन बदलावों के चलते एआई क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एनवीडिया का मूल्य अब एप्पल से 900 बिलियन डॉलर अधिक है। एप्पल आईफोन की सफलता के बल पर 1, 2 और अंततः 3 ट्रिलियन डॉलर के मूल्यांकन वाली पहली सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली कंपनी बनी थी।

मैटल ने अपनी एक नई बार्बी पेश की है, जो टाइप 1 डायबिटीज से पीड़ित व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करती है। कंपनी का यह कदम अपनी गुड़ियाओं में विविधता और समावेश बढ़ाने की कोशिश का हिस्सा है। मैटल ने मंगलवार को कहा कि इस गुड़िया को बनाने के लिए उसने ब्रेकथ्रू टी1डी- एक टाइप 1 डायबिटीज अनुसंधान और वकालत संगठन के साथ साझेदारी की है, जिसे पहले जुवेनाइल डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन या जेडीआरएफ के नाम से जाना जाता था। यह संगठन टाइप 1 डायबिटीज पर रिसर्च करता है और इस बीमारी से जूझ रहे लोगों की मदद करता है। इस सहयोग का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि गुड़िया का डिजाइन असली जिंदगी से मेल खाए और उस समुदाय की सही तस्वीर दिखाए। कैलिफोर्निया स्थित कंपनी ने बताया कि गुड़िया में ऐसे सहायक उपकरण लगाए गए हैं, जो टाइप 1 डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए जरूरी होते हैं। जैसे- बांह पर कंटीन्यूअस ग्लूकोज मॉनीटर (सीजीएम)- यह एक छोटा सा उपकरण है जो लगातार ब्लड शुगर लेवल को मापता है। इसके अलावा, कमर पर इंसुलिन पंप- ये शरीर को जरूरी मात्रा में इंसुलिन देता है। हाथ में एक मोबाइल फोन- इसमें एसा ऐप दिख रहा है जो डायबिटीज को मैनेज करने में मदद करता है। नीला पर्स- इसमें जरूरी और खाने-पीने की चीजें रखी जा सकती हैं। इस बार्बी का कपड़ा भी नीले रंग का है, जिस पर सफेद पोल्का डॉट्स बने हैं। नीला रंग डायबिटीज जागरूकता का प्रतीक है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने आय से अधिक संपत्ति रखने और रिश्वतखोरी से जुड़े एक मामले में धन शोधन निरोधक कानून के तहत मध्य प्रदेश के एक पूर्व ईपीएफओ अधिकारी और उनके परिवार की 50 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति अटैच की है। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अधिकारी श्यामलाल अखंड के खिलाफ मंगलवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम आदेश जारी किया गया। ईडी ने दावा किया कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में एक प्रवर्तन अधिकारी के रूप में, अखंड ने 2009 और 2019 के बीच जांच अवधि के दौरान अपनी ज्ञात वैध आय से अधिक अवैध रूप से संपत्ति जमा करने के लिए अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया।

ग्रैन्यूल्स ने अमेरिका में रक्तचाप कम करने वाली दवा की 33 हजार बोतलें वापस मंगाई- दवा कंपनी ग्रैन्यूल्स इंडिया विनिर्माण संबंधी समस्याओं के कारण अमेरिका में रक्तचाप कम करने वाली एक जेनेरिक दवा की 33 हजार से अधिक बोतलें वापस मंगा रही है। अमेरिकी खाद्य एवं दवा प्रशासन (एफडीए) ने ने अपनी हालिया प्रवर्तन रिपोर्ट में कहा कि हैदराबाद स्थित दवा विनिर्माता कंपनी 100 और 500 गोलियों वाली मेटोप्रोलोल सक्सीनेट विस्तारित-रिलीज टैबलेट की 33,024 बोतलें वापस मंगा रही है। अमेरिका स्थित ग्रैन्यूल्स फार्मास्युटिकल्स इंक ने कहा कि वह विनिर्देशों में विफल रहने के कारण भारत में उत्पादित खेप को वापस मंगा रही है। यूएसएफडीए ने कहा कि यह उत्पाद छठे महीने में स्थिरता अध्ययन में मानदंडों को पूरा करने में विफल रहा। ग्रैन्यूल्स ने 24 जून को राष्ट्रव्यापी श्रेणी-दो वापसी अभियान की शुरुआत की थी। यूएसएफडीए के अनुसार श्रेणी-दो वापसी अभियान तब शुरू किया जाता है, जब उल्लंघनकारी उत्पाद के उपयोग या संपर्क से अस्थायी या चिकित्सकीय रूप से प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणाम हो सकते हैं।

कार्लाइल समेत दो पर चार लाख का जुर्माना- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने क्वेस्ट ग्लोबल सर्विसेज में हिस्सा लेने के लिए गलत तरीके से ग्रीन चैनल रूट का उपयोग करने के लिए कार्लाइल और बेक्वेस्ट पर 4 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। मामला क्वेस्ट में 23.6 प्रतिशत हिस्सा लेने से जुड़ा हुआ है।

धोखाधड़ी से एटीएम से निकाली गई रकम, एसबीआई को देना पड़ा हर्जाना- एक व्यक्ति के एटीएम से धोखाधड़ी से रकम निकालने के मामले में 11 साल बाद भारतीय स्टेट बैंक यानी एसबीआई को हर्जाना देना पड़ा है। एसबीआई के इस ग्राहक के एटीएम से 4 जनवरी, 2014 को तीन बार में 22,000 रुपये की नकदी निकाली गई थी। ग्राहक का दिल्ली के एसबीआई में खाता था। फिर इंडियन ओवरसीज बैंक के एटीएम से पैसे निकाले। इसके बाद उन्हें 22,000 रुपये निकासी के तीन संदेश आए। उन्होंने एसबीआई व आरबीआई बैंकिंग लोकपाल के पास शिकायत दर्ज कराई। सफलता नहीं मिलने पर दिल्ली उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज कराई। 25 अक्तूबर, 2017 को दिल्ली जिला उपभोक्ता आयोग ने एसबीआई को 4 जनवरी, 2014 से वसूली तक 10त्न सालाना ब्याज सहित 20,000 रुपये वापस करने का निर्देश दिया।

बिहार चुनावों में महिलाओं पर दांव के निहितार्थ

ललित गर्ग

सरकारी नौकरियों में स्थानीय महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण के गहरे निहितार्थ हैं। एनडीए की नीतिश सरकार ने स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता देने एवं उनके लिए सरकारी रोजगार उपलब्ध कराने के इस ब्रह्मास्त्र को दाग कर चुनावी समीकरण अपने पक्ष में कर लिये हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसे 'महिला सशक्तिकरण का राजनीतिक समाधान' बताया, क्योंकि राज्य की महिलाएँ कई चुनावों में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। पिछली लोकसभा चुनाव में महिलाओं की मतदान दर पुरुषों से कहीं अधिक रही, 59.45 प्रतिशत महिलाओं ने हिस्सा लिया जबकि पुरुष केवल 53 प्रतिशत मतदान करने पहुंचे।

बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग ने अभी तक मतदान की तारीखों की घोषणा नहीं की है, लेकिन राज्य में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। विभिन्न राजनीतिक दल लुभावनी घोषणाएं कर रहे हैं, नये-नये मुद्दों को उछाला जा रहा है। गोपाल खेमका हत्याकांड हो या तंत्र मंत्र के चलते एक ही परिवार के पांच लोगों को जला देने की त्रासद घटना- नीतीश कुमार पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान पर संदेह के सवालों के साथ मुखर विपक्षी दल इसके खिलाफ राजनीतिक लड़ाई के साथ ही कानून विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार कर रहे हैं। इस बीच, एनडीए की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने एनडीए से दूरी बनाते हुए बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का संकेत देकर सियासी परिदृश्य को दिलचस्प बना दिया है। इन्हीं परिदृश्यों के बीच बिहार सरकार ने सरकारी नौकरियों में स्थानीय महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के फैसला लेकर चुनावी सरगर्मियों को एक नया मोड़ दे दिया है। बिहार सरकार का यह निर्णय केवल एक चुनावी रणनीति भर नहीं, बल्कि एक गहरे सामाजिक परिवर्तन का संकेतक भी है। तय है कि इस बार के बिहार चुनाव के काफी दिलचस्प एवं हंगामेदार होंगे।

सरकारी नौकरियों में स्थानीय महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण के गहरे निहितार्थ हैं। एनडीए की नीतिश सरकार ने स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता देने एवं उनके लिए सरकारी रोजगार उपलब्ध कराने के इस ब्रह्मास्त्र को दाग कर चुनावी समीकरण अपने पक्ष में कर लिये हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसे 'महिला सशक्तिकरण का राजनीतिक समाधान' बताया, क्योंकि राज्य की महिलाएँ कई चुनावों में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। पिछली लोकसभा चुनाव में महिलाओं की मतदान दर पुरुषों से कहीं अधिक रही, 59.45 प्रतिशत महिलाओं ने हिस्सा लिया जबकि पुरुष केवल 53 प्रतिशत मतदान करने पहुंचे। यह आंकड़ा दिखाता है कि चुनावी जीत में महिला मतदाता कितनी निर्णायक हो सकते हैं, साफ है, सत्ता की चाबी वहां महिलाओं ने अपने हाथों में ले ली है और वे धार्मिक व जातिगत आग्रहों से अधिक लैंगिक हितों से प्रेरित हैं। बिहार उन शुरूआती राज्यों में एक है, जिसने पंचायत और स्थानीय निकायों में आधी आबादी के लिए पचास फीसदी सीटें आरक्षित की हैं। इस कदम ने यहां की स्त्रियों में जबर्दस्त राजनीतिक जागरूकता पैदा की है। चुनावों की दशा एवं दिशा बदलने में महत्वपूर्ण एवं निर्णायक किरदार

निभाने के कारण ही हरेक राजनीतिक दल महिला वर्ग को आकर्षित करने में जुट गया है। राजद-कांग्रेस-वाम दलों का महागठबंधन 'माई-बहिन मान योजना' के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये देने का वायदा कर चुका है, तो राजद नेता तेजस्वी यादव बेरोजगारी और डोमिसाइल के मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहे हैं। ऐसे में, नीतीश सरकार के इस नीतिगत दांव को समझा जा सकता है। जातिगत और स्थानीय समीकरण भुनाने के लिए निश्चित ही यह एक संगठित चाल है, जहां जाति और आवासीयता दोनों को आधार बनाया गया।

यह सर्वविदित तथ्य है कि भारत में शैक्षिक क्षेत्र में लैंगिक खाई लगातार सिमट रही है। बिहार की बेटियां देश के अनेक महानगरों में अपनी योग्यता और मेहनत के दम पर पहचान बना चुकी हैं। सूचना क्रांति, बढ़ती अपेक्षाओं और सामंती बंधनों के ढीले पड़ते जाने के कारण अब ग्रामीण बिहार की बेटियां भी ऊंचे सपने संजो रही हैं। हाल ही में बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति के दौरान यह देखा गया कि देश के विभिन्न प्रदेशों की योग्य लड़कियां इंटरव्यू देने आईं, जिनमें से अनेक ने सफलता प्राप्त की और अब बिहार के सरकारी स्कूलों में अध्यापन कर रही हैं। निस्संदेह, यह एक सैद्धांतिक रूप से प्रगतिशील और समावेशी समाज का प्रतीक है, जहाँ महिलाएं सीमाओं से परे जाकर अपनी पहचान बना रही हैं। लेकिन व्यावहारिक धरातल पर देखें, तो महिला सुरक्षा, सामाजिक असमानता, आवास व पारिवारिक बाधाएं, और प्रवास की मजबूरियाँ अब भी मौजूद हैं। ऐसे में यदि सरकारें योग्य महिलाओं को उनके घर के आस-पास ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं, तो यह न केवल महिला सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक कदम होगा, बल्कि सामाजिक संरचना में स्थिरता और पारिवारिक सहूलियत का भी कारण बनेगा। यही कारण है कि नीतीश कुमार सरकार महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए एक के बाद एक योजनाएं ला रही है। साइकिल योजना, पोशाक योजना, कन्या उत्थान योजना, वृद्धावस्था पेंशन में वृद्धि, पिंक टॉयलेट, महिला पुलिस भर्ती में आरक्षण जैसे कई कदम इस सिलसिले में पहले ही उठाए जा चुके हैं। यह मान्यता कि बेटियां अब सिर्फ अपने घरों की शोभा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की भागीदार हैं, नीति निर्माण में स्पष्ट झलकने लगा है। यह न केवल बिहार की महिलाओं को उनके अधिकार का अनुभव कराएगा, बल्कि बेरोजगारी से जूझते प्रदेश में स्थानीय प्रतिभा के पलायन को भी रोकेगा। इस फैसले से खास तौर पर निम्न और मध्यमवर्गीय महिलाओं को फायदा होगा, जिनके लिए दूसरे शहरों में जाकर नौकरी करना एक बड़ा पारिवारिक और सामाजिक संकट बन जाता है। घर के पास नौकरी मिलने से न केवल सुरक्षा की भावना बढ़ेगी, बल्कि समाज में महिलाओं की स्थायी उपस्थिति और भूमिका भी मजबूत होगी।

हालांकि इस फैसले को लेकर विपक्षी दलों की मिश्रित प्रतिक्रिया सामने आई है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने इसे नीतीश कुमार की चुनावी चाल बताया है और आरोप लगाया है कि सरकार महिलाओं की वास्तविक समस्याओं को दूर नहीं कर पा रही, बल्कि सिर्फ भावनात्मक मुद्दों को उछालकर वोट बटोरने की कोशिश कर रही है। तेजस्वी यादव का कहना है कि 'महिला आरक्षण सही है, लेकिन रोजगार के अवसर कब हैं? सरकारी नियुक्तियों की प्रक्रिया वर्षों से लटकी रहती है, परीक्षा की तारीखें टलती हैं, नियुक्ति पत्र देर से आते हैं, ऐसे में आरक्षण का लाभ कब और किसे मिलेगा?' उनकी बातों में सच्चाई भी है, क्योंकि प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और समयबद्धता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी आरक्षण की नीति। यह महिला आरक्षण अब केवल बिहार के स्थायी निवासियों अर्थात डोमिसाइल महिलाओं के लिए ही होगा। यानी जो महिलाएं राज्य की स्थायी निवासी नहीं हैं, उन्हें इस आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा-उन्हें सामान्य श्रेणी में आवेदन करना होगा। इसलिये इसे केवल घरेलू हितों को साधने वाला प्रत्यक्ष प्रचार माना जा रहा है, जिसमें गैर-स्थायी निवासियों को अवसरों से वंचित किया जा रहा है। विपक्ष इस कदम को डोमिसाइल नीति के अनुरूप बताते हुए सवाल उठा रहा है कि क्या इससे सामाजिक न्याय और समान अवसर की भावना नहीं बिगड़ जाएगी?

बिहार में बेरोजगारी चुनावी चर्चा का मुख्य मुद्दा है। युवा खासकर उच्चशिक्षित वर्ग नौकरी की तलाश में है। 35 प्रतिशत आरक्षण के साथ-साथ सरकार ने वेकेंसी क्रिएशन, युवा आयोग गठन, कृषि व सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च जैसे उपाय किए है। 2025 के बिहार चुनाव बहुआयामी लड़ाई से परिपूर्ण है, जातिगत समीकरण, युवा और ग्रामीण विकास, मतदाता सूची संशोधन जैसे मुद्दों ने चुनावी माहौल को गहराई दी है। सरकार ने पिछले बजट में 'महिला हाट', 'पिंक बस', 'पिंक टॉयलेट', स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए साइकिल योजनाएं, दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए 'संबल' वित्तीय सहायता जैसी महिलाओं को लुभाने वाली योजनाओं के प्रावधान किये हैं। नीतीश सरकार ने चुनावों को देखते हुए सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत मिलने वाली राशि में भारी बढ़ोतरी की घोषणा की है। अब वृद्ध, दिव्यांग और विधवा महिलाओं को प्रतिमाह 400 रुपए की बजाय 1100 रुपए पेंशन मिलेगी। इस घोषणा के बाद पूरे बिहार में पेंशन के 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार लाभार्थियों में हर्ष का माहौल दिखाई दे रहा है। यह कहना उचित होगा कि बिहार की राजनीति इस बार स्थानीयता, जातिगत समीकरण और सामाजिक कल्याण के मिश्रित आरोपणों के बीच गंभीर मुठभेड़ के दौर से गुजर रही है। चुनाव नतीजे यह तय करेंगे कि क्या यह रणनीतियाँ सचमुच सतत परिवर्तन की ठोस बुनियाद रखेंगी, या चुनावी भाषण के बाद हवा में खो जाएँगी। नवीनतम ओपिनियन पोल बताते हैं कि एनडीए फिर सत्ता में लौट सकता है, खासकर महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के बीच मजबूत समर्थन के चलते। वहीं, महागठबंधन (आरजेडी, कांग्रेस, अन्य) जातीय समीकरण (ईबीसी-ओबीसी) का आधार लेकर मुकाबले में है।

संपादकीय

पुनरीक्षण पर हुंकार

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की जरूरत बिहार में ही क्यों पड़ी, वह भी विधानसभा चुनाव से ठीक पहले। इसके खिलाफ विपक्ष में विरोध के स्वर तो उठने ही थे। अंतिम एसआईआर, 2003 से अब तक कई विधानसभा और लोक सभा चुनाव हो चुके हैं, क्या चुनाव आयोग को एक बार भी एसआईआर की जरूरत महसूस हुई। कोई साक्ष्य नहीं मिलता। लोक सभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर उंगली उठाते रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए 'धांधली' की गई और केंद्र की राजग सरकार इस साल के अंत में होने वाले बिहार चुनावों में भी ऐसा करना चाहती है। उन्होंने साफ कहा कि हम ऐसा नहीं होने देंगे। बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर के खिलाफ बुधवार को राज्य भर में प्रदर्शन हुए जिसके लिए राहुल सहित विपक्षी महागठबंधन के शीर्ष नेता पटना में एकत्र हुए। हालांकि बुधवार को ही मजदूर संगठनों का श्रम संहिताओं के विरोध में चक्का जाम भी था और इंडिया गठबंधन इसका समर्थन कर रहा था। लेकिन बिहार में उसने एसआईआर के खिलाफ अपनी आपत्तियां उजागर करने को अहमियत दी। आरोप है कि यह प्रक्रिया 'बड़ी संख्या में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित' कर देगी जिससे सत्तारूढ़ राजग को लाभ होगा। राहुल ने पटना में निर्वाचन आयोग के कार्यालय तक विरोध मार्च के दौरान कहा विशेष गहन पुनरीक्षण, मतदाता सूची में हेराफेरी के 'महाराष्ट्र मॉड़ल' का विस्तार है, और इससे न केवल लोगों के वोट देने का अधिकार छिनेगा बल्कि उनका भविष्य भी अंधकारमय हो जाएगा। उन्होंने निर्वाचन आयोग को संविधान की रक्षा करने की नसीहत देते हुए आरोप लगाया कि वह भाजपा के निदेशों पर काम कर रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण चुनावी चोरी का एक प्रयास है। हम निर्वाचन आयोग को मतदाताओं खासकर युवाओं के अधिकार (मतदान के) छीनने नहीं देंगे। आयोग के सदस्यों की चयन प्रक्रिया से प्रधान न्यायाधीश को बाहर कर देने के बाद से इसके कामकाज पर सवाल उठ रहे हैं। आयोग इनका जवाब देने में कोई तत्परता नहीं दिखाता। भले ही वह सही रास्ते पर हो लेकिन उसका काम विपक्ष को चौंकाना और हलकाना नहीं उसकी आपत्तियों का निस्तारण करना भी है।

चिंतन-मनन

अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे।

एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं।

बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

परीक्षा प्रणाली या सामाजिक भ्रमजाल?

सोनम लववंशी

शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला कहा गया है। यह व्यक्ति के ज्ञान, विवेक, सृजनात्मकता और व्यक्तित्व विकास का माध्यम रही है। लेकिन आज की तारीख में यह उद्देश्य कहीं पीछे छूट गया है। शिक्षा अब एक ह्यअंक-उद्योगह्ल में तब्दील हो चुकी है, जहां ज्ञान की बजाय नंबर ही सफलता का पर्याय बन गए हैं। अब यह न तो चरित्र निर्माण का साधन रही, न ही सामाजिक चेतना का उपकरण। यह छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को अंक-दौड़ की एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा में धकेलने वाला शोषण तंत्र बन गई है। ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में इस बार 45,516 छात्रों ने 95 फीसदी से ज्यादा अंक प्राप्त किए, जो कुल परीक्षार्थियों का लगभग 1.92 प्रतिशत है। वहीं 1,99,944 छात्रों ने 90 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए, जो 8.43 प्रतिशत के करीब है। यह कोई अपवाद नहीं है हर साल यह आंकड़ा और ऊपर जा रहा है। लेकिन जब इन अंकों की असलियत जानने के लिए उत्तर पुस्तिकाएं जांचने वाले शिक्षकों की कार्यप्रणाली और मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल उठते हैं, तो व्यवस्था मौन हो जाती है। यह एक साजिशन खड़ा किया गया भ्रमजाल है, जो शिक्षा को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की बजाय एक कृत्रिम दौड़ में तब्दील कर रहा है।

शिक्षा के इस व्यवसायीकरण की गहराई को समझने के लिए जरूरी है कि हम उस ढांचे को देखें जिसमें यह सब संचालित हो रहा है। 2019 में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त कुल 22,030 स्कूलों में से लगभग 80 प्रतिशत स्कूल निजी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इस आंकड़े में केवल 1,138 केंद्रीय विद्यालय, 2,727 सरकारी स्कूल, 598 नवोदय विद्यालय और 14 तिब्बती स्कूल शामिल हैं, जबकि शेष 17,553 निजी स्कूल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा निजीकरण के दबाव में है, जहां शिक्षा की गुणवत्ता नहीं, बल्कि परिणामों की संख्या मायने रखती है और जब यही ह्यअंकवीरह्ल छात्र राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, जेईई या नीट में पहुंचते हैं, तो उनकी वास्तविक योग्यता सामने आ जाती है। उदाहरण के लिए, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2019 में लगभग 11.35 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से मात्र 11,474 छात्र ही मुख्य परीक्षा तक पहुंच सके। यही हाल साल 2024 का रहा। इस वर्ष लगभग 13.4 लाख छात्रों में से सिर्फ 14,627 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा तक पहुंचे। यानि बोर्ड परीक्षा के हाई स्कोरर प्रीलिम्स की पहली कसौटी पर ही फेल हो जाते हैं। यह दशार्ता है कि बोर्ड परीक्षाओं में मिलने वाले ऊंचे अंक असल में बौद्धिक क्षमता या विषय की समझ का पैमाना नहीं हैं। यह मूल्यांकन प्रणाली रटंत विद्या, तयशुदा उत्तरों और सजावटी भाषा पर आधारित है, जिसमें मौलिक सोच और विश्लेषण की कोई जगह नहीं।

यह समस्या केवल स्कूली शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिकता पूरे उत्तर भारत के शैक्षणिक वातावरण में व्याप्त है। स्कूलों में अब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देना नहीं, बल्कि अच्छे परिणामों के जरिए स्कूल का नाम रौशन करना बन गया है। इसके उलट, दक्षिण भारत की तस्वीर अपेक्षाकृत बेहतर है। वहां के माता-पिता शिक्षा को केवल अंक पाने के माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और कौशल निर्माण के रूप में देखते हैं। यही कारण है कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक जैसे राज्यों के छात्र राष्ट्रीय परीक्षाओं में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वहां की शिक्षा प्रणाली में केवल परीक्षाफल नहीं, बल्कि सोचने-समझने की क्षमता, व्यवहारिकता और नवाचार को भी महत्व दिया जाता है। उत्तर भारत के अधिकतर स्कूलों में शिक्षण अब गाइडबुक, मॉडल पेपर और स्मार्ट आंसर पर आधारित हो गया है। शिक्षक भी केवल परिणाम उन्मुख होकर पढ़ाते हैं, क्योंकि उनके मूल्यांकन का आधार भी अब बच्चों के अंक बन गए हैं। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम बच्चों की मानसिक स्थिति पर पड़ता है। नंबर की होड़ में बच्चों में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति, हीन भावना और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। शिक्षा अब ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि एक दौड़ बन गई है, जिसमें सबसे तेज दौड़ने वाला ही विजेता माना जाता है। यहां तक की कोचिंग टाउन बन चुके शहर कोटा, दिल्ली, पटना, प्रयागराज और इंदौर इस अंक-उद्योग की सबसे बड़ी मिसाल हैं। यहां छोटे-छोटे बच्चों से लेकर स्नातक विद्यार्थी तक ह्यरैंक मशीनह्ल बनने के लिए दिन-रात खप रहे हैं। यह एक सामाजिक दबाव का परिणाम है, जो विशेष रूप से उत्तर भारत में डॉक्टर-इंजीनियर बनने की लीक पर चलता है। वहीं दक्षिण भारत में शिक्षा के विविध विकल्पों, व्यावसायिक दक्षता और कौशल विकास को भी उतना ही महत्व मिलता है। यह सोच का फर्क है, जो वहां के छात्रों को तकनीकी और प्रशासनिक क्षेत्रों में मजबूत बनाता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस अंक-उद्योग की सबसे खतरनाक बात यह है कि यह छात्रों के भीतर सोचने, सवाल उठाने और नवाचार की प्रवृत्ति को कुचल देता है। शिक्षा का उद्देश्य विवेक, तर्क और संदेह की भावना का विकास था, पर अब यह केवल स्मृति और दोहराव पर आधारित हो गया है। मीडिया में टॉपर बच्चों के साक्षात्कार इस मानसिकता को और पुष्ट करते हैं, जहां दिन में 16 घंटे पढ़ना, दस साल के पेपर रटना और कई-कई किताबें घोंटना ही सफलता का मंत्र बताया जाता है। यह विचारणीय है कि क्या वास्तव में यही शिक्षा है?

इस समस्या का समाधान केवल परीक्षा प्रणाली बदल देने से नहीं होगा। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक शिक्षा का यह विकृत रूप बना रहेगा। जब तक अभिभावक अंक को ही सफलता की कसौटी मानते रहेंगे, स्कूलों और शिक्षकों की प्राथमिकता भी वहीं रहेगी। जरूरत है एक नई शैक्षणिक संस्कृति की जहां असफलता को अवसर माना जाए, बच्चों की विविधता को अपनाया जाए और उन्हें आत्मविश्लेषण और आत्म-अनुशासन के मार्ग पर प्रेरित किया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहलें की हैं, परंतु इन्हें जमीन पर लागू करना एक लंबी और कठिन प्रक्रिया है। अब समय है कि हम स्कूलों को रैंक उत्पादक मशीनों से बाहर निकालें। अभिभावकों को समझना होगा कि उनका बच्चा कोई अंकों का रिपोर्ट कार्ड नहीं, बल्कि एक सोचने, समझने और विकसित होने वाली मनुष्य-प्रवृत्ति है।

धर्मांतरण का धंधा: विदेशी फंडिंग और सामाजिक विघटन का षड्यंत्र

डॉ. सत्यवान सौरभ

उत्तर प्रदेश में एटीएस ने एक बड़े धर्मांतरण रैकेट का खुलासा किया है, जिसमें विदेशी फंडिंग के जरिए करीब 100 करोड़ रुपये 40 खातों में भेजे गए। मुख्य आरोपी 'छांगरू बाबा' उर्फ जमशेदुद्दीन के नेतृत्व में यह गिरोह ऊंची जाति की लड़कियों के लिए 15-16 लाख रुपये की दर से धर्मांतरण कराता था। यह मामला केवल आस्था नहीं, बल्कि एक सुनियोजित सामाजिक षड्यंत्र है जो जाति, धर्म और लिंग के आधार पर राष्ट्र की एकता को तोड़ने का प्रयास करता है। इसे धार्मिक स्वतंत्रता नहीं, संगठित अपराध के रूप में देखा जाना चाहिए।

धर्म किसी भी समाज की आत्मा होता है, लेकिन जब धर्म का प्रयोग धंधे में बदल जाए तो सवाल सिर्फ आस्था का नहीं, राष्ट्र की सुरक्षा, सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों का हो जाता है। उत्तर प्रदेश में एटीएस द्वारा उजागर किए गए एक बड़े धर्मांतरण रैकेट ने यही भयावह सच्चाई हमारे सामने रखी है। कथित रूप से छांगरू बाबा उर्फ जमशेदुद्दीन के नेतृत्व में यह गिरोह न केवल भोले-भाले लोगों का धर्मांतरण कर रहा था, बल्कि इसके पीछे एक व्यवस्थित नेटवर्क, विदेशी फंडिंग और जातिगत लक्ष्य निर्धारण भी शामिल था।

जिस प्रकार से इस रैकेट की कार्यप्रणाली सामने आई है, वह धर्मांतरण को एक सुनियोजित व्यवसाय के रूप में प्रकट करती है। यह कोई व्यक्तिगत आस्था का निर्णय नहीं, बल्कि विदेशी पैसों से संचालित एक मिशन था - जिसमें धर्म, जाति, स्त्री और समाज को एक वस्तु की तरह देखा गया। एफआईआर और जांच रिपोर्ट के अनुसार, धर्मांतरण के लिए बाकायदा रेट कार्ड था। ऊंची जाति की लड़कियों के लिए धर्मांतरण की दर 15-16 लाख रुपये तक थी, जबकि अन्य लड़कियों के लिए 8-10 लाख रुपये। सोचिए, जब धर्म को भी जाति और लिंग के आधार पर मूल्यांकित किया जाने लगे, तो वह किस स्तर तक गिरावट का प्रतीक बनता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस रैकेट के पास 40 बैंक खाते थे जिनमें विदेशों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की रकम भेजी गई। यह रकम किसके इशारे पर भेजी गई, किन उद्देश्यों के लिए, और किन देशों से झ्र यह सवाल सिर्फ जांच एजेंसियों के नहीं, पूरे देश के हैं। क्या यह केवल धर्मांतरण के लिए था या इसके पीछे कोई और बड़ा वैश्विक, राजनीतिक या वैचारिक षड्यंत्र भी छिपा है?

इस रैकेट की कार्यशैली में सोशल मीडिया का जबरदस्त उपयोग किया गया। वीडियो, मोटिवेशनल भाषण, 'इस्लाम कबूल करने से मिली राहत' जैसे फर्जी वीडियो वायरल कर कमजोर तबकों को बरगलाया गया। पहले मानसिक रूप से प्रभावित किया गया, फिर आर्थिक लालच दिया गया और अंत में जबरन धर्मांतरण। यह साइकोलॉजिकल वॉरफेयर जैसा है झ्र जहां पहले मस्तिष्क जीता जाता है, फिर शरीर। और सबसे दुखद यह कि इसे धर्म का नाम दिया गया।

इस प्रकरण में बलरामपुर जिले के एक पूरे परिवार के धर्मांतरण की पुष्टि हुई है। वहां महिलाओं और बच्चों को टारगेट कर उन्हें धर्म बदलने के लिए मजबूर किया गया। यह कोई एक अपवाद नहीं, बल्कि उसी पैटर्न का हिस्सा है झ्र जिसमें ग्रामीण, अशिक्षित और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को निशाना बनाया जाता है। यह सामाजिक असमानता का शोषण है। जब राज्य, समाज और प्रशासन इन परिवारों की रक्षा नहीं कर पाते, तो ऐसे गिरोह अपना मकड़जाल फैलाते हैं। इस रैकेट का सबसे खतरनाक पहलू था - जातिगत दर निर्धारण। ऊंची जाति की लड़कियों के धर्मांतरण के लिए अधिक पैसा दिया जाता था। इसका मतलब है कि धर्मांतरण सिर्फ धर्म का नहीं, जाति-सामाजिक संरचना को तोड़ने का औजार भी बन चुका है। यह न केवल हिंदू समाज को कमजोर करने की चाल है, बल्कि राष्ट्र को आंतरिक रूप से विखंडित करने की भी रणनीति है।

इस मामले पर तथाकथित सेक्युलर बुद्धिजीवी वर्ग चुप है। वही वर्ग जो 'धर्मनिरपेक्षता' की दुहाई देता है, 'संविधान की आत्मा' की बात करता है, आज गूंगा बना बैठा है। क्यों? क्या धर्मांतरण को भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मान लिया गया है? क्या किसी गरीब, दलित, महिला या आदिवासी का जबरन धर्म बदलवाना मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं है? अगर किसी दलित के मंदिर में प्रवेश करने से किसी को आपत्ति है, तो उस पर शोर मचता है, लेकिन जब उसी दलित को पैसों से धर्म बदलवाया जाता है तो कोई नहीं बोलता। यह मौन स्वयं एक अपराध है।

यह भी गौरतलब है कि ऐसे मामलों पर राजनीतिक दल अक्सर वोट बैंक की राजनीति के कारण खुलकर प्रतिक्रिया नहीं देते। अल्पसंख्यकों की 'संवेदनशीलता' के नाम पर ऐसे राष्ट्रघातक कृत्यों को नजरअंदाज किया जाता है। सवाल यह है कि क्या देश की अखंडता और सामाजिक समरसता वोट बैंक से भी छोटी हो गई है? अगर कोई हिंदू संगठन धर्मांतरण रोकने की बात करता है तो उसे कट्टरपंथी कह दिया जाता है, लेकिन जब धर्मांतरण के नाम पर विदेशी पैसा आकर समाज को तोड़ता है, तो सब चुप हो जाते हैं।

यह मामला अकेला नहीं है। देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे गिरोह सक्रिय हैं जो सामाजिक दुर्बलता, आर्थिक मजबूरी और शिक्षा की कमी का लाभ उठाकर धर्मांतरण करा रहे हैं। इससे निपटने के लिए धर्मांतरण विरोधी कानूनों को और मजबूत बनाना चाहिए। विदेशी फंडिंग की निगरानी के लिए डिजिटल ट्रैकिंग तंत्र को सशक्त करना चाहिए। प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग की व्यवस्था होनी चाहिए। शिक्षा और रोजगार के माध्यम से समाज को आत्मनिर्भर और सजग बनाना जरूरी है।

धर्म आत्मा का विषय है, उसे सौदेबाजी का औजार बनाना न केवल अपराध है, बल्कि मानवता का भी अपमान है। धर्मांतरण जब व्यक्तिगत चेतना से नहीं, लालच, भय या फरेब से होता है, तो वह धर्म नहीं, शोषण होता है। हमारे लिए जरूरी है कि हम धर्मांतरण की आड़ में चल रहे इन संगठित अपराधों को पहचानें, उनका विरोध करें और समाज को ऐसी गतिविधियों से बचाने के लिए संगठित प्रयास करें। धर्म को न बेचे, न खरीदें झ्र बल्कि समझें, आत्मसात करें और उसकी गरिमा को बचाए रखें।

(स्वतंत्र पत्रकार व स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पटरी से उतरी मालगाड़ी, मुंबई-पुणे रेल यातायात हुआ बाधित

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई-पुणे रेलमार्ग के खंडाला घाट पर मंकी हिल के पास एक मालगाड़ी के डिब्बे के पहिए उतर जाने से मुंबई से पुणे जाने वाला रेल यातायात बाधित हो गया है। खबर है कि पुणे जाने वाली एक मालगाड़ी के सुरक्षा गार्ड के डिब्बे के पहिए उतर जाने से घाट पर पुणे की ओर जाने वाला यातायात रोक दिया गया है। इसके कारण चेन्नई एक्सप्रेस, जोधपुर-हडपसर एक्सप्रेस, दिल्ली जयपुर एक्सप्रेस ट्रेनें देरी से चल रही हैं। जबकि अन्य ट्रेनों को दूसरे रूट पर डायवर्ट किए जाने की जानकारी सामने आई है। इसके अलावा, कर्जत और पलसधरी मार्गों पर मुंबई से पुणे जाने वाली मेल, एक्सप्रेस, पैसेंजर ट्रेनें और मालगाड़ियां रोक दी गई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कर्जत और लोनावला के बीच एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई। इसके कारण मुंबई से पुणे जाने वाला यातायात बाधित हो गया है। रेल प्रशासन ने जानकारी दी है कि यातायात को सामान्य करने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। पटरी से उतरे ट्रेन के डिब्बे को जल्द ही पटरी पर लाया जाएगा और यातायात बहाल किया जाएगा। ज्ञात हो कि मुंबई-पुणे रेल मार्ग पर प्रतिदिन लाखों यात्री यात्रा करते हैं। कई लोग नियमित रूप से मुंबई से पुणे आते-जाते हैं। कई लोग काम के सिलसिले में प्रतिदिन इस मार्ग से यात्रा करते हैं। इसलिए, मुंबई-पुणे रेलमार्ग पर यात्रा करने वाले यात्रियों को इससे काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने के आरोप में दो बांग्लादेशी गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। बांग्लादेश के दो नागरिकों को बिना वैध दस्तावेजों के भारत में प्रवेश करने के आरोप में मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिले से गिरफ्तार किया गया है। सीमा सुरक्षा बल और मेघालय पुलिस की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की। शिलांग के पास मावलाई बाईपास पर गुवाहाटी जा रही एक कार को रोका गया, जिसमें सवार सभी से पूछताछ की गई। पूछताछ में दो बांग्लादेशी नागरिक वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने में असमर्थ पाए गए। इसके अलावा सीमा पार में उनकी मदद करने वाले दो और लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। चारों की गुवाहाटी जाने की योजना थी। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए लगातार निगरानी और कार्रवाई जारी रहेगी। गिरफ्तार किए गए सभी व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस घटना से सीमा सुरक्षा में सतर्कता बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया गया है।

खूंटी में धंस गया पुल, अब जान जोखिम में डालकर स्कूल जा रहे बच्चे

खूंटी (एजेंसी)। बारिश के कारण देश के कई राज्यों से पुल टूटने और कई सड़कें धंसने की खबर सामने आई। कुछ ऐसा ही हादसा हाल ही में झारखंड के रांची के पास खूंटी-सिमडेगा मार्ग पर पेलौल गांव के पास बनई नदी पर बना पुल तेज बारिश में धंस गया था। पुल का एक पिलर झुकने से स्लैब करीब 20 फीट नीचे चला गया है, जिसके चलते लोगों को बांस की सीढ़ी लगानी पड़ी थी। लोग अब इस बांस की सीढी के सहारे चढ़कर पुल पार कर रहे हैं। बच्चों को स्कूल जाने के लिए जान जोखिम उठाना पड़ रहा हैं, क्योंकि स्कूल जाने के लिए कोई दूसरा रास्ता नहीं है। अब इसका वीडियो वायरल हो गया है। बता दें पिछले दिनों बनई नदी पर बना ये पुल तेज बारिश के कारण धंस गया था। इस ब्रिज के टूटने से बच्चों का स्कूल जाना मुश्किल हो गया। स्कूल प्रबंधन ने बसें बंद कर दी, जिसके कारण बच्चों को टूटे पुल से जाना पड़ता है। बताया जा रहा है कि बारिश के बावजूद भी बच्चे जान जोखिम में डालकर स्कूल जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक बच्चों के माता-पिता अपने निजी वाहन से बच्चों को धंसे पुल तक लाते हैं और यहां से बच्चों को 20 फीट की बांस की सीढी के सहारे नीचे उतारा जाता है। ऐसा रोज होता है। बारिश के कारण सीढ़ी बहुत फिसलन भरी और खतरनाक हो चुकी है। कई बार माता-पिता बच्चों को अपनी पीठ पर लादकर सीढ़ी से ऊपर चढ़ते हैं और नीचे उतरते हैं। बांस की सीढ़ी के सहारे पुल पार करना आसान नहीं है। इसमें जान जाने का खतरा है।

स्टंटबाजी करते समय कार 300 फीट खाई में गिरी, बच गई युवक की जान

मुंबई (एजेंसी)। स्टंटबाजी के मामले आए दिन सुनने और देखने को मिल रहे हैं। अब ऐसा ही स्टंटबाजी का मामला महाराष्ट्र के गुजरवाडी इलाके में स्थित प्रसिद्ध पर्यटक स्थल टेबल पॉइंट का है, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। जहां एक युवक कार से स्टंट करते नजर आ रहा है और स्टंट के दौरान युवक की कार का बैलेंस बिगड़ जाता है और कार करीब 300 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे की सूचना मिलते ही आस-पास के लोग और पुलिस मौके पर पहुंची और गहरी खाई में गिरी कार से युवक को निकलने की कोशिश करने लगी। काफी देर की मशक्कत के बाद युवक को बाहर निकाला और तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। लोगों का कहना है कि टेबल पॉइंट पर कोई सुरक्षा रेलिंग या सुरक्षा के इंतजाम नहीं है, जिसके चलते आए दिन इस तरह के हादसे होते हैं। पहले भी इस क्षेत्र में कई बार चेतावनी दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद भी प्रशासन की ओर से कोई कदम नहीं उठाया गया है। बता दें टेबल पॉइंट सतारा जिले का एक लोकप्रिय टूरिस्ट प्लेस है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए मशहूर है। यह जगह खासकर के युवाओं और टूरिस्ट के बीच लोकप्रिय है, जो ज्यादातर यहां पर रील्स बनाने आते हैं, लेकिन इस जगह पर सुरक्षा सुविधाओं की कमी है, जिसके चलते आए दिन घटनाएं होती हैं।

मॉनसून सत्र छोड़कर दिल्ली पहुंचे शिंदे, अमित शाह से की मुलाकात

–कांग्रेस ने कहा– कैबिनेट में गैंगवार से बचने दिल्ली दरबार में गए गुहार लगाने

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा का मॉनसून सत्र शुरू हो गया है और इस बीच डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे उसे छोड़कर दिल्ली पहुंच गए। वह बुधवार को दिल्ली आए और गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इसके अलावा उनकी केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात की खबरें सामने आई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चर्चा यह है कि आखिर एकनाथ शिंदे दिल्ली जाकर बड़े नेताओं से क्यों मिले हैं। कांग्रेस ने इसे महायुति में टकराव से जोड़ा है और उसका कहना है कि कैबिनेट में गैंगवार चल रहा है। इससे बचने के लिए ही वह दिल्ली दरबार में गुहार लगाने पहुंचे।

कांग्रेस विधायक नाना पटोले ने कहा कि एकनाथ शिंदे राज्य कैबिनेट में चल रही गैंगवार से बचने दिल्ली गए हैं। राजनीतिक विश्लेषक भी इस यात्रा को अहम मान रहे हैं क्योंकि उद्धव सेना और राज ठाकरे की मनसे के बीच एकता स्थापित हो रही है और दोनों ने मराठी भाषा के स्वाभिमान के नाम पर साझा रैली की है। ऐसी स्थिति में मराठा के नाम पर राजनीति करने वाली एकनाथ शिंदे की शिवसेना को मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है। माना जा रहा है कि इस पर मंत्रणा के लिए एकनाथ शिंदे दिल्ली आए थे।

चर्चाएं हो रही हैं कि राज्य में होने वाले आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में ठाकरे बंधु एक साथ आ सकते हैं। इससे चुनावी मूड में बीजेपी भी सतर्क है। बताया जा रहा है कि बीजेपी ने एक आंतरिक सर्वेक्षण कराया है कि अगर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे एक साथ आते हैं तो महाराष्ट्र में एनडीए को कितना नुकसान होगा। समझा जाता है कि अमित शाह और शिंदे के बीच इस मामले पर बात हुई है। इसके अलावा शिंदे ने सरकार को लेकर भी अपनी कुछ चिंताएं जताई हैं। हालांकि आधिकारिक तौर पर किसी की तरफ से भी कुछ कहा नहीं गया है।

यह भी चर्चा है कि यदि ठाकरे बंधुओं को चैलेंज दिया गया तो मराठी वोटर्स का रिएक्शन क्या होगा। शिंदे की पार्टी भी इसे लेकर चिंतित है। यही वजह है कि मनसे की ओर से आयोजित विरोध प्रदर्शन में एकनाथ शिंदे सेना के नेता प्रताप सरनाइक पहुंचे थे। यही नहीं उन्होंने मनसे के लोगों की गिरफ्तारी पर भी ऐतराज जताया था।

पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेता की हत्या, पहले गोली मारी फिर धारदार हथियार से किया हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल से आए दिन हिंसा और आगजनी की खबरें आ रहीं हैं। गुरुवार देर रात यहां एक टीएमसी नेता की बेहरमी से हत्या कर दी गई। दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर में तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता रज्जाक खान की बेरहमी से हत्या कर दी गई। अज्ञात हमलावरों ने रज्जाक खान पर पहले गोली चलाई और फिर धारदार हथियार से हमला कर उनकी जान ले ली। इस घटना ने इलाके में तनाव और दहशत का माहौल है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि खान पर हमला उस समय हुआ जब वह सिरिस्ताला के पास अपने घर लौट रहे थे। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गई। मामले की औपचारिक जांच शुरू कर दी गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, खान पर भांगर बाजार से मारीचा लौटते समय एक नहर के पास घात लगाकर हमला किया गया। हमलावरों ने पहले उन पर गोली चलाई और फिर धारदार हथियारों से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। काशीपुर पुलिस स्टेशन को घटना की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। कोलकाता पुलिस के बयान के अनुसार, कल रात करीब 9¬45 बजे, चक मारीचा गांव, चाल्टाबेरिया ग्राम पंचायत के निवासी राज्जाक खान पर उत्तर काशीपुर थाना क्षेत्र के सिरिस्ताला के पास कुछ लोगों ने हमला किया, जब वह घर लौट रहे थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गई। जांच शुरू कर दी गई है। कैनिंग पूर्व के विधायक सौकत मोल्ला ने दावा किया कि इस हमले के पीछे आईएसएफ समर्थित असामाजिक तत्वों का हाथ है और उन्होंने तत्काल उनकी गिरफ्तारी की मांग की।

महाराष्ट्र में एनडीए सरकार के होते हिंदुओं का कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता

–मंत्री नितेश राणे ने राज ठाकरे को भी दिया चैलेंज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नितेश राणे ने कहा है कि महाराष्ट्र में एनडीए सरकार होते हुए हिंदुओं को कोई नहीं डरा सकता। हम हिंदुओं के चौकीदार हैं। हम भी यहां खड़े हुए हैं। राणे ने शुक्रवार को मुंबई के बोरीवली में एक परियोजना का भूमिपूजन करने के बाद कहा की हमारी सरकार रहेगी, तभी देवताओं की रक्षा होगी। मुंबई का डीएनए हिंदू है और अब नगर निगम में सिर्फ भगवा झंडा ही रहेगा।

उन्होंने कहा कि मैं हिंदुओं के वोट से विधायक बना हूं। अगर मैं हिंदुओं की बात नहीं करूंगा तो किसकी करूंगा? मालवणी जाकर देखो, पहले वो कुछ दे भाऊ कहेंगे, फिर वही लोग तुम्हें बाप बनाने की कोशिश करेंगे। ये सांप हैं। बाद में मीडिया से बात करते हुए नितेश राणे ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे चैलेंज किया। मीरा रोड में राज ठाकरे की सभा पर राणे ने कहा कि सभी मदरसों से उर्दू हटाकर वहां मराठी अनिवार्य करो, तभी हमें यकीन होगा कि आपको महाराष्ट्र और मराठी से सच्चा प्यार है। सिर्फ दिखावटी मराठी बोलकर ढोंग करने की कोशिश मत करो, सबको सब समझ में आता है। राणे ने यह भी कहा कि जो मुस्लिम भाई राज ठाकरे की सभा में आए, अगर वाकई मराठी से प्रेम है तो अजान मराठी में शुरू करें। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे पर नितेश राणे ने बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राउत और ठाकरे एक होकर लड़ने का नाटक कर रहे हैं, लेकिन जनता मातोश्री की नहीं और कलानगर की नहीं, हमारे साथ है। महाराष्ट्र की जनता ने हमें 10 महीने पहले वोट दिया है। हमें पाकिस्तान की जनता ने नहीं चुना।

बेंगलुरु नगर पालिका रोज आवारा कुत्तों को तीन लाख का खिलाएगी चिकन-चावल

–बीबीएमपी का उद्देश्य कुत्तों के आक्रामक व्यवहार पर काबू पाना

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार टैक्सपेयर्स के पैसों से कुत्तों को चिकन चावल खिलाने की तैयारी कर रही है। बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने करीब 2.9 करोड़ रुपए की अभूतपूर्व पहल शुरू करने जा रही है। इसमें आवारा कुत्तों के लिए रोज भोजन योजना शुरू की जाएगी। बीबीएमपी का उद्देश्य कुत्तों के आक्रामक व्यवहार पर काबू पाना और जन सुरक्षा को मजबूत करना है। इस पहल की शुरुआत बेंगलुरु शहर के आठ क्षेत्रों में 5,000 आवारा कुत्तों को खिलाने से शुरू होगी। नगर निगम ने बताया कि प्रतिदिन 367 ग्राम का भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नगर निगम ने बताया कि कुत्तों को कैलोरी संतुलित खाना खिलाया जाएगा, जो एक सामान्य 15 किलोग्राम के कुत्ते की पोषण संबंधी जरुरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया है। 22.42 रुपए की थाली में 150 ग्राम चिकन, 100 ग्राम चावल, 100 ग्राम सब्जियां, 10 ग्राम तेल है। इससे 465-750 किलो कैलोरी ऊर्जा मिलेगी। नगर निगम ने बताया कि बेंगलुरु में करीब 2.8 लाख आवारा कुत्ते हैं। बीबीएमपी प्रत्येक क्षेत्र में 400 से 500 कुत्तों को खिलाने के लिए वेंडर्स को शामिल करेगा, जो हरेक क्षेत्र में 100 से 125 जगहों पर खाना उपलब्ध करेंगे।

रिपोर्ट में बीबीएमपी के एक अधिकारी ने कहा कि यह पहली बार है जब भारत में किसी नगर निकाय ने आवारा पशुओं को सामूहिक भोजन देने की योजना बनाई गई है। यह सिर्फ एक कल्याणकारी कदम नहीं है- यह एक सुरक्षा पहल है। सरकार की इस कदम पर लोगों ने अपनी-अपनी राय दी। एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट ने इस योजना की तारीफ की है। वहीं, आलोचकों ने कुत्तों की नसबंदी करके उनकी आबादी पर लगाम लगाने के बजाय, उनके खाने-पीने के लिए करोड़ों रुपए के सरकारी धन के आवंटन की समझदारी पर सवाल उठाए हैं।

बेंगलुरु के जयनगर की रहने वाली एक महिला ने बताया कि पिछले हफ्ते ही मेरे बुजुर्ग पिता के पीछे आवारा कुत्ते पड़ गए थे वह किसी तरह बचकर घर आए। चिकन राइस पर करोड़ों रुपये खर्च करने के बजाय, बीबीएमपी को पहले कुत्तों की नसबंदी और उनकी आबादी नियंत्रित करने पर ध्यान देना चाहिए। खाना खिलाना कोई समाधान नहीं है। हुलीमावु के रहने वाले एक शख्स ने तर्क दिया कि यह एक स्वागत योग्य कदम है।

हममें से कई लोग पहले से ही अपने पैसों से आवारा कुत्तों को खाना खिलाते हैं। बीबीएमपी मदद के लिए आगे आ रहा है, तो इससे बदलाव आएगा। बशर्ते यह काम जिम्मेदारी से और भ्रष्टाचार के बिना किया जाए।

पहले हरियाणा अब हिमाचल प्रदेश में भूकंप से हिली धरती

शिमला (एजेंसी)। हरियाणा के बाद अब हिमाचल प्रदेश में मानसून की बारिश के बीच भूकम्प के झटके लगे हैं। पर्वतीय जिला चम्बा में शुक्रवार सुबह भूकम्प के हल्के झटकों से धरती हिली। भूकम्प की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 रही। ये झटके सुबह 6 बजकर 23 मिनट पर कुछ सेकंड तक रहे। इसका असर चम्बा जिला व आसपास के इलाकों में महसूस किया गया। बता दें कि हिमाचल प्रदेश भूकम्प की दृष्टि से अति संवेदनशील जोन 4 व 5 में शामिल है। यहां कई वर्षों से भूकम्प के हल्के झटके महसूस किए जाते रहे हैं। वर्ष 1905 में कांगड़ा व चम्बा जिलों में आये विनाशकारी भूकंप से 10 हज़ार से अधिक लोग मारे गए थे।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के मुताबिक भूकम्प का केंद्र चम्बा में 32.36 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 76.18 डिग्री पूर्वी देशांतर पर रहा और इसकी गहराई जमीन की सतह से पांच किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया। भूकंप के झटकों के कारण किसी तरह का जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि भूकम्प की तीव्रता कम होने की वजह से चम्बा जिला व साथ लगते क्षेत्रों में किसी तरह के नुकसान की रिपोर्ट नहीं है। इससे पहले भी चम्बा जिला में कई बार कम तीव्रता के भूकम्प के झटके लग चुके हैं। हालांकि किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ था। हिमाचल प्रदेश में पिछले कई सालों से भूकम्प के झटके लग रहे हैं। भूकंप का लगातार आना लोगों को दहशत में डाल रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में आज भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। आगामी 16 जुलाई तक राज्य के कुछ जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। राजधानी शिमला सहित अन्य इलाकों में आज बादल छाए हैं, हालांकि बीती रात बारिश हुई।

केरल में खड़ा ब्रिटिश एफ-35 विमान, अगले हफ्ते भरेगा उड़ान!

-ब्रिटिश इंजीनियरों की टीम हाइड्रोलिक खराबी को ठीक करने में जुटी

नई दिल्ली(एजेंसी)। पिछले 27 दिनों से केरल के तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर फंसा ब्रिटेन का एफ-35बी लड़ाकू विमान अगले हफ्ते वापस जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अगले सप्ताह तक इसकी मरम्मत पूरी हो सकती है। एक भारतीय अधिकारी ने बताया कि ब्रिटिश इंजीनियरों की एक टीम हाइड्रोलिक खराबी को ठीक कर रही है। उम्मीद है कि कुछ दिनों में विमान उड़ान भर सकेगा।

बता दें केरल में फंसा ब्रिटेन का यह फाइटर जेट पांचवीं पीढ़ी का विमान है। इसकी कीमत 115 मिलियन यूएसडी से भी ज्यादा है। 14 जून से यह विमान केरल के एयरपोर्ट पर ही खड़ा है। खराब मौसम और कम ईंधन के कारण इसे रॉयल नेवी के विमानवाहक पोत एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स से हटा दिया गया था। यह फाइटर प्लेन अरब सागर के ऊपर एक अभ्यास कर रहा था, तभी उसे केरल में आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी थी।

फाइट जेट के अचानक रुकने से कई तरह के मीम और मजाक बनने लगे थे। केरल के पर्यटन विभाग ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी थी। एक एआई-जनरेटेड पोस्ट में विमान नारियल के पेड़ों से घिरा हुआ दिखाया गया था। इस मीम में लिखा था कि केरल एक शानदार जगह है, मैं यहां से जाना नहीं चाहता। राज्य के पर्यटन विभाग के प्रमुख ने कहा था कि यह ब्रिटेन के लोगों को धन्यवाद कहने का एक तरीका था। दरअसल, केरल में सबसे ज्यादा ब्रिटिश पर्यटक ही आते हैं। एक और कार्टून में विमान को स्थानीय स्नैक्स खाते हुए दिखाया गया था।

शुरुआत में फाइटर जेट को एयरपोर्ट के बे 4 पर खड़ा किया गया था। सीआईएसएफ के जवान इसकी रखवाली कर रहे थे। कई हफ्तों तक बारिश में भीगने के बाद इसे 6 जुलाई को हैंगर में खड़ा किया गया। इस बीच ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स के विशेषज्ञ एयरबस ए400एम एटलस विमान से केरल पहुंचे।

उदयपुर फाइल्स को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। उदयपुर फाइल्स फिल्म की रिलीज कांवड़ यात्रा तक रोकने की मांग वाली याचिका को शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के बाद फिल्म की रिलीज से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई से इंकार कर याचिका को खारिज कर दिया।

दरअसल उदयपुर फाइल्स फिल्म शुक्रवार को ही रिलीज होनी थी। यह कन्हैया लाल हत्याकांड पर आधारित है। 28 जून, 2022 को उदयपुर में मोहम्मद रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद ने मिलकर दर्जी कन्हैयालाल का गला रेत दिया था। इस हत्याकांड के बाद पूरे देश में आक्रोश देखा गया था।

हालांकि इस फिल्म की रिलीज पर दिल्ली हाईकोर्ट ने अस्थायी रूप से रोक लगाई। यह रोक तब तक लागू रहेगी जब तक केंद्र फिल्म को सेंसर बोर्ड से मिली मंजूरी के खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका पर निर्णय नहीं ले लेती।

मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति अनीश दयाल की पीठ मामले में कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाओं में एक याचिका जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने भी दायर की थी। उन्होंने फिल्म को मिले सीबीएफसी (केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड) प्रमाणन को रद्द करने की मांग की थी। सभी पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने फिल्म पर अस्थायी रोक लगाने का आदेश दिया। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह निर्माता को सुनवाई का मौका देकर एक सप्ताह के भीतर पुनर्विचार याचिकाओं पर निर्णय ले। यदि याचिका में अंतरिम राहत की मांग की गई हो, तब उस पर भी विचार कर निर्णय लिया जाए।

छांगुर बाबा को मुस्लिम देशों से हुई 500 करोड़ की फंडिंग... हिंदू लड़कियों का धर्मांतरण करने के लिए

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की एंटी टेरर स्क्वॉड (एटीएस) ने शुक्रवार को सनसनीखेज खुलासा किया है। एटीएस ने बताया कि जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को बीते तीन सालों में करीब 500 करोड़ का विदेशी फंड प्राप्त हुआ। इसमें से 200 करोड़ की रकम आधिकारिक बैंकिंग माध्यमों से भारत पहुंची, जबकि 300 करोड़ अवैध हवाला चैनलों के माध्यम से नेपाल से भारत लाए गए। ये पैसे मुस्लिम देशों से आया। भारत में धर्मांतरण करवाने के इरादे से ये पैसे छांगुर बाबा को भेजा गया।

एटीएस की जांच में सामने आया है कि काठमांडू, नवलपरासी, रूपनदेही और बांके जैसे सीमावर्ती जिलों में 100 से अधिक बैंक खाते खुले, जिसमें पैसे जमा किए गए। ये फंड पाकिस्तान, दुबई, सऊदी अरब और तुर्की जैसे मुस्लिम बहुल देशों से आए थे। इन खातों से पैसा नेपाल में स्थानीय एजेंटों के माध्यम से भारत पहुंचाया गया। एजेंट इसके एवज में 4-5 प्रतिशत कमीशन लेते थे। कई बार पैसे कैश डिपॉजिट मशीन के जरिए जमा किए गए।

नेपाल से भारत आने के बाद फंड को बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर जैसे जिलों में स्थानीय मनी एक्सचेंजर्स के माध्यम से भारतीय रुपये में बदल दिया जाता था। बिहार के मधुबनी, सीतामढ़ी, पूर्णिया, किशनगंज, चंपारण और सुपौल जिलों के एजेंट भी अवैध फंडिंग नेटवर्क में शामिल पाए गए हैं।

एटीएस के अनुसार, सबसे अधिक विदेशी फंडिंग अयोध्या जिले में पहुंची, जहां कथित तौर पर हिंदू लड़कियों का धर्मांतरण हुआ। छांगुर बाबा और उसके सहयोगियों से जुड़े 40 बैंक खातों की जांच शुरू हो चुकी है।

जांच के दौरान नवीन रोहरा के छह बैंक खातों में 34.22 करोड़ और नसरीन के खातों में 13.90 करोड़ मिलने की पुष्टि हुई है। एटीएस ने पिछले 10 वर्षों के आयकर रिकॉर्ड भी मांगे हैं। यह भी शक जताया जा रहा है कि छांगुर बाबा के दुबई, शारजाह या यूएई में भी बैंक खाते हो सकते हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

वहीं बलरामपुर स्थित छांगुर बाबा का 5 करोड़ की लागत से बना बंगला जमीनदोंज कर दिया गया है। यह बंगला सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बना हुआ था। 40 कमरों वाले महलनुमा मकान में मार्बल का सुरक्षा गेट, विदेशी फर्नीचर, सीसीटीवी कमांड रूम और आधुनिक सुविधाएं थीं। बंगले को गिराने के लिए 10 बुलडोजर तैनात किए गए और तीन दिन की कार्रवाई में यह जमींदोज किया गया।

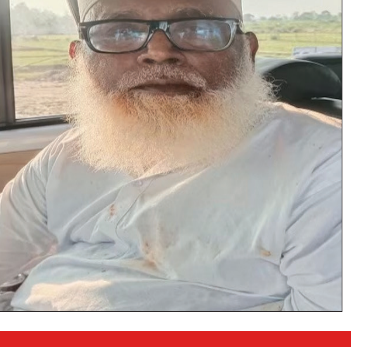

जानकारी

अश्वगंधा के 5 जबरदस्त फायदे, लेकिन ध्यान रहे देती नुकसान भी...

अश्वगंधा एक आयुर्वेदिक औषधि है जो कई लाइलाज बीमारियों को ठीक करने की क्षमता रखती है। अश्वगंधा का प्रयोग कई बीमारियों में दवा के रूप में किया जाता है। अश्वगंधा दवा, चूर्ण, कैप्सूल के रूप में आपको आसानी से बाजार में मिल जाएगी। कई रोगों में तो अश्वगंधा रामबाण की तरह है। सदियों से अश्वगंधा को जड़ी-बूटी के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। इस जड़ी-बूटी के बड़े ही असरकारी परिणाम हैं। अश्वगंधा के क्या फायदे हैं और क्या नुकसान बताएंगे आपको अश्वगंधा से जुड़ी हर जानकारी।

अश्वगंधा के चमत्कारिक फायदे

इम्युन सिस्टमः अश्वगंधा में मौजूद ऑक्सीडेंट आपके इम्युन सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करता है। जो आपको सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है। अश्वगंधा वाइट ब्लड सेल्स और रेड ब्लड सेल्स दोनों को बढ़ाने का काम करता है। जो कई गंभीर शारीरिक समस्याओं में लाभदायक है।

स्ट्रेस - मानसिक तनावः अश्वगंधा मानसिक तनाव जैसी गंभीर समस्या को ठीक करने में लाभदायक है। एक रिपोर्ट के अनुसार तनाव को 70 फीसदी तक अश्वगंधा के इस्तेमाल से कम किया जा सकता है। दरअसल आपके शरीर और मानसिक संतुलन को ठीक रखने में असरकारी है। इससे अच्छी नींद आती है। अश्वगंधा कई सम्स्याओं से छुटकारा दिलाने का काम कर सकता है।

सफेद पानी (लिकोरिया): महिलाओं में सफेद पानी की वजह से उनका शरीर कमजोर होने लगता है। जिसका असर उनके गर्भाशय में भी पड़ता है। लेकिन अश्वगंधा के सेवन से महिलाओं को इस रोग से निजात मिल सकती है।

कैंसरः कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी में बहुत असरकारी है अश्वगंधा का इस्तेमाल। कई रिसर्च में यह बताया गया है कि अश्वगंधा कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकता है और कैंसर के नए सेल्स नहीं बनने देता। यह शरीर में रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज का निर्माण करता है। जो कैंसर सेल्स को खत्म करने और कीमोथेरपी से होने वाले साइड इफेक्ट्स से भी बचाने का काम करता है।

आंखो की रोशनीः अश्वगंधा का इस्तेमाल आपकी आंखो की रोशनी को बढ़ाने का काम करता है। रोज दूध के साथ लेंने से आंखो के अलावा स्ट्रेस से भी बचा जा सकता है।

अश्वगंधा के नुकसान

- अश्वगंधा का ज्यादा प्रयोग आपके लिए नुकसानदायक भी हो सकता है। अश्वगंधा के ज्यादा इस्तेमाल से आपको बुखार, थकान, दर्द की शिकायत भी हो सकती है।
- अश्वगंधा का अधिक इस्तेमाल पेट के लिए हानिकारक हो सकता है। इसको लेने से डायरिया की समस्या हो सकती है। इसलिए इसके इस्तेमाल से पहले आप डॉक्टर की सलाह लें उसके बाद ही इसका सेवन करें।
- बल्ड प्रेशर से ग्रस्त लोगों को अश्वगंधा डॉक्टर के परामर्श से ही लेना चाहिए। जिनका बीपी लो होता है उन्हे अश्वगंधा का सेवन नहीं करना चाहिए।
- अश्वगंधा का सही डोज न लेने से आपको उल्टी और जी मिचलाने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।
- अश्वगंधा का इस्तेमाल नींद के लिए अच्छा है। लेकिन इसका बहुत दिनों तक इस्तेमाल आपको नुकसान भी पहुंचा सकता है।

व्यायाम आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकता है और आपको फिट रहने में मदद कर सकता है। हालांकि, इसकी शुरुआत करना थोड़ा जटिल है।

एक्सरसाइज की शुरुआत करने में मदद करेंगे ये आसान टिप्स

हम सभी जानते हैं कि व्यायाम फिट रहने, आपकी ऊर्जा बढ़ाने, मोटापे से बचने और कई पुरानी जटिलताओं के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है। एक नियमित फिटनेस रूटीन आपको मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से बचने, नींद में सुधार करने में भी मदद कर सकती है।

यदि आप फिट और स्वस्थ रहना चाहते हैं तो नियमित व्यायाम आवश्यक है। इसका कोई विकल्प नहीं है। किसी भी एक्सरसाइज रूटीन को शुरू करने के बाद ही आपको लाभ दिखने लगेगा। लेकिन अधिकांश लोग एक्सरसाइज रूटीन की शुरुआत नहीं कर पाते हैं, यह करना काफी मुश्किल लगता है। हालांकि, अगर आपने अपना मन बना लिया है और दृढ़ संकल्प है, तो यह करना आसान है। लेकिन ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते हैं, तमाम तरह की रूकावटें उन्हें ऐसा करने से रोकती हैं। आप हमेशा आलस्य महसूस करते हैं। अगर आप भी खुद को एक फिटनेस रूटीन बनाने के लिए प्रेरित नहीं कर पा रहे हैं तो हम आपकी मदद कर सकते हैं। यहां हम बिगिनर के लिए कुछ उपाय बता रहे हैं जो आपकी हेल्प कर सकते हैं।

अपने फिटनेस रूटीन को शुरू करने से पहले ध्यान रखने योग्य बातें

आप एक ऐसा फिटनेस रूटीन चुनें जो आपको इस पर बने रहने में मदद करे। अपने लक्ष्यों के बारे में यथार्थवादी बनें। यह बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, यदि आपको कोई स्वास्थ्य जटिलताएं हैं, तो पहले अपने डॉक्टर से परामर्श करें। वह आपको एक अच्छी और सुरक्षित शुरुआत के लिए मार्गदर्शन करने में मदद करेंगे। धीमी शुरुआत करें और धीरे-धीरे तीव्रता की ओर बढ़ें। आजकल हर कोई व्यस्त जीवन जी रहा है। तो, 'समय' हमेशा एक समस्या है। व्यायाम के लिए एक समय निर्धारित करें और उससे चिपके रहें। यदि आप एक घंटे का प्रबंधन नहीं कर सकते हैं, तो इसे 30 या 15 मिनट करें। लेकिन इसे हर दिन करें।

एक बहुत ही सामान्य गलती जो बिगिनर करते हैं, वह यह है कि वे पहले दिन से ही तीव्र व्यायाम में जुट जाते हैं। इससे चोटों का खतरा बढ़ जाता है। बस याद रखें कि अधिक मात्रा में कुछ भी स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। यही हाल व्यायाम का भी है। आप खुद को एक दिन का अवकाश भी दे सकते हैं। इससे आपको अपने फिटनेस रूटीन में नए जोश के साथ आने में मदद मिलेगी।

बिगिनर के लिए फिटनेस रूटीन टिप्स

- दिन में बहुत सारा पानी पीएं। यह आपको डिहाइड्रेशन से बचने में मदद करता है। क्योंकि आप एक्सरसाइज के दौरान काफी पसीना बहाते हैं।
- स्वस्थ भोजन का सेवन करें। यह आपके फिटनेस रूटीन को सपोर्ट करेगा। उचित और अच्छी तरह से संतुलित भोजन लें, जिसमें फल और सब्जियां शामिल हों।
- अपने आहार में स्वस्थ कार्ब्स शामिल करें। यह मांसपेशियों की रिकवरी में सहायता करेगा और आपकी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाएगा।
- प्रोटीन का सेवन जरूर करें। ये मांसपेशियों की रिकवरी में भी मदद करते हैं। यह ऊतकों की तेजी से चिकित्सा और मांसपेशियों के निर्माण की सुविधा भी प्रदान करेगा।
- सभी वसा खराब नहीं हैं। स्वस्थ वसा वास्तव में आपको तेजी से वसा जलाने में मदद कर सकते हैं। यह ऊर्जा के स्तर को भी बढ़ाएगा और आपको लंबी अवधि तक काम करने में मदद करेगा।
- आपनी फिटनेस रूटीन से पहले वार्मअप करना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आपको चोटों के जोखिम से बचने में मदद करेगा। यह शरीर को फ्लेक्सीबिलिटी प्रदान करेगा।

सेहत

हाइट बढ़ाने के 5 घरेलू नुस्खे, जो बढ़ाएं लंबाई

अच्छी हाइट से व्यक्तित्व में और निखर आ जाता है। अच्छी हाइट होने से आत्मविश्वास भी बढ़ता। दरअसल ह्यूमन ग्रोथ के साथ ही हाइट भी बढ़ती है। लड़कियों की लंबाई आम तौर पर 18 साल की उम्र तक बढ़ती है। लम्बाई आपके व्यक्तित्व को निखारने का काम करती है। अच्छी हाइट पाने के लिए बच्चे हों या बड़े सभी उत्सुक रहते हैं। क्योंकि अच्छी हाइट से व्यक्तित्व में और निखर आ जाता है। अच्छी हाइट होने से आत्मविश्वास भी बढ़ता। दरअसल ह्यूमन ग्रोथ के साथ ही हाइट भी बढ़ती है। लड़कियों की लंबाई आम तौर पर 18 साल की उम्र तक बढ़ती है। आपकी हाइट कितनी अच्छी निकलती है यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपकी डाइट कैसी है। लोग हाइट बढ़ाने के लिए तरह-तरह की दवाओं का इस्तेमाल करते हैं। जो आपके शरीर के लिए हानिकारक भी हो सकते हैं। लेकिन आयुर्वेद में कई ऐसे उपाय और औषधि हैं जिनके द्वारा आपको अच्छी हाइट मिल सकती है। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि कैसे आप घरेलू नुस्खों से अच्छी हाइट पा सकते हैं।

लंबाई बढ़ाने के घरेलू उपाय

खान-पान का सही चुनावः अच्छी हाइट के लिए सबसे जरूरी है हेल्दी डाइट, खाने में आप क्या लें रहे हैं, उससे आपके शरीर की ग्रोथ पर बहुत असर पड़ता है। इसलिए आपको खाने में विटामिन, कैल्शियम, जिंक प्रोटीन और फास्फोरस की मात्रा और पीने में दूध, जूस, अधिक लेना चाहिए। इनके इस्तेमाल से हाइट बढ़ती है। लेकिन आप को इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि आप ज्यादा चीनी के इस्तेमाल से परहेज करें।

योगा एक्सरसाइजः योगा और एक्सरसाइज के द्वारा लम्बाई बढ़ाई जा सकती है। एक्सरसाइज, योगा को प्रतिदिन करना चाहिए इससे आपका शरीर चुस्त-दुरुस्त रहता है। जो आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है। लम्बाई के लिए तड़ासन क्रिया करना बहुत लाभदायक है। कैसे करें तड़ासन, सबसे पहले सीधे खड़े हो जायें हाथ ऊपर कर लें उसके बाद गहरी सांस लें और हाथों को धीरे-धीरे ऊपर उठाते हुए पैर की एड़ियों को भी उठाएं। इससे आपके शरीर में खिचाव होने से यह लम्बाई बढ़ाने में फायदेमंद साबित हो सकता है।

भरपूर नींदः सेहत के लिए पर्याप्त नींद बहुत जरूरी होती है। अच्छी जीवनशैली में नींद पूरी होना बहुत महत्वपूर्ण है। लेकिन अधिक नींद से आपकी हाइट भी बढ़ सकती है सुनने में थोड़ा अजीब जरूर लग सकता है लेकिन यह सच है। अगर आप ज्यादा सोते है तो आपके शरीर में ऊतको का उत्सर्जन होता है जो लम्बाई बढ़ाने में मदद करती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को 7-8 घंटे की नींद जरूर लेना चाहिए।

पानी का अधिक इस्तेमाल करें: खूब पानी पीयें ,पानी का अधिक इस्तेमाल करने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती। ज्यादा पानी पीने से शरीर के विषैले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। जिससे शरीर की ग्रोथ में कोई परेशानी नहीं होती। पानी का अधिक इस्तेमाल पेट गैस को भी कम करता है। जिससे शरीर के हार्मोंस को बढ़ने में मदद मिलती है।

चलने और सोने का सही तरीकाः अच्छी हाइट के लिए आपको चलने-फिरने, बैठने और सोने का तरीका ठीक रखना पड़ेगा। अक्सर लोग सोते समय यह ध्यान नहीं देते कि उनका शरीर अनुचित मुद्रा में है। जो आपके शरीर की लम्बाई में बाधक हो सकता है। इसलिए सीधी मुद्रा में सोना चाहिए। सिर और गर्दन को चलते समय झुकाकर नहीं चलना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

काकुरो पहेली - 5009

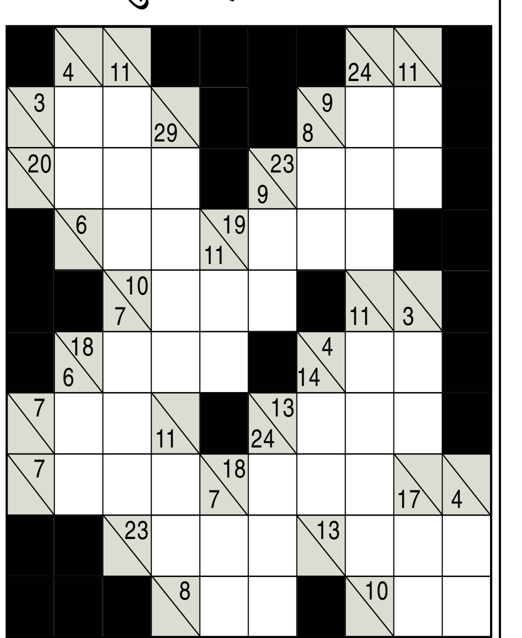

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

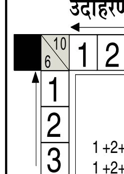

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 5008 का हल

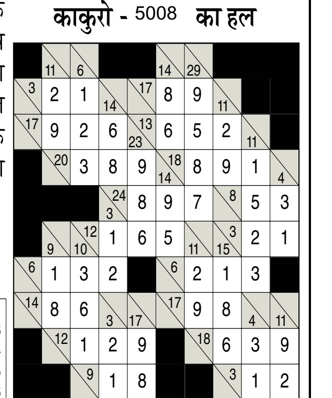

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधिश (चोर से)- एक ही रात में छह चोरियाँ करने का आरोप है। इस पर तुम्हें क्या कहना है?

चोर मुस्कुराते हुआ बोला- जी हुजूर! मेरे पूज्य ससुरजी कहा करते थे कि मेहनत से कभी भी जी नहीं चुराना चाहिए।

पिछले दिनों सड़क पर धूमधाम से बारात जा रही थी। घोड़े पर दूल्हे मियाँ के मुँह पर पट्टी बँधी थी।

एक राहगीर ने यह देखकर एक बाराती से पूछा : भैया, दूल्हे के मुँह पर पट्टी क्यों बँधी है?

बाराती ने मुस्कुराते हुए कहा- भाई साहब दूल्हा मोहल्ले का नेता है। वह भीड़ देखते ही भाषण देने लगता है।

एक बार प्रेमी और प्रेमिका डेटिंग पर गए। बहुत देर घूमने-फिरने के बाद वे एक नितांत स्थान पर बैठ गए। अपने आसपास किसी को न पाकर प्रेमी ने मौके का फायदा उठाना चाहा और प्रेमिका की गाल की ओर अपना मुँह बढ़ाते हुए बोला- चुम्बन क्या है?

शरारत भरे अंदाज में प्रेमिका बोली- चुम्बन! प्यार के गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर है।

फिल्म वर्ग पहेली- 5009

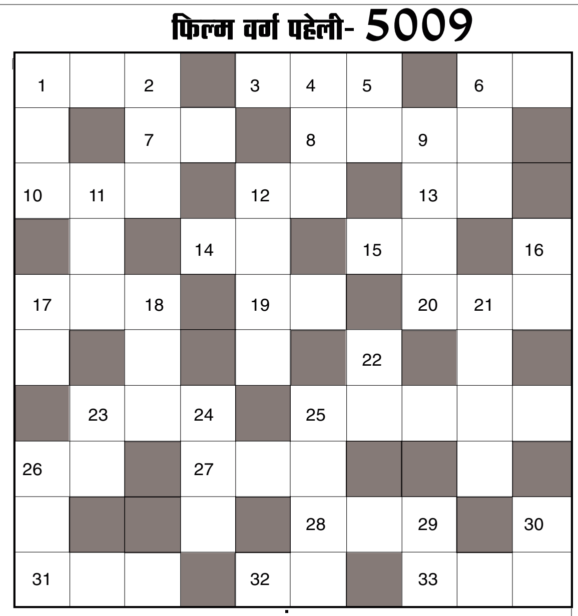

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5008

चा	ल	बा	ज		चा	ला	क		जा
ह		रि		आ	ह		र्ज		ल
त	ला	श		र	त	न		प्या	सा
	वा		रा	जू		ज	ख्म		ज
रा		तु	म		जो	र		ना	
म	स्ती		क	ह	र		अ	स्ति	त्व
अ		जीं	स		दा	वा		क	
व	क्त		म	द	र		दा		अं
ता		हे		र्द		फि	दा		जा
र	ह	मा	न		रो	जा		धू	म

5009

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

5008

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 5009

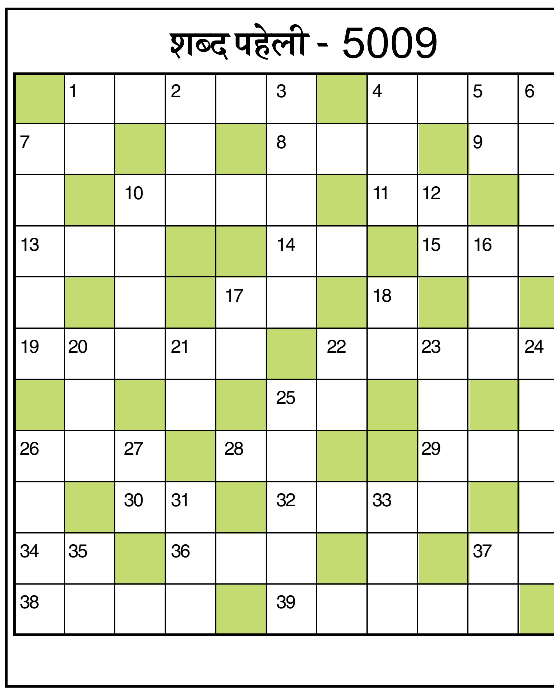

बाएँ से दाएँ

1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपड़े की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे

1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली -5008 हल

	व	र	दा	न		म	क	स	द	
म			न		अ		ल			नि
न		व्य	व	हा	र	कु	श	ल		य
मा	न	व			दा			कि	म	त
नी		था		आ	स	न		र	न	
	र		हा	रा		ह	त्या		का	
	क	वि		म	क	र		क		रा
ह	म	ला			ल			म	वे	शी
वे		प	र	व	र	दि	गा	र		फ
ली			स		व		य			ल
	र	ह	म	त		घ	ब	रा	ना	

चुनाव आयोग प्रजातंत्र को खत्म करने में लगा है : प्रियंका चतुर्वेदी

एजेंसी
मुंबई। बिहार में चुनाव आयोग के मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आपत्ति जताई है। उन्होंने दावा किया है कि चुनाव आयोग प्रजातंत्र को खत्म करने के लिए भाजपा का सहयोग कर रहा है। बातचीत के दौरान शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने कहा कि मतदाता सत्यापन के लिए जरूरी दस्तावेजों से आधार कार्ड को बाहर रखने का एक षड्यंत्र चुनाव आयोग की ओर से रचा जा रहा है ताकि गरीबों और वंचितों को वोटर लिस्ट से बाहर किया जाए और अपने हिसाब से नए वोटर को शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि जिस तरह से चुनाव आयोग संविधान की धज्जियां उड़ा रहा है और प्रजातंत्र को खत्म करने में जिस प्रकार से भाजपा को सहयोग दे रहा है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। आयोग ने जो महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान किया, अब उस चीज को बिहार में दोहराया जा रहा है। विपक्ष की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ध्यान देगा। वोटर लिस्ट के मेगा वेरिफिकेशन ड्राइव पर रोक लगाई जाएगी। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मानसून सत्र के दौरान हमें उम्मीद है कि विदेशी दौरों से भारत को क्या लाभ हुआ है, प्रधानमंत्री उसे संसद में रखेंगे। मैं पीएम मोदी को 17 विदेशी संसदों को संबोधित करने के रिकॉर्ड पर बधाई देना चाहती हूं। मुझे उम्मीद है कि हमारे सांसदों को भी संबोधित करेंगे और सत्तारूढ़ दल से हमारी अपेक्षाओं, सवालों और आशाओं को पूरा करेंगे।

एमपी ट्रांसको के इंजीनियर हितेश तिवारी के शोधपत्र को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मिली सराहना

भोपाल। मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) में कार्यरत कार्यपालन अभियंता हितेश कुमार तिवारी द्वारा प्रस्तुत तकनीकी शोधपत्र को जयपुर में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सराहना मिली। यह सम्मेलन अमेरिका मुख्यालय स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स के तत्वाधान में आयोजित किया गया था।जनसंपर्क अधिकारी राजेश पाण्डेय ने जानकारी दी कि कार्यपालन अभियंता तिवारी का शोधपत्र प्रस्तावित 2×800 मेगावाट उत्पादन इकाइयों से विद्युत निकासी के लिये ट्रांसमिशन सिस्टम नेटवर्क की तकनीकी-आर्थिक योजना विषय पर आधारित है। यह शोध पत्र डॉ. राजीव कुमार चौहान एवं डॉ. संजय कुमार मौर्य के सहयोग से 5वें आईईईई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। इसमें सतत ऊर्जा एवं भविष्य की विद्युत परिवहन प्रणालियों पर भी गहन मंथन हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य सतत ऊर्जा समाधान एवं भविष्य की विद्युत प्रणालियों के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी विकास को साझा करना भी था। तिवारी द्वारा प्रस्तुत शोधपत्र ने न केवल विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया, बल्कि ट्रांसमिशन प्रणाली की योजना, निष्पादन और मूल्यांकन के लिए एक उपयोगी मार्गदर्शन भी प्रस्तुत किया। शोधपत्र में तिवारी ने ट्रांसमिशन सिस्टम की स्थिरता, सामान्य परिचालन परिस्थितियों में प्रदर्शन तथा आपात स्थिति में ग्रिड की लचीलापन क्षमता का विश्लेषण विशेषज्ञों के सामने रखा।

सांदीपनि विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के केन्द्र बनकर उभरे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुणवत्तापूर्ण और रोजगारपरक शिक्षा ही किसी देश की मजबूती का आधार है। शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर शिक्षा के बूते ही भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा गणतंत्र बनकर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। हमारी वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से ऋषि-मुनियों के काल में भारतीय ज्ञान से दुनिया के कई देश प्रकाशमान हुए थे। वर्तमान समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत का स्वर्णिम काल चल रहा है। मध्य प्रदेश सरकार बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए उन्हें उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा और सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी शिक्षकों एवं छात्रों को गुरु पूर्णिमा महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश में 369 सांदीपनि विद्यालय संचालित हो रहे हैं। जहां शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, स्कूल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के केंद्र बनकर उभरे हैं।

मध्य प्रदेश के गाँधी सागर अभयारण्य में मिला दुर्लभ 'स्याहगोश'

भोपाल। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित गाँधी सागर अभ्यारण्य में दुर्लभ प्रजाति के स्याहगोश'' (कैराकल) की उपस्थिति दर्ज हुई है। गाँधी सागर वन्य-जीव अभयारण्य में कैमरा ट्रैप में कैराकल'' दिखाई दिया है, जिसे स्थानीय रूप से 'स्याहगोश' कहा जाता है। गौरतलब है कि 'स्याहगोश' मांसाहारी प्रजाति का अत्यंत शर्मीला, तेज गति से दौड़ने वाला और सामान्यतः रात्रिचर वन्य-जीव है। यह मुख्यतः शुष्क, झाड़ीदार, पथरीले और खुली घास वाले इलाकों में पाया जाता है। भारत में अब यह प्रजाति विलुप्तप्राय श्रेणी में रखी गयी है और इसकी उपस्थिति बहुत ही दुर्लभ मानी जाती है। गाँधी सागर अभ्यारण्य के वन अधिकारी संजय रायखेरे ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि वन मण्डल मंदसौर में लगाये गये कैमरा ट्रैप में एक वयस्क नर कैराकल की उपस्थिति दर्ज हुई है जो जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। अभ्यारण्य में संरक्षित आवासों की गुणवत्ता और संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण भी है। कैराकल की उपस्थिति यह दर्शाती है कि गाँधी सागर क्षेत्र के शुष्क और अर्द्ध-शुष्क पारिस्थितिकीय तंत्र अब भी इतने समृद्ध और संतुलित हैं जो इस दुर्लभ प्रजाति को आश्रय दे सकते हैं।

पूर्वी क्षेत्रीय परिषदों की बैठकों में 83 प्रतिशत मुद्दों का समाधान इन बैठकों की सार्थकता को दर्शाता है : अमित शाह

एजेंसी
रांची। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हम प्रतिवर्ष 2-3 बैठकों से आगे बढ़कर प्रतिवर्ष लगभग 6 बैठकों के आयोजन तक पहुंच गए हैं। इन बैठकों में कुल 1580 मुद्दों पर चर्चा की गई, जिनमें से 1287, यानी 83 प्रतिशत, मुद्दे हल कर लिए गए हैं, जो हम सबके लिए एक बहुत संतोष का विषय है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में पूर्वी क्षेत्रीय परिषदों की बैठकों में 83 प्रतिशत मुद्दों का समाधान इन बैठकों की सार्थकता को दर्शाता है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह झारखंड की राजधानी रांची के एक निजी होटल में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक अध्यक्षता करते हुए शाह ने कहा कि क्षेत्रीय परिषदों की कल्पना इन्हें सहकारी संघवाद की सशक्त आधारशिला बनाने के उद्देश्य के साथ की गई थी। इनके माध्यम से हम केन्द्र के साथ राज्यों और राज्यों

के बीच के आपसी मुद्दों को काफी हद तक हल करने में सफल हुए हैं। वर्ष 2004 से 2014 के बीच क्षेत्रीय परिषदों की कुल 25 बैठकें हुईं, जबकि 2014 से 2025 में यह दोगुने से भी अधिक बढ़कर 63 हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में क्षेत्रीय परिषदों की बैठकों में 83 प्रतिशत मुद्दों का समाधान इन बैठकों की सार्थकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहकारी संघवाद के आधार पर टीम भारत की कल्पना देश के सामने रखी है। मोदी की टीम भारत की कल्पना के तहत राज्यों के विकास के माध्यम से भारत का विकास और 2047 तक भारत को एक पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए हम सब मिलकर आगे बढ़ते रहें। हमारे संघीय ढांचे को मज़बूत करने के लिए अंतरराज्यीय परिषद और क्षेत्रीय परिषद को संविधान और कानून में आधार दिया गया है और उसी के तहत क्षेत्रीय परिषदों की बैठकें आयोजित होती हैं। उन्होंने कहा कि 2014 से 2025 के दौरान इन बैठकों के आयोजन में दोगुनी से भी अधिक गति आई है और ये अधिक परिणामदायक बनी हैं। कहा कि बैठक में मसंजौर बांध, तैयबपुर बराज और इंद्रपुरी जलाशय से संबंधित काफी समय से लंबित जटिल मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बेली ब्रिज तैयार, वाहनों की आवाजाही बहाल

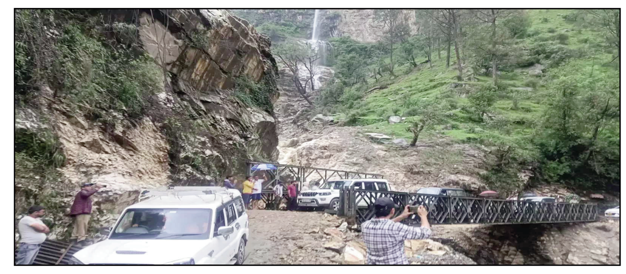

एजेंसी
देहरादून। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर ओजरी के पास भूस्खलन से अवरुद्ध मार्ग पर वाहनों की आवाजाही फिर शुरू हो गई। लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) ने 12 दिन-रात कार्य कर बेली ब्रिज का निर्माण पूरा किया। उपजिलाधिकारी बड़कोट बृजेश तिवारी ने बताया कि दोपहर बाद यमुनोत्री हाईवे यातायात के लिए बहाल हो गया। उन्होंने बताया कि पहले फंसे हुए वाहनों को ऊपर से निकाले जा रहे उसके बाद धाम के लिए भी वाहनों कुछ आवाजाही सुचारू की जा रही है। उल्लेखनीय है कि 28 जून की रात भूस्खलन के कारण राजमार्ग बंद हो गया था, जिसमें मलबे में दबकर कई लोगों की मौत हुई थी। लोनिवि ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बेली ब्रिज बनाकर यातायात बहाल कर दिया है। अब वाहन इस मार्ग पर सुचारु रूप से चल रहे हैं।

कोलकाता में उमर अब्दुल्ला बोले- जम्मू-कश्मीर में पर्यटन फिर से रफ्तार पर

एजेंसी
कोलकाता। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि हालिया पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी केंद्रशासित प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र फिर से पटरी पर लौट रहा है और राज्य में एक नई शुरुआत की उम्मीद की जा रही है। कोलकाता में आयोजित एक पर्यटन सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने यह भरोसा दिलाया कि पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा चुके हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने कहा, 2025 हमारे लिए आसान साल नहीं रहा है। इस वर्ष को हम दो हिस्सों में बांट सकते हैं - पहलगाम हमले से पहले और उसके बाद। लेकिन हम देख रहे हैं कि जम्मू-कश्मीर में पर्यटन वापस रफ्तार पकड़ रहा है। यह एक नई शुरुआत का संदेश है।

गौरतलब है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें से अधिकांश पर्यटक थे। इसके बाद पर्यटकों में सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा हो गई थी। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पर्यटकों की चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए जमीनी स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। उन्होंने कहा, मैं सभी की चिंताओं को समझता हूं, लेकिन यकीन दिलाना

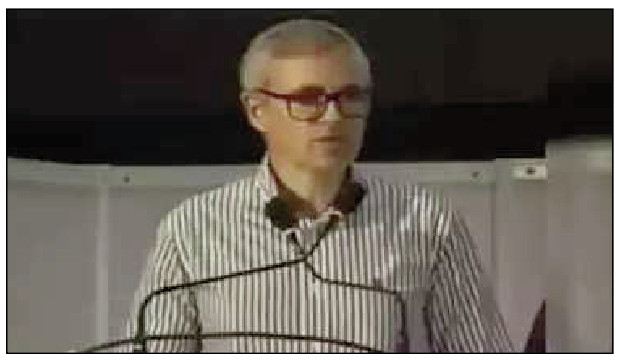

चाहता हूं कि हर जरूरी कदम उठाए गए हैं। पहलगाम से लौटे पर्यटकों से बात करें, वे खुद बताएंगे कि वहां हालात कैसे हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अमरनाथ यात्रा भी सुचारु रूप से चल रही है और जम्मू-कश्मीर के लिए सीधी उड़ानों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा, मैं कोलकाता इसलिए आया हूं ताकि लोगों को यह विश्वास दिला सकूं कि जम्मू-कश्मीर एक सुरक्षित और आकर्षक पर्यटन स्थल है। पर्यटन को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में रोमांचक पर्यटन, गंतव्य पर्यटन और सांस्कृतिक विविधता का अनुभव एक साथ मिलता है। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ क्षेत्रों में अभी सुरक्षा ऑडिट चल रहा है ताकि हर स्तर पर पर्यटकों को सुरक्षा का अनुभव हो।

मेघालय में लागू हुए तीन नए आपराधिक कानून, ग्रुप डी पदों के लिए साक्षात्कार समाप्त

एजेंसी
शिलांग। मेघालय सरकार ने राज्य की न्यायिक और पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए तीन नये आपराधिक कानूनों को लागू कर दिया है। इसके साथ ही, ग्रुप डी पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार (इंटरव्यू) की प्रक्रिया को समाप्त करने का भी निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। यह कदम भारत सरकार के निर्देशों और मेघालय उच्च न्यायालय की सहमति के तहत उठाया गया है। कैबिनेट द्वारा मंजूर किए गए तीन प्रमुख फ्रेमवर्क हैं- मेघालय ई-साक्ष्य प्रबंधन नियम, 2025 ~ भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसई) के अंतर्गत लाया गया यह नियम सभी इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को मोबाइल एप पर अपलोड करने का प्रावधान करता है। साक्ष्य को 16 अंकों के सुरक्षित कोड से जोड़ा जाएगा और इसे अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क प्रणाली (सीसीटीएनएस) और अंतर-प्रचलित आपराधिक न्याय प्रणाली (आईसीजेएस) से लिंक किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा

कि साक्ष्य ट्रायल के दौरान सुरक्षित और छेड़छाड़-रहित रहें। मेघालय सामुदायिक सेवा दिशा-निर्देश, 2025~ यह नियम अदालतों को छोटे अपराधों के दोषियों को जेल के स्थान पर सामुदायिक सेवा जैसे-अस्पतालों की सफाई, सरकारी स्कूलों में कक्षाएं साफ करना, पुस्तकालयों में पुस्तकों को व्यवस्थित करना या वन विभाग के कार्यों में भागीदारी का आदेश देने की अनुमति देगा। मुख्यमंत्री संगमा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी देते हुए कहा, ये सुधार राज्य में न्याय प्रक्रिया को अधिक तकनीकी और पारदर्शी बनाएंगे।इसके अलावा,कैबिनेट ने ग्रुप डी पदों के लिए साक्षात्कार की प्रक्रिया को समाप्त करने का फैसला भी लिया।यह निर्णय भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने और भारत सरकार के कार्मिक विभाग की दिशा-निर्देशों के अनुरूप लिया गया है।

हिमाचल प्रदेश में सामान्य से 237फीसदी अधिक बारिश, बादल फटने की 22 और फ्लैश फ्लड की 31 घटनाएं, अब तक 91 लोगों की मौत

एजेंसी
शिमला। हिमाचल प्रदेश में इस बार मानसून ने समय से पहले दस्तक देते ही भारी तबाही मचाई है। दक्षिण-पश्चिमी मानसून 20 जून को प्रदेश में पहुंचा और 22 जून तक पूरे राज्य को अपने प्रभाव में ले लिया। शुरुआत से ही बारिश ने कहर ढाया और खासकर मंडी जिला सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। यहां बादल फटने और फ्लैश फ्लड की घटनाओं से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई महीने में अब तक प्रदेश में सामान्य से 23 फीसदी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। मंडी जिले में सामान्य से 116 मिमी अधिक, शिमला और ऊना में 114 मिमी ज्यादा जबकि सिरमौर में सामान्य से 83 फीसदी अधिक वर्षा हुई है। असामान्य वर्षा के चलते पूरे प्रदेश में अब तक बादल फटने की 22, फ्लैश फ्लड की 31 और भूस्खलन की 17 घटनाएं दर्ज की गई हैं। सबसे भयानक मंजर मंडी जिले में 30 जून की रात देखने को मिला, जब एक ही रात में 12 जगह बादल फटे। सिराज विधानसभा क्षेत्र के थुनाग, गोहर और करसोग इलाके में कई घर, दुकानें और सड़कें तबाह हो गईं। अकेले मंडी जिले में 409 घर और 203 दुकानें पूरी तरह ढह गईं, जबकि 732 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा। जिले में 20 लोगों की मौत हो चुकी है और 27 लोग अब भी लापता हैं। मंडी में 138 सड़कें, 124 ट्रांसफार्मर और 137 पेयजल योजनाएं ठप पड़ी हैं। साथ ही नेशनल हाईवे-3 भी अभी अवरुद्ध है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक मानसून सीजन के दौरान अब तक वर्षा जनित हादसों में प्रदेशभर में 91 लोगों की मौत, 34 लापता और 129 लोग घायल हुए हैं। इस आपदा में 432 घर पूरी तरह, जबकि 928 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। 224 दुकानें और 880 गौशालाएं भी तबाह हो चुकी हैं। अब तक प्रदेश को करीब 749 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है, जिसमें सबसे ज्यादा नुकसान जलशक्ति विभाग को 404 करोड़ रुपये और लोक निर्माण विभाग को 327 करोड़ रुपये का हुआ है।

बीती रात भी राजधानी शिमला समेत कई क्षेत्रों में रुक-रुक कर बारिश जारी रही। सिरमौर के धौलाकुआं में पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा 168 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि बिलासपुर में 120 मिमी, मनाली में 46 मिमी, जुब्बड़हट्टी में 44 मिमी, नगरोटा सुर्रियाँ में 42 मिमी, पांवटा साहिब में 38 मिमी और सुजानपुर में 37 मिमी वर्षा हुई। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में भारी बारिश की संभावना जताई है। 16 जुलाई तक कुछ इलाकों में भारी वर्षा का खतरा बना रहेगा और इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। गुरुवार शाम तक प्रदेश में एक नेशनल हाईवे समेत 207 सड़कें बंद हैं। इसके अलावा 132 बिजली ट्रांसफार्मर और 812 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं।

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में गाद प्रबंधन नीति बनाने पर बनी सहमति : सम्राट चौधरी

एजेंसी
पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने झारखंड की राजधानी रांची में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक में गुरुवार को पड़ोसी राज्यों के साथ बिहार का पक्ष मजबूती से रखा। शाह ने उपमुख्यमंत्री चौधरी की बातों का गंभीरता से संज्ञान लिया।साथ ही उन्होंने बिहार के विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रयासों के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। इस बैठक मेंझारखंड के अलावा बिहार,पश्चिम बंगाल और ओडिशा राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री आदि ने भाग लिया। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि बिहार के जल ग्रहण क्षेत्र में गंगा, कोसी सहित विभिन्न नदियों से प्राप्त जल स्त्राव एवं गाद के कारण प्रत्येक वर्ष बाढ़ की विभीषिका से मुक्ति पाने के लिए व्यापक गाद प्रबंधन नीति तैयार करने पर बैठक में सहमति बनी। उन्होंने जल संसाधन से जुड़े विषयों पर कहा कि इन्द्रपुरी जलाशय वाणसागर समझौता के तहत अविभाजित बिहार के लिए कर्णांकित सोन नदी के जल का बंटवारे का फॉर्मूला तय हुआ, जिसमें बिहार को 5.75 एमएएफ और झारखंड राज्य को 2.00 एमएएफ मिलने पर सहमति बनी। उन्होंने फरक्का बराज के निर्माण के कारण प्रभावित गंगा नदी की अविरलता को बरकरार रखने एवं बिहार-पश्चिम बंगाल सीमा में कटाव निरोधक कार्यों पर होने वाले व्यय का शत-प्रतिशत वहन भारत सरकार से करने का अनुरोध किया।

झारखंड के विश्व प्रसिद्ध देवघर श्रावणी मेला का वैदिक मंत्रों के साथ हुआ उद्घाटन

एजेंसी
रांची। झारखंड के विश्व प्रसिद्ध देवघर के श्रावणी मेला का वैदिक मंत्रों के साथ विधिवत उद्घाटन हुआ। झारखंड सरकार के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार, श्रम मंत्री संजय यादव और पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काट कर उद्घाटन किया। दुम्मा द्वार का फीता काटने से पहले तीनों मंत्री समेत जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों ने मंदिर के तीर्थ पुरोहितों के साथ वैदिक मंत्रों का उच्चारण के बीच विधिवत पूजा अर्चना की। पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार, श्रम एवं उद्योग मंत्री संजय यादव ने दुम्मा द्वार से प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं के साथ बम बम भोले और बोल बम का जयकारा भी लगाया। इस अवसर पर मंत्री सुदिव्य कुमार ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इस विश्व प्रसिद्ध मेला के लिए हर वर्ष

की तुलना में इस वर्ष सबसे खास इंतजाम किए गए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से श्रद्धालुओं को सुविधा मुहैया कराई जाएगी। इस मेले में दुनिया भर के लोग आते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े सफल आयोजन का संचालन तभी होता है जब समाज और स्थानीय लोगों की मदद मिले, इसलिए उन्होंने देवघर वासियों से अपील करते हुए कहा कि लोगों के साथ बेहतर व्यवहार बनाकर रखें। मंत्री सुदिव्य ने बताया कि अगले सावन को लेकर भी उनके मन में कई तैयारियों की योजना है। देवघर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अगले साल तक दो फ्लाईओवर का निर्माण करवाने को लेकर अधिकारियों से चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि इस मेले के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री को भी आना था लेकिन रांची में केंद्रीय गृह मंत्री के नेतृत्व में होने वाली बैठक में शामिल होने की वजह से वह नहीं आ पाए। पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि श्रावणी मेले में जो इंतजाम जिला प्रशासन की ओर से किए गए हैं, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वो कम है। उन्होंने कहा कि झारखंड के सबसे बड़े आयोजनों में श्रावणी मेला का नाम आता है। इस मेले में आसपास के राज्यों के लोग ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के श्रद्धालु यहां आस्था के साथ पहुंचते हैं।

कांवड़ यात्रा के लिए नमो भारत ट्रेन की फ्रीक्वेंसी बढ़ाई गई, अब 15 के बजाय 10 मिनट में चलेंगी ट्रेनें

एजेंसी
गाजियाबाद। सावन के पावन महीने में बड़ी संख्या में हरिद्वार जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने नमो भारत ट्रेन की फ्रीक्वेंसी बढ़ाने का फैसला किया है। अब इस रूट पर हर 15 मिनट के स्थान पर 10 मिनट के अंतराल पर ट्रेनें चलेंगी। इस बार 11 जुलाई, शुक्रवार से सावन महीने की शुरुआत हो रही है। इस माह दिल्ली-मेरठ और आसपास के बड़ी संख्या में श्रद्धालु कांवड़ के लिए हरिद्वार से गंगा जल लेने जाते हैं। ऐसे में यात्रियों और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एनसीआरटीसी ने 11 जुलाई से न्यू अशोक नगर और मेरठ साउथ के बीच परिचालित कॉरिडोर पर नमो भारत ट्रेन की फ्रीक्वेंसी बढ़ा दी गई है। कांवड़ यात्रा के दौरान नमो भारत ट्रेन 15 मिनट के बजाय 10

मिनट के अंतराल पर चलेगी। यह सुविधा सुबह 8 से 11 बजे तक और शाम को 5 बजे से 8 बजे के लिए यात्रियों को मिलेगी। एनसीआरटीसी ने यह बयान जारी कर बताया कि मेरठ में इस समय नमो भारत और मेरठ मेट्रो से जुड़े कार्य भी प्रगति पर हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और उनके हरसंभव सहयोग के लिए एनसीआरटीसी सभी जरूरी कदम उठा रहा है। मेरठ में साइट्स व स्टेशनों को सुरक्षित बनाए रखने के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। यातायात प्रबंधन के तहत प्रमुख स्थलों पर एनसीआरटीसी की ओर से ट्रैफिक मार्शल तैनात किए जा रहे हैं। सभी स्टेशनों और उनके आसपास पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की गई है। नमो भारत अलाइनमेंट से गुजरने वाली सड़कों पर गड्ढों और क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कर दी गई है और शेष कार्य को भी पूरा किया जा रहा है। इस दौरान सड़कों पर निर्माण गतिविधि नहीं की जाएगी, विशेषकर भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में। स्टेशन के पास या साइट के आसपास वाहन पार्क नहीं किए जाएंगे। एनसीआरटीसी हरसंभव तरीके से स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर श्रद्धालुओं के सहयोग और सुरक्षा के लिए प्रयासरत है।

गंभीरा पुल दुर्घटनाः कार्यपालक अभियंता, दो उप कार्यपालक अभियंता और सहायक अभियंता निलंबित

एजेंसी
गांधीनगर। वडोदरा और आणंद को जोड़ने वाले मुझपुर-गंभीरा पुल दुर्घटना के मामले में राजमार्ग और भवन विभाग के एक कार्यपालक अभियंता, दो उप कार्यपालक अभियंता और एक सहायक अभियंता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने घटना की उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए थे। वडोदरा और आणंद को जोड़ने वाले मुझपुर-गंभीरा पुल दुर्घटना के बाद से मुख्यमंत्री ने राजमार्ग और भवन विभाग तथा संबंधित जिला कलेक्टरों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखते हुए राहत और बचाव कार्य को लेकर निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने विशेषज्ञों की टीम को दुर्घटनाग्रस्त मुझपुर-गंभीरा पुल की अब तक हुई मरम्मत, निरीक्षण, गुणवत्ता जांच जैसी बातों पर रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी थी। की टीम ने दुर्घटना स्थल के निरीक्षण के बाद प्रारंभिक जांच के बाद अपनी रिपोर्ट सौंपी जिसके बाद जिम्मेदार पाए गए अधिकारियों- एन.एम. नायकावाला (कार्यपालक अभियंता), यू.सी. पटेल (उप कार्यपालक अभियंता), आर.टी. पटेल (उप कार्यपालक अभियंता) और जे.वी. शाह (सहायक अभियंता) को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्णय मुख्यमंत्री ने लिया है। इसके अतिरिक्त, राज्य के अन्य पुलों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक हित में उनकी भी तुरंत सघन जांच करवाने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए हैं।

तीन लाख के इनामी समेत छह नक्सली गिरफ्तार

एजेंसी
सुकमा। नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत डीआरजी. कोंन्टा व थाना भेज्जी का बल एवं 218 बटालियन के.रि.पु. बल की ''बी''+''जी'' एवं यंग प्लाटून की संयुक्त पुलिस पार्टी दो भागों में विभक्त होकर ग्राम नीलामड़गू एवं ग्राम पीलावाया की ओर नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना हुई थी। अभियान के दौरान ग्राम पीलावाया से तीन लाख के ईनामी दो नक्सली एवं ग्राम एटेगट्टा से विस्फोटक के साथ 4 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही के उपरांत गिरफ्तार सभी 6 नक्सलियों को आज गुरूवार को न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल कर दिया गया है। इस कार्यवाही में डी.आर.जी. सुकमा, जिला पुलिस बल थाना कोन्टा-भेज्जी एवं 218 बटालियन केरिपु. बल की ''बी+जी'' व यंग प्लाटून तथा 219 बटालियन के आसूचना शाखा का योगदान रहा। पुलिस के अनुसार, अभियान के दौरान ग्राम पीलावाया में घेराबंदी कर दो नक्सली 1. कुंजाम मुका पिता स्व. कुंजाम जोगा निवासी-ग्राम पीलावाया थाना कोन्टा (कोन्टा एरिया कमेटी अंतर्गत मेहता आर.पी.जनताना सरकार अध्यक्ष, ईनामी 1 लाख रूपये) 2. माड़वी मुया पिता माड़वी केशा निवासी-पीलावाया थाना भेज्जी (कोन्टा एरिया कमेटी अंतर्गत मेहता आर.पी.सी. मिलिशिया कमाण्डर, ईनामी 2 लाख रूपये) के विरूद्ध थाना कोन्टा में पूर्व से अपराध क्रमांक 37/2023 धारा 147, 148, 149, 307, 71-ग भा.द.वि. 25, 27 आर्म्स एक्ट का मामला जिसमें विधानसभा चुनाव के दौरान मतदान केन्द्र बण्डा में चुनाव ड्यूटी में लगे सुरक्षा बलों के उपर फायरिंग करने की घटना में संलिप्त होना पाया गया। इसी प्रकार नक्सली आरोपित माड़वी माड़वी मुया पिता माड़वी केशा उ निवासी-पीलावाया थाना भेज्जी के विरूद्ध थाना कोन्टा में अपराध क्रमांक 28/2024 धारा 191(2), 191(3), 190, 140(1), 103(1), 115(2), 351(3) भा.न्याय संहिता, 25, 27 आर्म्स एक्ट 08 (3), (5) छ0ग0 विशेष जन सुरक्षा अधिनियम के मामले में ग्राम गंगराजपाड़ निवासी आम नागरिक ताती बुधरा की हत्या की घटना में संलिप्त होना पाया गया। दोनों नक्सली आरोपित गिरफ्तारी के भय से विगत कई दिनों से फरार थे जिनकी लम्बे समय से पुलिस तलाश कर रही थी। इसी प्रकार मुखबीर से सूचना मिली थी कि 4 संदिग्ध व्यक्ति इन्जरम से भेज्जी मुख्य मार्ग पर विगत 2 दिनों से लगातार किसी अप्रिय घटना को अंजाम देने के लिए रैकी कर रहे हैं।

लॉर्ड्स में जो रूट ने जड़ा शतक, राहुल द्रविड़ का ये रिकॉर्ड तोड़ा

मैनचेस्टर (एजेंसी)। लीड्स में भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वहीं इस दौरान इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने आखिरकार अपने फेवरेट वेन्यू में ये इंतजार खत्म कर दिया। ऐतिहासिक लॉर्ड्स स्टेडियम में जो रूट ने टीम इंडिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में एक यादगार शतक जमा दिया। ये रूट के टेस्ट करियर का 37वां शतक है और इसके साथ ही वो महान भारतीय बल्लेबाज राहुल द्रविड़ और ऑस्ट्रेलिया के स्टार स्टीव स्मिथ से आगे निकल गए।

लॉर्ड्स में 10 जुलाई से शुरू हुए तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन बैटिंग के लिए उतरे रूट 99 रन पर नाबाद लौटे थे। ऐसे में हर किसी की नजरें इस पर थीं कि क्या वो दूसरे दिन अपना शतक पूरा कर पाते हैं या नहीं। लेकिन रूट ने नर्वस नाइंटीज की बाधा को पार किया और ये मुकाम हासिल कर लिया। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान रूट ने दिन की पहली ही गेंद पर चौका जमाते हुए अपना शतक पूरा कर लिया। इसके साथ ही वो सबसे ज्यादा शतक जमाने वाले बल्लेबाजों में 5वें नंबर पर पहुंच गए।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड के लिए जो रूट को पहले सेशन में ही क्रीज पर उतरना पड़ा था। सिर्फ 44 रन पर 2 विकेट गिरने के बाद रूट ने ऑली पोप के साथ मिलकर पारी को संभाला और टीम को बेहतर स्थिति में पहुंचाया। फिर उन्हें कप्तान बेन स्टोक्स का साथ मिला और दोनों ने दिन का खेल खत्म होने तक कोई विकेट नहीं गिरने दिया। हालांकि, दूसरे दिन रूट का शतक होने के बाद वह अपना विकेट गंवा बैठे।

जो रूट के नाम सबसे ज्यादा रिकॉर्ड

रूट के नाम अब 37 शतक हो गए हैं। उन्होंने इस तरह पूर्व भारतीय बल्लेबाज राहुल द्रविड़ और ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा स्टार स्टीव स्मिथ को पीछे छोड़ दिया है। दोनों के नाम 36-36 शतक हैं। इस तरह सचिन तेंदुलकर, जैक कैलिस, रिकी पोंटिंग और कुमार संगाकारा के बाद रूट सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले 5वें बल्लेबाज बन गए हैं।

ऋषभ पंत डॉक्टरों की निगरानी में, लॉर्ड्स में चोट के बाद जुरेल को मिली विकेटकीपिंग

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने कहा कि भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन दूसरे सत्र के खेल के दौरान अपने बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लगने के बाद मैदान से बाहर चले गए जिसके बाद वह चिकित्सकीय टीम की निगरानी में हैं।

BCCI ने एक बयान में कहा कि पंत पर चिकित्सकीय टीम की निगरानी है और उनकी जगह ध्रुव जुरेल को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बीसीसीआई ने कहा, 'टीम इंडिया के उप-कप्तान ऋषभ पंत के बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लगी है। फिलहाल उनका इलाज चल रहा है और वे चिकित्सकीय टीम की निगरानी में हैं। ऋषभ की अनुपस्थिति में ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग कर रहे हैं।'

चोट लगने के बाद मैदान में दिए गए उपचार के बाद भी पंत को कोई फायदा नहीं हुआ और वह मैदान से बाहर चले गए जिनकी जगह ध्रुव जुरेल को भेजा गया जबकि वह तीसरे टेस्ट के लिए अंतिम एकादश में भी शामिल नहीं थे। पारी के 34वें ओवर में जसप्रीत बुमराह की गेंद को लेग साइड में रोकने के लिए डाइव लगाने के बाद पंत दर्द से कराह रहे थे।

पंत गेंद पर हाथ लगाने में कामयाब रहे लेकिन इसे पूरी तरह से रोक नहीं पाए। इसके बाद खेल कुछ देर के लिए रुका रहा क्योंकि भारतीय सहयोगी स्टाफ पंत के हाथ का उपचार करने के लिए मैदान में थे। लेकिन खेल फिर से शुरू होने पर वह विकेटकीपिंग करने में असमर्थ हो गए। अंत में बुमराह का ओवर समाप्त होने के बाद पंत मैदान से बाहर चले गए और जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली।

अंपायर से भिड़ गए कप्तान शुभमन गिल, जमकर हुई बहस

लॉर्ड्स (एजेंसी)। लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय कप्तान शुभमन गिल को गुस्से में देखा जा सकता है। पहले सेशन में गिल के साथ ही तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अंपायर्स पर भड़कते दिख रहे हैं। इस दौरान की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे हैं।

दरअसल, इंग्लैंड की पारी के 91वें ओवर में हुई, जब भारत दूसरे दिन के पहले घंटे के खेल के दौरान बेन स्टोक्स, शतकवीर जो रूट और क्रिस वोक्स को आउट करने के बाद मैच पर हावी था। 91वें ओवर की कुछ गेंदों के बाद जब दूसरी नई गेंद 10.4 ओवर पुरानी थी, गिल ने गेंद के आकार को लेकर शिकायत की। अंपायर पॉल रीफेल ने अपनी जेब से रिंग निकाली और गेंद टेस्ट में पास नहीं हुई। इससे गेंद में बदलाव का संकेत मिले, क्योंकि चौथे अंपायर बॉल बॉक्स लेकर आया। अंपायरों ने एक गेंद चुनी और गिल तुरंत उससे नाखुश हो गए।

उन्होंने अंपायर शरफुद्दौला से तीखी बहस की। गिल पीछे हटने को तैयार नहीं थे और लगातार शिकायत करते रहे, लेकिन उन्हें अपनी फील्डिंग पोजीशन पर वापस जाने को कहा गया ताकि खेल फिर से शुरू हो सके। सिराज अंपायर के पास गए और गेंद को देखा, उसके बाद स्टंप माइक पर उन्हें ये कहते सुना गया, ये 10 ओवर पुरानी गेंद हैं? सचमुच?

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे मैच में भी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

लॉर्ड्स (एजेंसी)। लंदन (ईएमएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम शनिवार को यहां बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांचवें और अंतिम मैच को भी जीतने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले ही ये सीरीज जीत ली है। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। भारतीय टीम इस सीरीज में 3-1 से आगे हैं। इस मैच को जीतने के साथ ही उसकी बढ़त 4-1 हो जाएगी। भारतीय टीम ने पिछले सप्ताह एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था जिससे वह इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार है। उत्सुक होगी। भारतीय गेंदबाजों विशेषकर स्पिनरों अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज भारतीय स्पिनरों के सामने संघर्ष करते दिखे हैं। इस सीरी में अब तक स्पिनरों ने 22 विकेट लिए हैं। राधा यादव और श्री चरणी ने इस सीरीज में जबरस्त प्रदर्शन किया है। वहीं दूसरी ओर केवल एक मैच जीती मेजबान इंग्लैंड की महिला टीम के लिए स्पिनर दीप्ति शर्मा के नेतृत्व में भारत के स्पिन आक्रमण का सामना करना आसान नहीं रहेगा। बल्लेबाजी में भारत की स्मृति मंधाना ने अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं। उन्होंने शेफाली वर्मा के साथ मिलकर भारत को आक्रामक शुरुआत दिलाई है। जेमिमा रोड्रिग्स मध्यक्रम में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं हालांकि कप्तान कहरमनप्रीत कौर अभी तक अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखीं हैं।।

वहीं इंग्लैंड के लिए कप्तान नैट साइवर-ब्रंट के बिन परेशानी बढ़ गयी है। ब्रंट फिट नहीं होने के कारण बाहर हो गयी हैं। इससे उसका संतुलन गड़बड़ा गया है। उसके बल्लेबाजों में सोफिया डंकले ही केवल रन बना रही हैं। सलामी बल्लेबाज़ डंकले और डैनी वायट-हॉज अच्छी शुरुआत नहीं दे पायी हैं। उसका मध्यक्रम भी लड़खड़ा गया है। गेंदबाजी विभाग में तेज गेंदबाज लॉरेन बेल ने छह विकेट लेकर अच्छा प्रदर्शन किया है पर उसने अन्य गेंदबाज फिसल हैं

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, एन श्री चरणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे।

इंग्लैंड: टैमी ब्यूमोंट (कप्तान), एम अर्लट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, एमी जोन्स (विकेट कीपर), पैगी स्कोल्फील्ड, लिंसे स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज, इसी वोंग, माइया बाउचियर।

आईसीसी नियम के अनुसार जुरेल नहीं कर सकेंगे ऋषभ की जगह पर बल्लेबाजी

लॉर्ड्स (।यहां इंग्लैंड के खिलाफ जारी तीसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले ही दिन भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की अंगुली में चोट लग गयी जिसके बाद उनकी जगह पर विकेकीपिंग करने के लिए ध्रुव जुरेल मैदान पर उतरे। ऋषभ के अब इस मैच मे विकेटकीपिंग करने की संभावना नहीं है। ऐसे में जुरेल ही विकेटकीपिंग संभालेंगे। जुरेल इस मैच में केवल विकेटकीपिंग ही करेंगे बल्लेबाजी नहीं कर पायेंगे। इसका कारण आईसीसी का एक नियम है। आईसीसी के इस नियम के अनुसार अगर कोई खिलाड़ी चोटिल होता है तो उसका सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी ना तो गेंदबाजी कर सकता है और ना बल्लेबाजी या कप्तानी अंपायरों की सहमति से वह विकेट कीपिंज जरूर कर सकता है। नियमों में आगे कहा गया है, केवल एक नामित खिलाड़ी ही बल्लेबाजी कर सकता है और.ऐसा तब भी कर सकता है, जब पहले एक सबस्टीट्यूट प्लेयर ने उसके लिए काम किया हो।

टॉस हारने में सबसे आगे है भारतीय टीम

लॉर्ड्स ।भारतीय क्रिकेट टीम टॉस हारने के मामले में शीर्ष पर पहुंच गयी है। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में टॉस हारने के साथ ही भारतीय टीम के नाम ये अनचाहा रिकार्ड दर्ज हो गया है। भारतीय टीम अब तक लगातार 13 टॉस हारी है। वहीं वेस्ट इंडीज की टीम 12 बार टॉस हारी थी। इंग्लैंड के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज में भारतीय कप्तान शुभमन गिल तीनों मैचों में टॉस हारे हैं। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 2025 में आखिरी बार इंग्लैंड के खिलाफ टी20 मैच के दौरान टॉस जीता था। भारत के नाम सबसे ज्यादा टॉस हारने का रिकॉर्ड है। भारत 31 जनवरी 2025 से 10 जुलाई 2025 तक कुल 13 मैचों में टॉस हारा है।

रोहित शर्मा से छिन सकती है वनडे टीम की कप्तानी, इस खिलाड़ी का नाम आ रहा सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ट के बाद अब शुभमन गिल भारत की वनडे क्रिकेट टीम के कप्तान बनने की जानकारी सामने आई है। फिलहाल इस पद पर रोहित शर्मा हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार गिल 2027 विश्व कप में भारत की कप्तानी करेंगे और निकट भविष्य में यह पद संभालेंगे। रोहित कब तक अपनी जगह बनाए रख पाएंगे, यह स्पष्ट नहीं है। अन्य रिपोर्टों का दावा है कि गिल अक्टूबर में भारत तीन मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान वनडे टीम की कप्तानी करेंगे। दिसंबर 2024 में जब रोहित ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें टेस्ट से खुद को अलग कर लिया था जो भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में उनका आखिरी कार्यकाल भी था। इस बात की अटकलें तेज हो गई थी। उन्होंने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में टीम का नेतृत्व किया और भारत के लिए वनडे और टेस्ट खेलने की अपनी इच्छा बनाए रखी (उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास ले लिया)। हालांकि इंग्लैंड टेस्ट टीम की घोषणा होने से पहले ऐसी खबरें आईं कि बीसीसीआई चयनकर्ताओं ने रोहित को टेस्ट कप्तानी से हटाने का फैसला किया है। इसके तुरंत बाद, इस सीनियर स्टार ने इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी। रोहित वनडे विश्व कप जीतना चाहते हैं और उन्होंने इसका जिक्र भी किया था। ऐसे में जब विश्व कप 2027 में है तो रोहित फिट रहना चाहेंगे ताकि 2023 संस्करण के निराशाजनक प्रदर्शन को बदला जा सके, जहां भारत अहमदाबाद में फाइनल में हार गया था। वहीं उनके साथी विराट कोहली का भी यही लक्ष्य है जो टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं। गिल ने टेस्ट से पहले वनडे में खुद को स्थापित किया, और 2023 और 2024 में सलामी बल्लेबाज के तौर पर शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लैंड में उनकी कप्तानी प्रभावशाली रही है, जिसमें अच्छे रणनीतिक फैसले और साथियों के साथ खुला संवाद शामिल है।

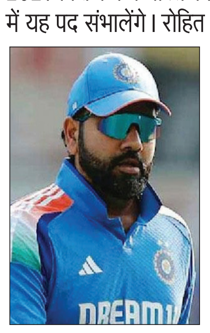

दो देशों के लिए खेल चुके पीटर मूर ने संन्यास की घोषणा की, 35 की उम्र में क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड के बल्लेबाज पीटर मूर ने 35 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने अपने करियर को अलविदा कहने से पहले 85 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। हरारे में जन्मे मूर ने आयरलैंड जाने से पहले जिम्बाब्वे के साथ अपना अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू किया था। उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच इसी साल फरवरी में बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में खेला था।

नवंबर 2014 में, मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय मैच के दौरान मूर ने जिम्बाब्वे के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया। उन्होंने 2016 में क्रमशः न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान के खिलाफ अपना टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया। उनके 49 वनडे, 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय और 8 टेस्ट मैच ज़िम्बाब्वे के लिए खेले। उन्होंने अक्टूबर 2022 में आयरलैंड के लिए खेलने के लिए अर्हता प्राप्त की, क्योंकि उनकी नानी की आयरिश विरासत के कारण उनके पास आयरिश पासपोर्ट था। उन्हें पहली बार मार्च-अप्रैल 2023 में बांग्लादेश और श्रीलंका के टेस्ट दौरों के लिए आयरलैंड की टीम में चुना गया था। इसके बाद उन्होंने आयरलैंड के लिए सात टेस्ट मैच खेले।

पीटर मूर ने कहा, 'मुझे अब भी लगता है कि शीर्ष स्तर पर मेरे अंदर तीन या चार साल का अच्छा क्रिकेट खेलने का मौका है। भले ही पिछले कुछ सालों में मैं जिम्बाब्वे के लिए कुछ विश्व कप से चूक गया हूं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि मैं अगले विश्व कप में आयरलैंड के लिए खेल सकूंगा।' हालांकि मूर ने आयरलैंड के लिए कभी कोई वनडे या टी20 मैच नहीं खेला। वहां जाने के बाद उनका टेस्ट प्रदर्शन भी गिर गया, जिम्बाब्वे के लिए आठ टेस्ट मैचों में उनका औसत 35.53 रहा जिसमें 5 अर्धशतक शामिल थे, लेकिन आयरलैंड के लिए उनका औसत केवल 14.35 रहा जिसमें एक अर्धशतक शामिल था।

आयरलैंड के लिए उनका एकमात्र अर्धशतक जुलाई 2024 में जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत में आया था। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 85 मैचों में इस बल्लेबाज ने 22.91 की औसत से 11 अर्धशतकों के साथ 1925 रन बनाए। मूर दो अलग-अलग देशों के लिए टेस्ट मैच खेलने वाले 17 क्रिकेटरों में से एक के रूप में संन्यास लिया।

भारत को नीतीश को टीम में बनाए रखना चाहिए : अनिल कुंबले

लंदन। पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें टेस्ट टीम में नियमित रूप से शामिल किया जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने खुद को अनुशासन और प्रतिभा का बेहतरीन मिश्रण साबित किया है। इंग्लैंड के मौजूदा दौरे में अपना दूसरा मैच खेल रहे रेड्डी गुरुवार को तीसरे टेस्ट के पहले दिन दो विकेट लेकर सबसे सफल भारतीय गेंदबाज रहे। कुंबले ने जियोस्टार से कहा, 'मैं यह देखकर हैरान था कि नीतीश कुमार रेड्डी ने कितनी अच्छी गेंदबाजी की। उन्होंने लगातार सही क्षेत्रों में गेंद डाली। वह भाग्यशाली थे जो उन्हें लेग साइड में डाली गई शॉर्ट पिच गेंद पर विकेट मिला लेकिन इसके अलावा उन्होंने पूरे दिन अनुशासित गेंदबाजी की।' उन्होंने कहा, 'नीतीश ने आस्ट्रेलिया में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था तथा शतक लगाया था। इसके अलावा उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की थी भले ही उन्हें ज्यादा विकेट नहीं मिले थे। टीम के मुख्य तेज गेंदबाजों को राहत देने और साझेदारी तोड़ने के लिए उनके जैसे गेंदबाज की जरूरत होती है।' इस दिग्गज लेग स्पिनर ने आगे कहा, 'उन्होंने एक स्पेल में लगभग 14 ओवर फेंके जिससे उनकी फिटनेस और गेंदबाजी पर नियंत्रण का पता चलता है। वह युवा हैं। अच्छे बल्लेबाज हैं और शतक लगा चुके हैं। वह अच्छे क्षेत्र रक्षक ही हैं। भारत को उन्हें टीम में बनाए रखना चाहिए और बदलाव करने के प्रलोभन से बचना चाहिए।'

योगराज बोले गंभीर अच्छा काम कर रहे, सीरीज जीतेगी भारतीय टीम

चंडीगढ़ ।पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने कहा है कि भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर अच्छा काम कर रहे हैं। इसलिए उनकी आलोचना न करें। योगराज के अनुसार गंभीर के मार्गदर्शन और शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम इस सीरीज में जरुर जीतेगी। दोनो ही टीमें अभी सीरीज में 1-1 से बराबरी पर हैं। अपने विवादास्पद बयानों के लिए चर्चाओं में रहने वाले योगराज ने कहा, भारतीय खिलाड़ी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर अपना खेल सुधार रहे हैं। हमें हमेशा उनका समर्थन करना चाहिए। इसके अलावा गंभीर को लेकर भी नकारात्मक टिप्पणी नहीं करनी चाहिये क्योंकि वह अच्छा काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, गंभीर, युवराज सिंह और राहुल द्रविड़ अब क्रिकेट को अपनी तरफ से दे रहे हैं क्योंकि क्रिकेट से उन्हें बहुत कुछ मिला है। अब अगर हमारी टीम सीरीज हारती भी है तो भी हमें उनका समर्थन करन चाहिए। योगराज ने उम्मीद जताई है कि टीम इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज में बेहतर करेगी। उन्होंने कहा, अगर आप हारते हैं तो आपको सफाई नहीं देना है; अगर आप जीतते हैं तब भी आपको कुछ समझाने की जरूरत नहीं है। हमें उम्मीद है कि हम शुभमन गिल की कप्तानी में सीरीज जीतेंगे। इससे पहले गंभीर का कोच के तौर पर रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। भारतीय टीम को उनके कोच रहते पहले न्यूजीलैंड और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी ही धरती पर हार का सामना करना पड़ा है। वहीं अब इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज की शुरुआत टीम रही है और टीम ने अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी का प्रदर्शन किया है। युवा कप्तान शुभमन गिल ने जिस आत्मविश्वास से कप्तानी की है उससे उनके बढ़े हुए मनोबल का अंदाजा होता है।

विंबलडन 2025 : वर्बीक और सिनियाकोवा ने रचा इतिहास, जीता मिक्स्ड डबल्स खिताब

लंदन। चेक गणराज्य की कैटेरीना सिनियाकोवा और नीदरलैंड्स के सेम वर्बीक ने गुरुवार (स्थानीय समयानुसार) को विंबलडन 2025 का मिक्स्ड डबल्स खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने ब्रिटेन के जो सालिसबरी और ब्राज़ील की लुइसा स्टेफनी को सीधे सेटों में 7-6(3), 7-6(3) से हराया। सेंटर कोर्ट पर घरेलू खिलाड़ी सालिसबरी और उनकी जोड़ीदार स्टेफनी के खिलाफ खेले गए इस मुकाबले में चेक-डच जोड़ी ने संयम और आत्मविश्वास का परिचय दिया। दूसरे सेट में स्टेफनी को पैर में परेशानी भी नजर आई, जिसका असर उनकी मूवमेंट पर पड़ा। जीत का आखिरी बिंदु कैटेरीना सिनियाकोवा के ओवरहेड स्मैश के साथ आया, जिसके बाद दोनों खिलाड़ियों ने खिताबी जीत का जश्न मनाया। यह दोनों की एक साथ पहली खिताबी जीत है। जहां सिनियाकोवा का यह पहला मिक्स्ड डबल्स ग्रैंड स्लैम खिताब है, वहीं 31 वर्षीय वर्बीक के करियर का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। खिताब जीतने के बाद 29 वर्षीय सिनियाकोवा ने कहा, 'यह बहुत खास है। इस टूर्नामेंट में खेलकर और जीतकर बहुत मज़ा आया। यह एक शानदार अनुभव था।'

टेनिस खिलाड़ी बेटी को पिता ने मारी गोलियां, अकादमी चलाने से नाराज था, लोग कसते थे तंज

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम में एक पिता ने अपनी बेटी की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतका राधिका यादव एक टेनिस खिलाड़ी थी। पिता दीपक यादव ने अपनी बेटी पर 5 गोलियां चलाई जिनमें से तीन उसे लगीं। पुलिस ने उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला गुरुग्राम के सुशांत लोक फेज 2 का है।

पुलिस ने बताया कि व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी बेटी की हत्या इसलिए की क्योंकि वह अपनी बेटी द्वारा टेनिस अकादमी चलाने से नाराज था और लोग उस पर फब्तियां कसते थे कि वह उसकी कमाई पर गुजारा कर रहा है। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि पिता अपनी पुत्री के इंस्टाग्राम पर वीडियो बनाने से पसेशान था। पुलिस के मुताबिक उन्हें एक फोन आया था कि गोली लगने से घायल एक महिला को अस्पताल में मृत लाया गया है। पुलिस मृतक के घर गई और पाया कि वह एक टेनिस अकादमी चलाती थी और उसके पिता ने उसे गोली मार दी थी।

उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया और प्रारंभिक जांच के दौरान उसने अपनी बेटी की हत्या करना कबूल कर लिया। शिकायत आरोपी के भाई ने दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि दीपक अपनी बेटी द्वारा टेनिस अकादमी चलाने से नाराज था और उसे अकादमी बंद करने के लिए मजबूर कर रहा था। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान दीपक ने बताया कि उसकी बेटी ने कंधे में चोट लगने के बाद एक अकादमी खोली थी। जब भी वह वजीराबाद स्थित अपने गांव जाता था, तो लोग उसकी बेटी की कमाई पर गुजारा करने के लिए उस पर ताने कसते थे जिससे उसकी गरिमा को ठेस पहुंचती थी।

दीपक ने बताया कि उसने अपनी बेटी से अकादमी बंद करने को कहा था, लेकिन उसने मना कर दिया, जिससे वह नाराज हो गया। आज, उसने कथित तौर पर अपनी रिवॉल्वर निकाली और उसे गोली मार दी। आरोपी के भाई ने अपनी शिकायत में कहा, %सुबह करीब 10 बजे, मुझे एक तेज आवाज सुनाई दी और जब मैं पहली मंजिल पर गया, तो मैंने अपनी भतीजी (राधिका) को रसोई में और बंदूक को ड्राइंग रूम में पड़ा देखा। मैं और मेरा बेटा उसे एशिया मारिंगो अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।' आरोपी के भाई ने कहा, 'मेरा भाई .32 बोर की रिवॉल्वर इस्तेमाल करता था, और वह उसी की थी।'

राधिका राष्ट्रीय स्तर की टेनिस खिलाड़ी थीं और उन्होंने कई प्रतियोगिताएं जीती थीं। 25 वर्षीय पीड़िता की गुरुग्राम सेक्टर-57 स्थित उसके घर में सुबह करीब 10 बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने उसके पिता द्वारा इस्तेमाल की गई बंदूक जब्त कर ली है और मामले की जांच की जा रही है।

कृष की चौथी किस्त में ऋतिक की तिहरी भूमिका, रेखा और प्रीति जिंटा भी होंगी हिस्सा

ऋतिक रोशन की मशहूर सुपरहीरो सीरीज कृष एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार है। कृष 4 अब तक की सबसे बड़ी, सबसे रोमांचक और भावनात्मक कहानी लेकर आ रही है। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के बाद दो और बड़े नाम जुड़ने की जानकारी सामने आई है।

शानदार कलाकारों की वापसी

एक खबर के मुताबिक, प्रियंका चोपड़ा अपनी पुरानी भूमिका में लौट रही हैं, जिसे लेकर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। साथ ही, रेखा और प्रीति जिंटा भी इस फिल्म का हिस्सा होंगी। रेखा, जो कोई मिल गया और कृष में ऋतिक की मां की भूमिका निभा चुकी हैं, कहानी को जोड़े रखेंगी, जबकि प्रीति जिंटा की वापसी नए रंग लाएंगी। इस बार ऋतिक रोशन तीन अलग-अलग किरदार निभाएंगे। जो अतीत, वर्तमान और भविष्य से जुड़े होंगे। कहानी एक बड़े वैश्विक खतरे के इर्द-गिर्द घूमेगी, जिसमें कृष को अलग-अलग रूप लेने होंगे। कृष 4 में शानदार विज़ुअल इफेक्ट्स और जबरदस्त एक्शन होगा। साथ ही, यह फिल्म परिवार, प्यार और बलिदान की भावनाओं को भी छूएगी। वाईआरएफ स्टूडियो में प्री-विज़ुअलाइजेशन का काम शुरू हो चुका है, और यह फिल्म अंतरराष्ट्रीय स्तर के वीएफएक्स से टक्कर लेगी। खास बात यह है कि ऋतिक रोशन पहली बार निर्देशन भी कर रहे हैं और स्क्रिप्ट को बेहतर बनाने के लिए आदित्य चोपड़ा की टीम के साथ काम कर रहे हैं।

क्या होगा खास?

प्री-प्रोडक्शन में चल रही कृष 4 सिर्फ एक सुपरहीरो फिल्म नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा में एक नया कीर्तिमान स्थापित करने जा रही है। बेहतरीन कलाकार, नई कहानी और शानदार दृश्यों के साथ यह फिल्म भारतीय फंतासी और विज्ञान कथा सिनेमा को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

रवि किशन की बेटी रीवा इन शर्तों पर कर सकती हैं भोजपुरी फिल्में

भोजपुरी एक्टर रवि किशन यूं तो तीन बेटियों और एक बेटे यानी 4 बच्चों के पिता हैं, लेकिन यहां बात करने जा रहे हैं उनकी बेटी रीवा के बारे में। भोजपुरी से लेकर बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुके रवि किशन की बेटी रीवा किशन रियल लाइफ में काफी ग्लैमरस हैं और उन्होंने भी अपने पिता के नक्शे कदम पर आगे बढ़ते हुए फिल्मों में कदम बढ़ाने का फैसला लिया था।

ग्लैमर के मामले में सारे स्टार किड्स को टक्कर देती हैं रवि किशन की बेटी रीवा रवि किशन की बेटी रीवा ग्लैमर के मामले में किसी स्टार किड्स से कम नहीं। कई बार तो हॉलीवुड एक्ट्रेस को भी टक्कर देती हैं। रीवा सोशल पर काफी एक्टिव हैं। रीवा ने पिता और फिल्मों से प्रेरित होकर पहले ही एक्टिंग की दुनिया में आगे आने का फैसला ले लिया था। इसके लिए तैयारी भी शुरू की और नसीरुद्दीन शाह के एक्टिंग ड्रामा ग्रुप से एक साल की ट्रेनिंग ली।

सब कुश मंगल से डेब्यू

रीवा ने साल 2020 में सब कुश मंगल फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में अक्षय खन्ना के साथ रीवा के ऑपोजिट पद्मिनी कोल्हापुरे के बेटे प्रियांक शर्मा नजर आए थे। हालांकि, ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चली भी नहीं। हालांकि इसके बाद रीवा किसी फिल्म में नहीं दिखीं, लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। रीवा ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्मों में एंट्री का प्लान उनका हमेशा से था। उन्होंने कहा था, मैं फिल्मों में काम शुरू करने से पहले दुनिया भर में ट्रैवल और एक्टिंग वर्कशॉप करना चाहती हूं। उन्होंने कहा था, मुझे अपने पिता की वजह से अधिक से अधिक तीन फ़िल्में मिलेंगी, लेकिन उसके बाद मुझमें कौन इन्वेस्ट करेगा? ये मेरा टैलेंट होगा जो मुझे यहां बरकरार रहने में मदद करेगा। रीवा ने बताया था कि पापा रवि किशन ने जब उनकी फिल्म का ट्रेलर देखा था तो उन्हें लगा था कि उनके अपने ही घर में ये बच्चा स्टार है। वहीं रीवा ने भोजपुरी फिल्मों में भी काम करने को लेकर बातें की थीं।

अगर अच्छी स्क्रिप्ट मिले

भोजपुरी फिल्मों में काम को लेकर रीवा ने कहा था कि अगर अच्छी स्क्रिप्ट मिले तो वो इस इंडस्ट्री में जरूर काम करेंगी। इसके अलावा भोजपुरी फिल्मों में काम करने की दूसरी शर्त ये रखी कि वो फिल्म डैड (रवि किशन) प्रड्यूस करें, क्योंकि उन्हें यकीन है कि पापा कुछ अमेजिंग लेकर आ सकते हैं।

रणवीर सिंह और प्रभास के बीच होगी बॉक्स ऑफिस पर भिड़ंत, शाहिद कपूर भी होंगे मैदान में

इस साल का दिसंबर फिल्मप्रेमियों के लिए बेहद खास होने वाला है। कारण है एक नहीं, दो नहीं बल्कि बॉक्स ऑफिस पर तीन बड़ी फिल्मों का सीधा टकराव। रिपोर्ट्स की मानें तो रणवीर सिंह की मच अवेटेड फिल्म धुरंधर और प्रभास की द राजा साब अब 5 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं और यही नहीं, इन दोनों फिल्मों के साथ विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म भी उसी दिन रिलीज हो रही है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर महाभारत होना तय माना जा रहा है।

रणवीर और प्रभास की होगी भिड़ंत

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट की मानें तो रणवीर सिंह और प्रभास की टक्कर देखने को मिलेगी। रणवीर सिंह के जन्मदिन यानी 6 जुलाई को जहां धुरंधर का टीजर रिलीज किया जाएगा, वहीं ये भी कन्फर्म कर दिया गया है कि फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य धर कर रहे हैं, जो इससे पहले उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक जैसी ब्लॉकबस्टर बना चुके हैं। फिल्म को लेकर बताया जा रहा है कि ये भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के शुरुआती दिनों और एक गुप्त ऑपरेशन से प्रेरित है, जिसमें पाकिस्तान में अबू कताल नाम के आतंकवादी की रहस्यमयी हत्या को दर्शाया जाएगा।

द राजा साब की रिलीज डेट भी 5 दिसंबर

वहीं दूसरी ओर, प्रभास की द राजा साब एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसमें उन्हें एक अलग अंदाज में देखने को मिलेगा। फिल्म को बड़े पैमाने पर कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि दोनों फिल्मों में संजय दत्त भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

विशाल भारद्वाज की फिल्म भी आएगी

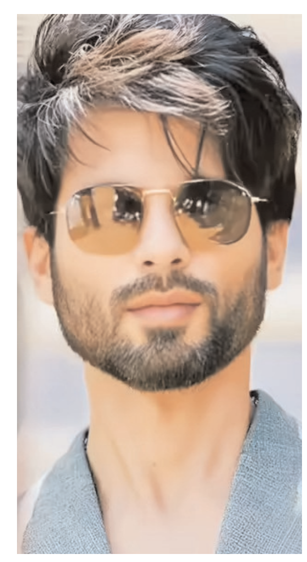

तीसरी फिल्म जो इस दिन रिलीज के लिए तैयार हो रही है, वो है विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म, जिसमें शाहिद कपूर, त्रिप्ती डिमरी, नाना पाटेकर और रणदीप हुड्डा जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आएंगे। इसे साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। रणवीर की धुरंधर जहां थ्रिल, देशभक्ति और इंटेलिजेंस ऑपरेशन्स से भरपूर है, वहीं द राजा साब में हॉरर और कॉमेडी का अनोखा मेल दिखेगा। तीनों ही फिल्में अपने-अपने जनर में जबरदस्त दावेदार हैं, जिससे यह दिन बॉक्स ऑफिस इतिहास में खास दर्ज होने वाला है।

दर्शकों के लिए ये उत्साह से कम नहीं

बॉलीवुड के जानकारों का मानना है कि इस टकराव से सभी फिल्मों को एक-दूसरे की कमाई पर असर झेलना पड़ सकता है। लेकिन वहीं दर्शकों के लिए ये मौका किसी उत्सव से कम नहीं होगा—एक दिन में तीन जबरदस्त फिल्मों का रोमांच। अब देखना दिलचस्प होगा कि रणवीर, प्रभास और शाहिद में से किसकी फिल्म जीतती है दर्शकों का दिल और बॉक्स ऑफिस की जंग।

सीरीज 'स्पेशल ऑप्स 2' की रिलीज डेट बदली, जानें कब दे रही दस्तक?

हाल ही में अभिनेता केके मेनन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह जानकारी दे रहे हैं कि तय तारीख पर सीरीज 'स्पेशल ऑप्स 2' का प्रीमियर नहीं होगा। अब इसकी रिलीज की तारीख बदल चुकी है। क्या है नई तारीख? और ये फैसला क्यों लिया गया है? इस बारे में भी केके मेनन ने जानकारी साझा की। केके मेनन इंस्टाग्राम पर साझा किए गए वीडियो में कहते हैं, 'अब 'स्पेशल ऑप्स 2' 11 जुलाई की बजाय 18 जुलाई को रिलीज होगा। कुछ चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं होती है, इसलिए हमें यह फैसला लेना पड़ा है। मगर दर्शकों को एक साथ ही सभी एपिसोड देखने को मिलेंगे।' यह सीरीज जीयोहॉटस्टार पर स्ट्रीम की जाएगी। 'स्पेशल ऑप्स 2' में भी स्पेशल एजेंट हिम्मत सिंह अपनी टीम के साथ आतंकवादियों का मुकाबला करेगा। इस बार इंटरनेशनल लेवल का मिशन हिम्मत सिंह हैंडल करेगा। नीरज पांडे निर्देशित इस सीरीज में इस बार साउथ के पॉपुलर एक्टर प्रकाश राज भी नजर आएंगे। प्रकाश राज, केके मेनन के अलावा इस सीरीज में करण टैकर, फारुक अली भी नजर आएंगे। ये भी सीरीज में स्पेशल एजेंट्स के रोल में नजर आएंगे। इस सीरीज के पहले सीजन को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। सीरीज का दूसरा पार्ट लगभग पांच साल के बाद वापस आया है।

सानंद ने साझा किया विक्रांत मैसी और शनाया कपूर के साथ काम करने के अनुभव

भाबीजी घर पर हैं फेम अभिनेता सानंद वर्मा की अपकमिंग फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। अभिनेता ने अपने किरदार के बारे में बताया कि इसे रचने में हेमा मालिनी के 'शोले' के किरदार बसंती से प्रेरणा मिली। इस फिल्म में सानंद का किरदार एक मजेदार और बातूनी ड्राइवर का है। सानंद ने अपने किरदार के बारे में बताया, अपकमिंग फिल्म में मेरे किरदार का नाम शौकी लाल है, जिसका नाम भी काफी मजेदार है। वह एक हंसमुख और बातूनी ड्राइवर है, जो बिल्कुल रुकता नहीं और लगातार बात करता है। यह किरदार 'शोले' की बसंती की याद दिलाता है, जो गाड़ी चलाते हुए लगातार बोलती थी, खूब बात करती थी। उन्होंने बताया कि शौकी लाल फिल्म की कहानी में कॉमेडी के साथ एनर्जी भी लाता है, फिल्म का एक खास हिस्सा है। सानंद ने शुरू में सोचा था कि उनका किरदार गुटखा चबाता हो, लेकिन सेट पर डायरेक्टर संतोष सिंह के सुझाव पर इसे हटा दिया गया। सानंद ने बताया, मेरा किरदार स्वाभाविक है, इसलिए ज्यादा तैयारी की जरूरत नहीं पड़ी। मैंने अपनी जिंदगी में कई बातूनी ड्राइवर देखे हैं और 'शोले' को 15 बार देखने के बाद बसंती मेरे लिए एक रेफरेंस बन गई। फिल्म के ड्राइविंग सीन्स उत्तराखंड की पहाड़ियों में खतरनाक मोड़ों पर शूट किए गए हैं। सानंद ने बताया, मैं 22 साल से गाड़ी चला रहा हूं, इसलिए यह मेरे लिए आसान और मजेदार था। सानंद ने को-एक्टर विक्रांत मैसी और शनाया कपूर के साथ काम करने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने बताया, विक्रांत बहुत ही पेशेवर और गंभीर अभिनेता हैं। उनके साथ काम करना शानदार रहा। शनाया ने अपनी डेब्यू फिल्म में कमाल किया। एक इमोशनल सीन में वह कट के बाद भी रोती रहीं, जो उनकी मेहनत और समर्पण को दिखाता है। वह विनम्र हैं और उनमें स्टार किड वाला कोई रवैया भी नहीं है। 'आंखों की गुस्ताखियां' रस्किन बॉन्ड की कहानी 'द आइज हैव इट' से प्रेरित है। फिल्म में शनाया एक थिएटर आर्टिस्ट और विक्रांत एक ब्लाइंड म्यूजिशियन की भूमिका में हैं। यह रोमांटिक ड्रामा 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मैं आज भी आमिर खान सर के टच में हूं

फिल्म तारे जमीन पर में डिस्लेक्सिया बीमारी से पीड़ित बच्चे ईशान नंदकिशोर अवस्थी का रोल निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाले दर्शील सफारी अब बड़े हो गए हैं और अपनी नई वेब सीरीज गेमरलोग को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में दर्शील ने अपने करियर, पढ़ाई और आमिर खान के बारे में ढेर सारी बातें कीं।

दर्शील, आपकी पहली फिल्म तारे ज़मीन पर अब से 18 साल पहले साल 2007 में आई थी। आप अपनी पहली फिल्म से लेकर इस फिल्म तक के सफर के बारे में बताइए।

मेरा पूरा सफर किसी रोलर-कोस्टर से कम नहीं है। मेरा यह सोचना था कि मैं सबसे अनुभवी निर्देशकों के साथ काम कर पाऊं। मुझे शुरू से ही एक झिझक सी होती थी कि मैं एक ट्रेन्ड ऐक्टर नहीं हूं जिसने ऐक्टिंग सीखी हो। तो मुझसे जो भी डायरेक्टर कहते थे, मैं कर लेता था। लेकिन जो चीज़ें ऐक्टिंग को बनाती हैं, चाहे भीतर के इमोशन्स हों या इम्प्रोवाइजेशन, वह नहीं आ पा रही थी। और चूंकि मैंने कई दिग्गज़ों जैसे आमिर खान, अतुल कुलकर्णी, रॉनित रॉय जैसों के साथ काम कर लिया था, तो मैं सोचता था कि मैं वहां तक कैसे पहुंचूंगा। फिर मैंने अपने बोर्ड एग्जाम खत्म होने के बाद ब्रेक लिया और थिएटर जॉइन किया। यह सिलसिला कोविड महामारी तक चला और मैंने लगभग हर राज्य में परफॉर्म किया। इस चीज ने मुझे बदल दिया और सिखाया कि एक ऐक्टर क्या होता है। लेकिन कोविड में सबकुछ अचानक थम सा गया। इस दौरान मुझे लगा कि अब वेब सीरीज से बड़े पर्दे पर वापसी की जा सकती है। मैंने फिर ऑडिशन दिया गेमरलोग के लिए और मुझे चुन लिया गया। मैं मानता हूं कि अगर आप किसी चीज के लिए तैयार हैं, तभी वह आपके पास आती है।

एक ऐसा बैट्समैन जो पहली ही बॉल पर सिक्स मार दे, (दर्शील की डेब्यू फिल्म तारे जमीन पर सुपरहिट रही थी), उसके लिए बाकी चीजों को चेजं करना कितना मुश्किल होता है?

उसके लिए आइडिया यही है कि आपको आउट नहीं होना है। अगर आउट होते हो तो आगे की इनिंग्स का भी देखना है। लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि गेंद ही आपकी रेंज में आ जाती है। अब जब मैंने नेट पर खूब प्रैक्टिस की है, तो फिर से यह मौका आया है।

तब फिल्म के बाद आमिर खान के टच में थे?

बिल्कुल, मैं तो अभी तक आमिर खान सर के टच में हूं। बीच में थिएटर के समय थोड़ा सा गैप आ गया था। अभी गेमरलोग के लिए मैंने उन्हें अप्रोच किया तो उन्होंने मुझे घर बुलाया। हमने उनको भी गेमरलोग का ट्रेलर दिखाया और उनको काफी पसंद आया। इससे हमें भी प्रोत्साहन मिला।

आपको फिल्म तारे ज़मीन पर से पहचान मिली थी। क्या इसे संयोग ही कहा जाए कि इस समय आमिर खान की फिल्म सितारे ज़मीन पर भी सिनेमाघरों में है और आपकी गेमरलोग भी रिलीज हुई है।

बिल्कुल, ये कुदरत का कोई करिश्मा या ऊपर से लिखी हुई कोई कहानी लगती है। क्योंकि ऐसा कुछ प्लान नहीं था। हमारे इस शो की मेहनत बहुत सालों से चल रही है और फिर इसी टाइम पर पता नहीं कैसे रिलीज़ हो गई। एक बात अच्छी है कि दोनों प्रोजेक्ट्स को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और मेहनत रंग लाई। मैं एक चीज़ हमेशा मानता हूं कि ऑडियंस सबसे महत्वपूर्ण है और कॉन्टेंट ही किंग है। और आज के समय में हमारी ऑडियंस बहुत स्मार्ट हो चुकी है। तो यह जो हमारा शो है गेमरलोग, यह एक गेमिंग के लेंस के द्वारा जिंदगी की कहानी बताती है। इसमें गेमरलोग एक टीम है जो एक ई-स्पोर्ट्स कॉम्पिटीशन जीतना चाहती है।

आप गेमरलोग में काम कर रहे हैं। क्या आपने पहले कभी गेमिंग की है? और कैसा लगा इस सीरीज में काम करके?

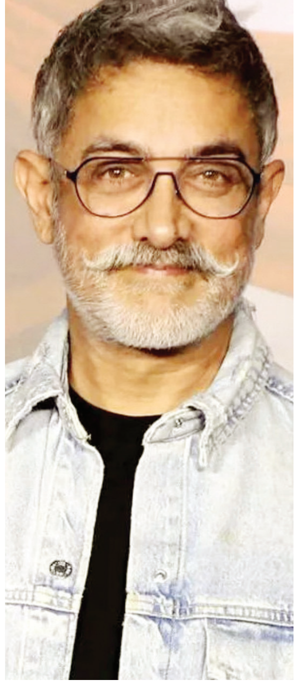

हम सभी ने बहुत मेहनत, लगन, प्यार और पैशन से यह प्रोजेक्ट बनाया है। सभी लोग गेमिंग से कहीं न कहीं जुड़े हुए हैं। नीता मैम (लेखक-प्रड्यूसर) उतना प्रफेशनली नहीं खेलतीं, लेकिन फिर भी उनका बहुत सपोर्ट रहा। फिर लोगों का इतना प्यार आना और पहले ही चार दिन में हम टॉप 5 में आ गए थे, तो वह भी एक बहुत हॉर्ट वॉर्मिंग फीलिंग है। मैं बस यही आशा करता हूं कि ऑडियंस जो हमें रिस्पॉन्स दे रही है, वह देती रहे। ताकि हम भी ऐसा काम करते रहें। इससे हमें भी बहुत प्रोत्साहन मिलता है।

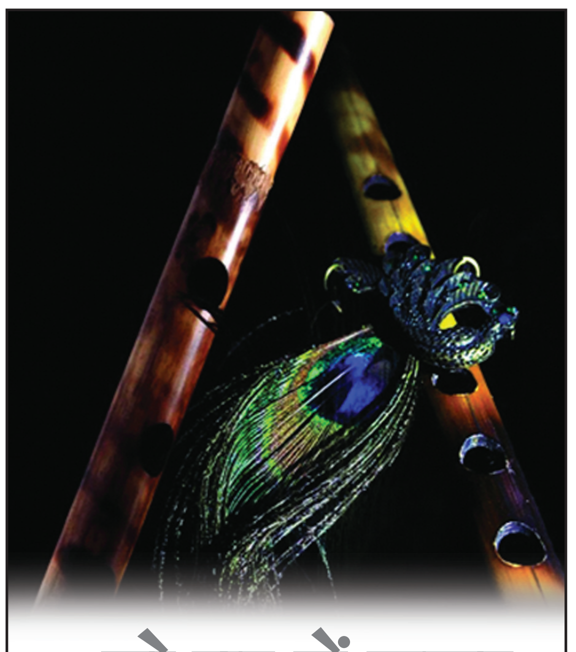

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

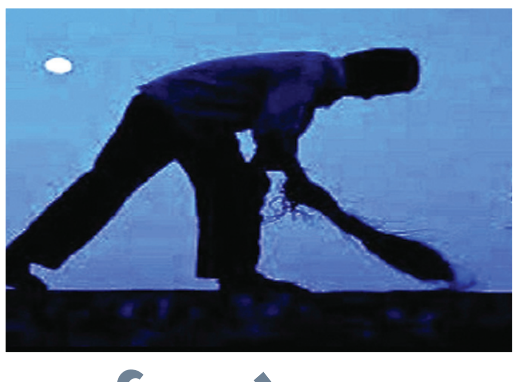

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनसुरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विध्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडकर उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

गोमेद एक खूबसूरत रत्न जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अतः ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं।

कौन ना पहने ये रत्न- जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।